THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 175 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) अश्विन कृ.14 2082 शनिवार, 20 सितंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

उमर खालिद की याचिका पर अब 22 सितंबर को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शरजील इमाम, उमर खालिद, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर और शिफा उर रहमान की याचिकाओं पर सुनवाई 22 सितंबर तक टाल दी। इन याचिकाओं में दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट ने उन्हें 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े कथित साजिश के मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया था। इन सभी के खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने दो सितंबर को उमर खालिद और शरजील इमाम सहित नौ लोगों को जमानत देने से इनकार किया था।

मणिपुर के बिष्णुपुर में असम राइफल्स के वाहन पर घात लगाकर हमला

जेसीओ समेत 2 जवान शहीद, 2 जख्मी

इंफाल, 19 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में शांति बहाली की कोशिश के बीच बिष्णुपुर जिले में बड़ी घटना हुई है। शुक्रवार देर शाम हथियारबंद लोगों ने असम राइफल्स के एक वाहन पर हमला कर दिया। इस हमले में एक जेसीओ समेत दो जवान शहीद हो गए और दो अन्य घायल हो गए। यह घटना नांबोल सबल लेइकाई इलाके में शाम करीब 6 बजे हुई। हमलावरों ने घात लगाकर सैनिकों पर हमला किया। सुरक्षा बल ने हमले के पीछे छिपे आतंकवादियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

कहां हुआ हमला :

अधिकारियों के अनुसार, असम राइफल्स के जवान इंफाल से बिष्णुपुर की ओर जा रहे थे। तभी नांबोल सबल लेइकाई इलाके में उन पर हमला हुआ। वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में आतंकवादियों के हमले में असम राइफल्स के दो जवान शहीद हो गए। इनमें एक जेसीओ और एक जवान शामिल हैं। दो जवान घायल हैं।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि घायल जवानों को पुलिस और स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है।

गृहयुद्ध भड़काना चाहते हैं राहुल : निशिकांत दुबे

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जेन जेड को लेकर एक सोशल मीडिया पोस्ट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। दुबे ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी भारत में गृहयुद्ध भड़काना चाहते हैं और सोरोस फाउंडेशन के साथ मिलकर देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत में अगर जेन-जेड उठ खड़ा हुआ, तो कांग्रेस और उसके साथी दलों को देश छोड़कर भागना पड़ेगा।

निशिकांत दुबे ने कहा, जेन-जेड का मतलब अगली पीढ़ी, युवा और अपने देश के बारे में कैसे फैसला लेना चाहते हैं और सरकार बदलना चाहते हैं।

पित्रोदा का विवादित बयान

'पाकिस्तान में घर जैसा महसूस हुआ'

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी के करीबी और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने भारत की विदेश नीति और पड़ोसी देशों के साथ संबंधों पर अपनी हालिया टिप्पणी से एक बार फिर विवाद खड़ा कर दिया है। एक इंटरव्यू में पित्रोदा ने कहा कि मैं पाकिस्तान गया, और आपको बता दूं कि मुझे वहां घर जैसा महसूस हुआ। आईएएनएस के साथ एक इंटरव्यू में पित्रोदा ने क्षेत्रीय कूटनीति को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने नेपाल से लेकर बांग्लादेश तक की तारीफ की है।

पित्रोदा ने कहा कि मैं बांग्लादेश गया, मैं नेपाल गया हूं, और मुझे वहां घर जैसा महसूस होता है। मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैं किसी विदेशी देश में हूं। पित्रोदा ने केंद्र सरकार से कहा कि अपने पड़ोसियों के साथ बातचीत को प्राथमिकता दी जाए। पित्रोदा ने कहा कि भारत की विदेश नीति की शुरुआत पाकिस्तान सहित क्षेत्र के देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने से होनी चाहिए।

नवविवाहिता ने मायके में की आत्महत्या

इंदौर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। इंदौर के छत्रीपुरा थाना क्षेत्र में एक नवविवाहिता ने अपने मायके में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला के पास से सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें उसने अपनी मर्जी से आत्महत्या करने की बात लिखी और माता-पिता से माफी मांगी है। बताया जा रहा है कि महिला का पति से तलाक को लेकर विवाद चल रहा था। छत्रीपुरा पुलिस के अनुसार, हिमानी (30) पति रवि प्रजापति लोकनायक नगर की रहने वाली थी। पिछले एक साल से अपने मायके में रह रही थी। उसकी शादी दो साल पहले अहमदाबाद में रवि प्रजापति से हुई थी, जो कि गुजरात राज्य परिवहन निगम में कार्यरत हैं। शादी के लगभग एक साल बाद ही हिमानी अपने पिता अभिनंदन प्रजापति के घर लौट आई थी। हिमानी के पति रवि गुजरात राज्य परिवहन निगम में नौकरी करते है। हिमानी ने एक सुसाइड नोट भी लिखा है, जिसमें लिखा है कि अब उसकी जीने की इच्छा नही है। वह अपनी मर्जी से सुसाइड कर रही है। उसने माता पिता से माफी भी मांगी है। पुलिस ने इसे जब्त कर लिया है।

'रैली से संपत्ति को नुकसान हुआ तो करनी होगी भरपाई'

अदालत ने सरकार को नियम बनाने के दिए निर्देश

चेन्नई, 19 सितंबर (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह राजनीतिक दलों की जमा सुरक्षा राशि वसूलने के लिए दिशानिर्देश बनाए, जब भी वे सार्वजनिक सभाएं या इस तरह के आयोजन करना चाहते हैं।

इस राशि का उपयोग पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा सार्वजनिक व निजी संपत्तियों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए किया जाएगा। जस्टिस एन। सतीश कुमार ने अतिरिक्त लोक अभियोजक ई। राज तिलक ने कहा कि वह 24 सितंबर तक ऐसे दिशानिर्देशों की रिपोर्ट पेश करें, जो उन सभी राजनीतिक दलों और अन्य संगठनों/संघों पर लागू हों, जो सार्वजनिक बैठकें, रैली आदि आयोजित करना चाहते हैं। कोर्ट ने यह निर्देश उन घटनाओं को ध्यान में रखते हुए जारी किया, जिनमें राजनीतिक दलों के बड़े जमावड़ों के दौरान सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचा था। साथ ही इस तथ्य को भी ध्यान में रखा गया कि प्रभावित लोगों को अक्सर हुए नुकसान की भरपाई नहीं मिल पाती। हालांकि, जज ने कहा कि तमिलनाडु संपत्ति (क्षति और हानि निवारण) अधिनियम, 1992 मुख्य रूप से सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान से बचाने के लिए था, लेकिन इसे 1994 में संशोधित कर निजी संपत्तियों को भी इसके दायरे में लाया गया।

जज ने लिखा, इस अधिनियम और उसमें संशोधन का मूल उद्देश्य राजनीतिक दलों या किसी भी अन्य समूह को, जो प्रदर्शन या बड़ी जनसभा आयोजित करते हैं, जिम्मेदार ठहराना है कि अगर सार्वजिक या निजी संपत्ति को नुकसान होता है तो वे प्रभावितों को मुआवजा दें। जस्टिस कुमार ने कहा, अधिनियम के प्रावधान मुआवजे की व्यवस्था करते हैं, लेकिन हालिया वर्षों में इसका सही तरीके से पालन नहीं हुआ। इसलिए ऐसे बड़े जमावड़ों के दौरान होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए कोर्ट का मानना है कि कड़ी शर्तें लगाई जानी चाहिए,जिसमें एक राशि जमान कराना अनिवार्य हो। कोर्ट ने ये टिप्पणियां अभिनेता सी। जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके की ओर से दायर याचिका पर अंतरिम आदेश पारित करते हुए कीं। याचिका में उनके चुनाव प्रचार अभियान के लिए अनुमति देने में भेदभाव का आरोप लगाया गया था।

पार्टी ने पुलिस पर आरोप लगाया था कि उसके चुनावी अभियानों के आयोजन लिए कठोर शर्तों लगाई जाती हैं। वरिष्ठ वकील वी। राघवाचारी ने बताया कि तिरुचि पुलिस ने 13 सितंबर को विजय के चुनाव अभियान के लिए 23 शर्तें लगाई थीं, जिनमें एक शर्त यह थी कि गर्भवती महिलाएं, वृद्ध और विकलांग व्यक्ति कार्यक्रम में भाग न लें। उन्होंने सवाल उठाया कि पार्टी किसी को अपने कार्यक्रम में आने से कैसे रोक सकती है।

घर की खुली खिड़कियों पर रहती नजर

चुपके से कर देते थे मोबाइल गायब

सूरत, 19 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत जिले में इच्छापोर पुलिस ने मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में आरोपी घर की खिड़कियों पर रखे मोबाइल फोन को निशाना बनाते थे और पलक झपकते ही फोन को गायब कर फरार हो जाते थे। हाल के दिनों में इलाके में इस तरह की चोरी की वारदातें बढ़ गई थी। जब इसकी सूचना पुलिस को मिली तो पुलिस उनकी तलाश में जुट गई। मामला इच्छापोर पुलिस थाना क्षेत्र मोरा गांव का है।

पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मोबाइल चोरी के दो मामलों में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी रात के समय में घर की खिड़कीयों पर रखे मोबाइलों को आसानी से निशाना बनाते थे। इसके लिए वे इलाके की रेकी कर आस पास की लोकशन लेते थे और फिर मौका मिलते ही खिड़की के पास पहुंचकर खिड़की पर रखे मोबाइल को चुराकर फरार हो जाते थे।

पुलिस ने चोरों के पास से 11 मोबाइल बरामद किए है, जिसकी कीमत करीब 89,500 रुपये आंकी गई है। यहां रात के समय बंद घरों की खड़कियों से हाथ डालकर मोबाइल चोरी की वारदातें हो रही थीं। मामले पकड़े गए आरोपियों में प्रिंसकुमार संतोष भारती, उम्र 18 साल व अतुल संतोष गुप्ता, उम्र 24 साल और दो बाल किशोरों को भी हिरासत में लिया गया है। मामले में पुलिस ने अलग-अलग धारओं में शिकयतें दर्ज कर ली है।

मामले में पुलिस आयुक्त और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर इच्छापोर पुलिस इंस्पेक्टर ने सर्वेलांस टीम ने काम पर लगाया। इसके बाद पुलिस टीम ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर हजीरा रोड एनटीपीसी ब्रिज के पास घूम रहे संदिग्धों को दबोचा। मामले में पुलिस जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इनके गैंग में और लोग भी तो शामिल नहीं है।

खदान से निकला अब तक का सबसे बड़ा 150 कैरेट का हीरा, विवाद में फंसा

पन्ना, 19 सितंबर (एजेंसियां)। रत्नगर्भा पन्ना की धरती एक बार फिर सुर्खियों में है। कृष्णा कल्याणपुर की उथली खदान से 150 कैरेट का हीरा मिलने की सनसनीखेज जानकारी सामने आई है। यह दावा मैहर निवासी जयबहादुर सिंह पिता बलवीर सिंह ने अपने साथियों के साथ किया है। जानकारी के अनुसार जयबहादुर सिंह ने 13 फरवरी 2025 को हीरा कार्यालय से पट्टा संख्या 0062, खसरा नं। 102/1 पर खदान पट्टे पर लेकर कार्य प्रारंभ किया था।

सात माह की कड़ी मेहनत के बाद पांच सितंबर 2025 को खदान से करीब 150 कैरेट का हीरा निकले जाने की बात सामने आई। जयबहादुर सिंह का आरोप है कि खदान में निकला हीरा दयाराम पटेल सहयोगी के पास रखा गया, लेकिन उसने मिलकर जमा कराने से इनकार कर दिया। वो अपने या रिश्तेदारों के नाम से जमा कराने की योजना बना रहा है। इस पर जयबहादुर ने पुलिस अधीक्षक और कोतवाली पन्ना में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के साथ हीरे की फोटो और पट्टा संबंधी प्रमाण भी संलग्न किए गए हैं।

विधानसभा में जवाब देते समय बिगड़ी मंत्री की तबीयत

सदन से सीधे पहुंचे अस्पताल

कोच्चि, 19 सितंबर (एजेंसियां)। केरल विधानसभा में शुक्रवार के दिन कार्यवाही शुरू होने के 10 मिनट बाद ही शिक्षा मंत्री की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। राज्य के सामान्य शिक्षा एवं श्रम मंत्री वी। शिवनकुट्टी शुक्रवार को राज्य विधानसभा में शून्यकाल के दौरान सवालों के जवाब दे रहे थे। इसी दौरान उन्हें स्वास्थ्य संबंधी कुछ समस्या महसूस हुई। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। सुबह नौ बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने के लगभग 10 मिनट बाद, शिवनकुट्टी को अचानक स्वास्थ्य संबंधी कुछ समस्याएं हुईं, जिसके बाद सत्तारूढ़ मोर्चे के कई सदस्य उनकी मदद के लिए दौड़े। इसके बाद, उन्हें सदन से अस्पताल ले जाया गया, एक विधानसभा अधिकारी ने बताया। उन्होंने आगे कहा कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि मंत्री को वास्तव में क्या हुआ था।

एम बी राजेश ने दिया जवाब

अधिकारी ने कहा, यह गंभीर नहीं लग रहा है, लेकिन जब तक अस्पताल में उनकी जांच नहीं हो जाती, हम निश्चित रूप से नहीं जान सकते। शिवनकुट्टी को जिन शेष प्रश्नों के उत्तर देने थे, उनका उत्तर संसदीय कार्य मंत्री एम। बी। राजेश ने दिया।

12 दिन का है केरल विधानसभा का सत्र

केरल विधानसभा का सत्र 15 सितंबर को तिरुवनंतपुरम में शुरू हुआ था। 12 दिनों का यह सत्र मुख्य रूप से कानून बनाने पर केंद्रित है और सत्र के नौ दिन इसी के लिए समर्पित हैं। सरकार मानवीय आबादी वाले क्षेत्रों में प्रवेश करने वाले जंगली जानवरों को निष्क्रिय करने की प्रक्रियाओं को सरल बनाने के उद्देश्य से एक विधेयक भी पेश करने की योजना बना रही है।

छह माह के बच्चे को लेकर जंगल की ओर दौड़े, सब तबाह

देहरादून, 19 सितंबर (एजेंसियां)। तेज बारिश हो रही थी तभी अचानक बिजली गायब हो गई। फिर तेज आवाज आई और देखा तो चारों ओर धुंध थी। तभी छह माह के बच्चे समेत पूरा परिवार जंगल की ओर भागा और पूरी रात बाहर ही रहा। रात के तीन बजे थे, अचानक एक तेज आवाज आई। तीन मिनट के उस मंजर ने सब कुछ तबाह कर दिया। अगर पहली आवाज सुन जंगल की ओर न आते तो शायद हम भी आपदा का शिकार होते। ये मंजर विनोद और उनके परिवार ने बयां किया। छह महीने के बच्चे को लेकर पूरा परिवार बेघर हो चुका है।

विनोद ने बताया कि पहले भी आपदा आई लेकिन कभी बेघर हुए विनोद और उनके परिवार ने बयां किया उस रात का मंजर ऐसा मंजर नहीं देखा। छह महीने के बच्चे के अलावा भी उनकी पांच, 10 और 12 साल की बेटियां हैं। विनोद ने बताया कि परिवार में 17 लोग हैं जो सभी बेघर हो चुके है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री की फेसबुक पोस्ट की जांच में अमेरिका की मदद लेगी पुलिस, सरकार ने दी मंजूरी

तिरुवनंतपुरम, 19 सितंबर (एजेंसियां)। केरल सरकार ने राज्य पुलिस को पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर के फेसबुक अकाउंट की जांच में अमेरिका से मदद लेने की मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी अमेरिका से पारस्परिक कानूनी सहायता के तहत दी गई है। केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने विवादित फेसबुक पोस्ट 29 अक्टूबर 2023 को कलामस्सेरी में हुए दोहरे बम विस्फोटों को लेकर की थी, जिसमें आठ लोग मारे गए थे। इस पोस्ट को लेकर एर्नाकुलम साइबर सेल में 31 अक्टूबर 2023 को पुलिस ने शिकायत दर्ज कराई गई थी।

क्या है फेसबुक पोस्ट को लेकर विवाद?

प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि चंद्रशेखर के अकाउंट से कथित तौर पर किए गए फेसबुक पोस्ट में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की गई और कलामस्सेरी में हुए विस्फोटों में फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास का जिक्र करते हुए एक भड़काऊ टिप्पणी की गई। इस पोस्ट में कांग्रेस और माकपा पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया गया और हैशटैग 'हमास आतंकवादी' और 'कोच्चि आतंकवादी हमले' का इस्तेमाल किया गया। इसमें कथित तौर पर हमास नेता खालिद मशाल की ओर इशारा किया गया था, जो विस्फोट से एक दिन पहले केरल में आयोजित फलस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शन में वर्चुअल रूप से शामिल हुआ था।

इस पोस्ट की जांच के लिए राज्य पुलिस को अमेरिका में फेसबुक और एक्स मीडिया प्लेटफॉर्म से जानकारी जुटाने की जरूरत है। इस संबंध में पुलिस ने राज्य सरकार से जुलाई में इसकी इजाजत मांगी, जिस पर 8 सितंबर को सरकार ने इजाजत दे दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पारस्परिक कानूनी सहायता का अनुरोध सीबीआई के माध्यम से भेजा जाएगा, जो भारत की इंटरपोल नोडल एजेंसी है। अमेरिका में इंटरपोल एजेंसी संबंधित सोशल मीडिया फर्मों से जानकारी एकत्र करके अनुरोध को आगे बढ़ाएगी।

केरल उच्च न्यायालय ने दी राहत

पुलिस ने चंद्रशेखर और भाजपा के राष्ट्रीय सचिव अनिल एंटनी के खिलाफ हमास का नाम लेकर पोस्ट करने के आरोप में एक और मामला भी दर्ज किया था। दोनों मामले आईपीसी की धारा 153 (दंगा भड़काने के इरादे से उकसाना), 153ए (धर्म, नस्ल, भाषा या जाति के आधार पर समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और केरल पुलिस अधिनियम की धारा 120(ओ) (उपद्रव फैलाना) के तहत दर्ज किए गए थे। बाद में चंद्रशेखर ने केरल उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसने पुलिस को उनके खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई न करने का निर्देश दिया।

बॉम्बे हाई कोर्ट को दूसरी बार मिली बम से उड़ाने की धमकी, मची अफरा-तफरी

मुंबई, 19 सितंबर (एजेंसियां)। इस वक्त की बड़ी खबर मुंबई से सामने आ रही है। यहां बॉम्बे हाई कोर्ट को एक बार फिर से बम से उड़ने की धमकी मिली है। वहीं अब दूसरी बार धमकी भरा मेल आने के बाद हाई कोर्ट की सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है। पुलिस की तरफ से मिली जानकारी के मुताबिक अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। यहां से होकर आने जाने वाली सभी गाड़ियों की जांच की जा रही है। वहीं धमका भरा मेल प्राप्त होने के बाद मुंबई पुलिस ने हाई कोर्ट परिसर की तलाशी लेनी शुरू कर दी है। पुलिस को अभी तक यहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। यह दूसरी बार है जब बॉम्बे हाई कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है।

हाल ही में ऐसी ही धमकी एक बार और मिली चुकी है। हालांकि पिछली बार भी पूरे हाई कोर्ट को खाली करा लिया गया था, लेकिन कुछ भी नहीं मिला। मुंबई पुलिस का कहना है कि बॉम्बे हाई कोर्ट को सुबह-सुबह एक धमकी भरा मेल मिला है। सुबह के समय हाई कोर्ट की जांच की गई और कुछ भी नहीं मिला। न्यायालय सामान्य रूप से, नियमित समय पर शुरू हो गया है। कोर्ट के आस पास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बता दें कि इससे पहले पिछले शुक्रवार को भी बॉम्बे हाई कोर्ट को बम की धमकी वाला एक ई-मेल मिला था।

हालांकि तलाशी अभियान में कुछ भी संदिग्ध न मिलने पर इसे अफवाह घोषित कर दिया गया। बम की धमकी मिलने के चलते अदालत की कार्यवाही लगभग दो घंटे तक स्थगित रही। ईमेल मिलने के बाद हाई कोर्ट परिसर को खाली करा लिया गया और तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। इस संबंध में आजाद मैदान पुलिस थाने में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ईमेल भेजने वाले के 'आईपी एड्रेस' और स्थान का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

अदालत से फरार आतंकी आरोपी मोहम्मद रफीक शेख गिरफ्तार, कोर्ट ने भेजा न्यायिक हिरासत में

जम्मू, 19 सितंबर (एजेंसियां)। काउंटर इंटेलिजेंस जम्मू (सीआईडी) ने एक बड़ी सफलता मिली है। लंबे समय से अदालत से फरार चल रहे आतंकी गतिविधियों में संलिप्त आरोपी मोहम्मद रफीक शेख को गिरफ्तार किया गया है। रफीक डोडा जिले भद्रवाह के चक्रवर्ती का रहने वाला है। जम्मू में एक अहम आतंकी मामले में वांछित था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज है। जानकारी के अनुसार आरोपी मुकदमे की सुनवाई के दौरान अदालत से फरार हो गया था। कई वर्षों से छिपकर रह रहा था। एजेंसियों की उसकी गतिविधियों नजर थी लेकिन वह बचने की लगातार कोशिश कर रहा था।

भारत-पाक बॉर्डर पर ड्रोन से तस्करी बढ़ी, एक साल में छह गुना केस

चंडीगढ़, 19 सितंबर (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर ड्रोन से ड्रग्स तस्करी के मामलों में छह गुना बढ़ोतरी हुई है। प्रदेश के चार जिलों अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर व गुरदासपुर में इसके केस बढ़े हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार ड्रोन तस्करी से निपटना कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। 2022 में ड्रोन से तस्करी के 35 मामले सामने आए थे और वर्ष 2021 में मात्र तीन केस ही रजिस्टर हुए थे। अगर बीते चार साल की बात करें तो यह बढ़ोतरी करीब 90 गुना है।

बरामद नशीले पदार्थ में ज्यादातर हेरोइन, अफीम होती है। वर्ष 2024 में पंजाब में सबसे अधिक 163 केस सामने आए, जिनमें 187 किलोग्राम हेरोइन पकड़ी गई है जबकि 5.39 किलो मेथामफेटामाइन और 4.22 किलो अफीम जब्त की गई है। पिछले साल राजस्थान में 15 और जम्मू-कश्मीर में तस्करी का 1 केस सामने आया था। इस दौरान राजस्थान में जहां 39 किलो हेरोइन जब्त की गई। वहीं जम्मू-कश्मीर में 344 ग्राम हेरोइन पकड़ी गई। रिपोर्ट के अनुसार इंजेक्शन के जरिये नशीली दवाओं का उपयोग भी बढ़ रहा है। वर्ष 2024 में 4.54 करोड़ रुपये मूल्य की 2,75,272 यूनिट्स जब्त की गईं।

पंजाब और महाराष्ट्र में इसका सबसे अधिक उपयोग हो रहा है। एनसीबी ने पिछली रिपोर्ट में खुलासा किया था कि पंजाब सीमा सबसे अधिक प्रभावित रही है जहां राज्य या केंद्रीय एजेंसियों द्वारा ड्रग्स, जाली नोट, हथियारों और गोला-बारूद की बरामदगी की गई। इसमें भारी मात्रा में हेरोइन, अफीम, चरस और अन्य ड्रग्स शामिल हैं। पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में एके-47, 56 राइफल, आरडीएक्स, विदेशी निर्मित राइफलें और जाली नोट भी जब्त किए गए हैं।

ठंडाई में भांग मिलाकर पिलाया

बेहोश हुई तो बनाया अश्लील वीडियो, ब्लैकमेल कर दो साल तक किया रेप, ऐंठे 14 लाख

सूरत, 19 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत एक विवाहित महिला के साथ दोस्ती कर उसे ब्लैकमेल करने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। मामले में आरोपी ने महिला को होली के दिन भांग मिली ठंडाई पिलाकर बेहोश किया और दुष्कर्म किया। इस दौरान उसने वीडियो भी बना लिया और बाद में वीडियो वायरल करने की धमकी देकर महिला का दो साल तक शारीरिक शोषण किया। मामला सूरत के डिंडोली का है।

यहां एक विवाहित महिला की दोस्ती करीब ढाई साल पहले डिंडोली के माधव रेसिडेंसी निवासी प्रवीण रणजीतभाई पवार से हुई थी। इसके बाद होली के त्योहार के दौरान आरोपी ने महिला ठंडाई दी। क्योंकि महिला उसे पहले से जानती थी तो विश्वास में आकर महिला ने ठंडाई पी ली। आरोपी ने ठंड़ाई में भांग मिलाया था, जिसके चलते महिला बदहवास हो गई। इसके बाद आरोपी ने बदहवास महिला के साथ दुष्कर्म किया और उसका अश्लील वीडियो बना लिया।

बाद में आरोपी ने महिला को वीडियो वायरल करने की धमकी दी और उसे ब्लैकमेल करने लगा। आरोपी ने महिला दो साल तक महिला का शारीरिक शोषण किया। इसके साथ ही उसने महिला से 14 लाख रुपये भी ऐंठ लिए, जिसमें 3.70 लाख रुपये नकद और 10.30 लाख रुपये के गहने शामिल हैं। इस ब्लैकमेलिंग के दौरान आरोपी महिला को वेसू, अलथाण की होटल्स में और दमन ले जाकर शारीरिक संबंध बनाता रहा। आखिरकार महिला आरोपी की ब्लैकमेलिंग से तंग आ गई और उसने अपने पति को पूरी सच्चाई बताई। पति को मामले के बारे में पता चला तो वह दंग रहा गया। इसके बाद महिला ने डिंडोली थाने में शिकायत दर्ज कराई, जहां पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

मॉडल सुखप्रीत ने क्यों किया था सुसाइड?

गुजरात पुलिस ने चार महीने बाद किया खुलासा, लिव इन पार्टनर अरेस्ट

अहमदाबाद/सूरत, 19 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात की सूरत सिटी पुलिस ने मॉडल सुखप्रीत कौर के सुसाइड केस को सुलझा लिया है। पुलिस ने मॉडल के सुसाइड के मामले में चार महीने बाद उसके लिव इन पार्टनर और पेशे से फोटोग्राफर महेंद्र राजपूत को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि लिव इन पार्टनर ने इतना प्रताड़ित किया था कि 19 साल की मॉडल खुदकुशी करने को मजबूर हो गई थी। मॉडल की खुदकुशी का यह मामला सुसाइट नोट से खुला है। इसमें लिव इन पार्टनर का नाम सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी को तकनीकी सर्विलांस के जरिए अरेस्ट किया है। पुलिस के अनुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। मूलरूप से मध्य प्रदेश के शिवपुरी की रहने वाली 19 साल की सुखप्रीत कौर एक साल पहले मॉडलिंग के लिए सूरत आई थी। सुखप्रीत ने 2 मई 2025 की रात सुखप्रीत ने फ्लैट में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

सुखप्रीत के माता-पिता के आ जाने पर शव का पोस्टमार्टम कराया गया था। सुखप्रीत के पिता लखविंदर सिंह बलवंतसिंह ने अपनी बेटी के शव और उसके सामान को फ्लैट से अंतिम संस्कार के लिए उसके पैतृक निवास मध्य प्रदेश ले गए थे, जहां अंतिम संस्कार पूरा होने के बाद उसके सामान की जांच की गई थी। उसी दौरान बैग से सुखप्रीत कौर द्वारा हिंदी में लिखा लेटर मिला था। इसमें मॉडल ने लिखा कि मैं सुखप्रीत संधू हूं, मैं सूरत की एक बड़ी मॉडलिंग एजेंसी में मॉडल के रूप में काम करती थी, जहां 6 अगस्त को मेरी मुलाकात महेंद्र राजपूत नाम के लड़के से हुई। हम अच्छे दोस्त बन गए और लिव-इन में रहने लगे। करीब एक महीने बाद उसने मुझे परेशान करना शुरू कर दिया। मैं उससे नाराज होकर उसे छोड़ आई, लेकिन वह मुझे ब्लैकमेल करता रहा कि वह मेरी निजी तस्वीरें इंटरनेट पर अपलोड कर देगा। सुखप्रीत ने आगे लिखा है वह (महेंद्र) मुझे जान से मारने की धमकी, गाली-गलौज से ब्लैकमेल करता रहा। इसी बहाने उसने फ्लैट में बुलाया और एक दिन बंद रखा और मेरे हाथ-पैरों पर ब्लेड से वार किया। उसने पैरों पर पट्टी बांध दी।

मैं वहां से भागकर अपने घर आ गई। इसके बाद वह मुझे धमकी देने लगा कि अगर मैंने इस बारे में किसी को बताया तो वह जान से मार देगा। उसने मुझे आत्महत्या के लिए भी उकसाया। सूरत शहर पुलिस के एसीपी वीरभद्र सिंह जाड़ेजा ने कहा कि इस मामले में मॉडल के पिता ने मामला दर्ज करवाया था। तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी को डिंडोली बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार किया है।

देश के इस राज्य में मिला सोने का भंडार

जल्द शुरू होगा निकालने का काम, खनन मंत्री ने किया कंफर्म

भुवनेश्वर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के देवगढ़ और केंदुझर जिलों में करीब 1,996 किलो सोने का भंडार मिला है। यह जानकारी राज्य के मंत्री बिभूति भूषण जेना ने विधानसभा में दी है। मंत्री ने कहा है कि लगभग 1,685 किलो सोना देवगढ़ के आदाश क्षेत्र में और 311.07 किलो सोना केंदुझर के गोपुर क्षेत्र में पाया गया है। इस संबंध में इस्पात एवं खनन मंत्री जेना ने बीजद विधायक अश्विनी पात्रा के प्रश्न का लिखित उत्तर देते हुए जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आदाश क्षेत्र में सर्वेक्षण का कार्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग (जीएसआई) ने किया, जबकि गोपुर क्षेत्र का सर्वेक्षण जीएसआई ने राज्य के खनन एवं भूविज्ञान निदेशालय के सहयोग से किया। मंत्री जेना ने कहा कि ओडिशा सरकार इन सोने के भंडारों के दोहन के लिए आवश्यक कदम उठाएगी, यदि यह आर्थिक और भूगर्भीय दृष्टि से व्यावहारिक पाया जाता है। ओडिशा लोक सेवा आयोग यानी ओपीएससी द्वारा संचालित ओडिशा सिविल सर्विस परीक्षा आगामी अक्टूबर 12 तारीख को होगी। ओडिशा सिविल सर्विस परीक्षा का प्रिलिमनरी परीक्षा के लिए परीक्षा सूची प्रकाशित की गई है। राज्य के 6 जोन में यह परीक्षा होगी। बालेश्वर, भुवनेश्वर, कटक, कोरापुट, संबलपुर और बेरहामपुर जोन के विभिन्न परीक्षा के केंद्रों में यह परीक्षा होगी। 12 अक्टूबर को परीक्षार्थी दो पड़ाव में परीक्षा देंगे। पहले सिटिंग की परीक्षा पूर्वाह्न 10 से 12:00 तक चलेगा।

जिसमें जनरल स्टडीज 1 परीक्षा देंगे। जबकि अपराह्न साढ़े 1:30 बजे से 3:30 तक जनरल स्टडीज 2 विषय में तमाम परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इस परीक्षा के लिए आगामी 4 अक्टूबर से परीक्षार्थियों को परीक्षा हॉल में प्रवेश करने के लिए प्रवेश पत्र तथा एडमिट कार्ड उपलब्ध किया जाएगा । जिसको परीक्षार्थी ऑनलाइन के द्वारा डाउनलोड कर सकेंगे । यह बात ओपीएससी द्वारा प्रकाशित विज्ञप्ति में स्पष्ट किया गया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सुविचार: इस दुनिया में कुछ टूटे या ना टूटे, घमण्ड सबका टूटता है एक दिन..!!!

रेवंत और न्यू जर्सी के गवर्नर सहयोग और द्विपक्षीय निवेश पर सहमत

नई दिल्ली, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में पीएएसआई वार्षिक सम्मेलन के दौरान न्यू जर्सी के गवर्नर फिल मर्फी के साथ विस्तृत चर्चा की। इस दौरान, दोनों नेताओं ने सॉफ्टवेयर और प्रौद्योगिकी, जीवन विज्ञान, शहरी परिवहन और फिल्मों के क्षेत्रों में एक व्यवस्थित सहयोग और द्विपक्षीय आदान-प्रदान बनाने पर सहमति व्यक्त की। रेवंत रेड्डी के तेलंगाना के उभरते दृष्टिकोण का पूर्ण समर्थन करने पर सहमति व्यक्त करते हुए, गवर्नर फिल मर्फी ने कहा, न्यू जर्सी और तेलंगाना राज्यों के बीच कई समानताएं हैं। साथ मिलकर, हम एक-दूसरे की अर्थव्यवस्थाओं में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे के राज्यों में व्यापार प्रतिनिधिमंडलों को सक्रिय रूप से लाने और धन एवं रोजगार सृजन की संभावनाओं को अधिकतम करने के लिए दोनों राज्यों में निवेश बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

न्यू जर्सी के गवर्नर मर्फी ने न्यू जर्सी ट्रेन्स अथॉरिटी के माध्यम से हैदराबाद के शहरी और सार्वजनिक परिवहन क्षेत्रों को भरपूर समर्थन देने का भी वादा किया। मेट्रो से लेकर एमएमटीएस तक, हैदराबाद के सार्वजनिक परिवहन को न्यू जर्सी सरकार से भरपूर सहयोग मिला है। मैं इस मित्रता के लिए गवर्नर मर्फी का आभार व्यक्त करता हूं। एनजेआईटी, प्रिंसटन, रटगर्स और अन्य न्यू जर्सी के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों को तेलंगाना में आमंत्रित करते हुए, मुख्यमंत्री ने हैदराबाद में अपने अपतटीय परिसर स्थापित करने पर उन्हें हर संभव सहायता देने का वादा किया। उन्होंने फिल्म उद्योग पर्यटन को सुविधाजनक बनाने और बढ़ावा देने पर भी सहमति व्यक्त की।

मंत्रीस्तरीय टकराव : विवेक से परेशान कोंडा सुरेखा

सीएमओ से की शिकायत

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन मंत्री कोंडा सुरेखा श्रम मंत्री विवेक वेंकटस्वामी द्वारा उनकी जानकारी या सहमति के बिना वन अधिकारियों के साथ बैठक बुलाने से नाराज हैं। उन्होंने इस मामले को मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचाया है और सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की है। गुरुवार शाम को, विवेक ने अपने सचिवालय कक्ष में वन अधिकारियों के साथ एक बैठक की, जहां उनके निर्वाचन क्षेत्र चेन्नूर में सड़क निर्माण के लिए पोडु भूमि और वन मंजूरी से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई। मंचेरियल जिला कलेक्टर कुमार दीपक और वरिष्ठ वन अधिकारी मौजूद थे। हालांकि, यह घटनाक्रम वन मंत्री को रास नहीं आया। उनके कार्यालय के अधिकारियों ने कहा कि चूंकि उनके विभाग से सीधे जुड़े मामलों पर चर्चा हुई थी, इसलिए कम से कम उन्हें सूचित किया जाना चाहिए था या आमंत्रित किया जाना चाहिए था।

भारी बारिश की चेतावनी

पोन्नम ने अतिरिक्त तैयारियां करने का आह्वान किया

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने शुक्रवार को अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया, क्योंकि शहर के कई इलाकों में पिछले तीन दिनों से थोड़े समय के लिए भारी बारिश हो रही है, जिससे जनता को परेशानी हो रही है। मंत्री ने बारिश से संबंधित विभिन्न घटनाक्रमों से जुड़े अधिकारियों के साथ एक टेलीकॉन्फ्रेंस की और उन्हें एहतियाती कदम उठाने को कहा ताकि लोगों को असुविधा न हो। जीएचएमसी, हाइड्रा, पुलिस, यातायात, हैदराबाद मेट्रो जलकार्य, जिला राजस्व, बिजली और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने इस टेलीकॉन्फ्रेंस में भाग लिया।

उन्होंने मौसम विभाग की चेतावनी के मद्देनजर अधिकारियों को ड्यूटी पर रहने का भी आदेश दिया कि अगले तीन दिनों में भारी बारिश की संभावना है। निचले इलाकों में रहने वाले निवासियों को किसी भी कठिनाई की सूचना देने पर तुरंत प्रतिक्रिया मिलनी चाहिए। जन शिकायतों के लिए टोल-फ्री नंबरों की जानकारी टीवी और समाचार माध्यमों के माध्यम से लोगों को दी जानी चाहिए।

पुनर्वास केंद्रों में सभी प्रकार की सुविधाओं की व्यवस्था की जानी चाहिए। मंत्री ने आगे कहा कि वाहन चालकों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए रेलवे अंडर-ब्रिज पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की जानी चाहिए। बाढ़ के पानी से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जीएचएमसी कर्मचारियों को भारी बारिश के दौरान मैनहोल की लगातार निगरानी करनी चाहिए। लोगों को बिजली के खंभों और तारों के आसपास सावधान रहना चाहिए। संभावित भारी बारिश के दौरान जनता को मोबाइल संदेशों के माध्यम से अलर्ट भेजे जाने चाहिए।

पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि लोगों को केवल तभी बाहर निकलना चाहिए जब बहुत जरूरी हो और जब बारिश हो तेज़ हो। मंत्री ने कहा कि आपूर्ति के समय पेयजल की गुणवत्ता की उचित जांच सुनिश्चित करना और उसे दूषित होने से बचाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मलिन बस्तियों और निचले इलाकों में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है और लोगों को ऐसी परिस्थितियों में मैनहोल के ढक्कन खोलने से बचना चाहिए।

मंत्री ने कहा कि हाइड्रा, जीएचएमसी, पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारियों को समन्वय से काम करना चाहिए।

हरीश राव ने उड़ाया कांग्रेस का मजाक

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने तुम्मिडी हट्टी से येल्लमपल्ली तक प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना के निर्माण के लिए कांग्रेस सरकार के प्रस्ताव का उपहास किया और व्यंग्यात्मक रूप से इसे इंजीनियरिंग प्रतिभा का एक पाठ्यपुस्तक उदाहरण करार दिया।

हरीश राव ने तीखा कटाक्ष करते हुए, 84,000 करोड़ रुपये की लागत से 37 लाख एकड़ जमीन को 240 टीएमसीएफटी पानी उपलब्ध कराने के लिए बनाई गई कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना की तुलना कांग्रेस सरकार की प्रस्तावित प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना से की। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, तुम्मिडी हट्टी से येल्लमपल्ली तक, वे सिर्फ़ 4.47 लाख एकड़ जमीन को 80 टीएमसीएफटी पानी से सिंचित करने के लिए 35,000 करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं। बीआरएस नेता ने कहा कि कालेश्वरम परियोजना की एक-तिहाई लागत से, कांग्रेस प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना को पुनर्जीवित करने की अपनी योजना के तहत परियोजना के अयाकट का दसवां हिस्सा भी नहीं जुटा पाई।

महाराजा अग्रसेन जयंती : 22 सितंबर को होगा भव्य समारोह

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन एवं अग्रवाल समाज तेलंगाना के तत्वावधान में महाराजा श्री अग्रसेन की 5149वीं जयंती 22 सितंबर सोमवार को बंजारा हिल्स रोड नंबर 12 स्थित अग्रसेन चौक पर भव्य रूप से मनाया जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. गिरीश कुमार संघी करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, उप मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, सभापति काउंसिल गुत्था सुखेंदर रेड्डी, स्पीकर गड्डम प्रसाद कुमार एवं प्रदेश के मंत्री, सांसद एवं विधायकगण उपस्थित रहेंगे। मेयर जीएचएमसी, सरकार के सलाहकार, वरिष्ठ नेतागण एवं अलग-अलग समाज के सामाजिक कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे।

इस अवसर पर अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन अग्रवाल समाज के सभी वैश्य बिरादरी से अनुरोध किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में अग्रसेन चौक पर उपस्थित हो कर कार्यक्रम की शोभा बढाएं। कार्यक्रम सोमवार 22 सितंबर 2025 को सुबह 10:00 बजे बंजाराहिल्स अग्रसेन प्रतिमा पर आयोजित किया गया है।

मंत्री कोंडा सुरेखा को पार्टी सहयोगियों ने किया अलग-थलग!

कांग्रेस की वारंगल इकाई में दरार!

वारंगल, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस की वारंगल इकाई में दरार बढ़ने के कारण धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा को उनके पार्टी सहयोगियों द्वारा अलग-थलग किया जा रहा है। 17 सितंबर को वारंगल आईडीओसी में आयोजित प्रजा पालना दिनोत्सव में पार्टी में दरार साफ दिखाई दी। जिले के पार्टी विधायक, जिन्हें मंत्री के साथ आधिकारिक अतिथि के रूप में समारोह में शामिल होना था, कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए और वह समारोह में देखी जाने वाली एकमात्र निर्वाचित सदस्य थीं।

पार्टी कार्यकर्ताओं में चर्चा है कि विधायक मंत्री की उपस्थिति से बचने के लिए ही कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। लेकिन वे हनमकोंडा में उसी कार्यक्रम में शामिल हुए थे जहां राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी अतिथि थे।

एमएलसी बंदा प्रकाश, बसवाराजू सरैया, विधायक केआर नागराजू और दोंती माधव रेड्डी के साथ-साथ वारंगल जिला कांग्रेस अध्यक्ष एर्राबेल्ली स्वर्ण और उनके अनुयायियों को हनमकोंडा में समारोह में भाग लेते देखा गया।

पार्टी नेता इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि विरोधी खेमों के बीच अंदरूनी कलह इतनी बढ़ गई है कि उन जिलों को भी बदल दिया गया है जहां मंत्रियों को मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेना था।

एक दुर्घटना ने किया चेतावनी का काम, नजरिए को पूरी तरह से बदल दिया : किरण अब्बावरम

यातायात शिखर सम्मेलन- 2025 का समापन

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद नगर सुरक्षा परिषद (एचसीएससी) और हैदराबाद नगर पुलिस ने संयुक्त रूप से जल विहार, नेकलेस रोड में यातायात शिखर सम्मेलन- 2025 का आयोजन किया।

इस दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, यातायात विशेषज्ञों, विधायकों, शिक्षाविदों और नागरिक समाज के लोगों ने शहरी परिवहन और सड़क सुरक्षा से संबंधित चुनौतियों और समाधानों पर चर्चा की। देश भर से कुछ प्रख्यात वक्ताओं में नाग, टीसीएस प्रमुख, महीप सिंह थापर, नगर नियोजक, डॉ. जनार्दन रेड्डी, सुश्री मुत्की आडवाणी शामिल थे। तेलुगु अभिनेता किरण अब्बावरम ट्रैफ़िक समिट-2025 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि थे। अपने भाषण के दौरान, उन्होंने एक बेहद निजी अनुभव साझा किया जिसने सड़क सुरक्षा के प्रति उनके नजरिए को बदल दिया। उन्होंने बताया कि उनके भाई की एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। इस दुखद घटना से पहले, उन्होंने स्वीकार किया कि वे यातायात नियमों को गंभीरता से नहीं लेते थे और अक्सर उनकी अवहेलना करते थे। हालांकि, इस दुर्घटना ने उनके लिए एक चेतावनी का काम किया और उनके नजरिए को पूरी तरह से बदल दिया। उन्होंने कहा कि हर बार जब वे गाड़ी चलाते हैं, तो अपने परिवार के बारे में सोचते हैं और खुद को याद दिलाते हैं, मुझे सुरक्षित घर पहुंचना है। मेरा एक परिवार है, और मेरे परिवार को मेरी जरूरत है।

उन्होंने युवाओं से, जो अक्सर नियमों का पालन नहीं करते, अधिक ज़िम्मेदार होने का आग्रह किया। उन्होंने अपने भाषण का समापन एक प्रभावशाली संदेश के साथ किया। अपने मनोरंजन के लिए, अपने आनंद के लिए, दूसरों की जान मत लो। हैदराबाद सिटी पुलिस और हैदराबाद सिटी सिक्योरिटी काउंसिल की ओर से सी.वी. आनंद ने ट्रैफ़िक समिट-2025 के सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पुलिस छापे से भागते समय दिल का दौरा पड़ने से एक व्यक्ति की मौत

राजन्ना-सिरसिल्ला, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। येल्लारेड्डीपेट मंडल के वेंकटपुर गांव में छापेमारी के दौरान पुलिस द्वारा पीछा किए जाने के दौरान कथित तौर पर दिल का दौरा पड़ने से 55 वर्षीय व्यक्ति चकाली राजैया की गुरुवार रात मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, पुलिस ने गांव के बाहरी इलाके में एक जुआ अड्डे पर छापा मारा था। पुलिस को देखकर ताश खेल रहे लोग भाग गए। राजैया भागने की कोशिश में कथित तौर पर दिल का दौरा पड़ने से गिर पड़े।

बाद में उनका शव घटनास्थल से लगभग दो किलोमीटर दूर मिला। हालांकि, परिवार के सदस्यों ने उनकी मौत की परिस्थितियों पर संदेह व्यक्त किया और बताया कि उनकी सोने की चेन और पैसे गायब थे। उन्होंने आरोप लगाया कि यह स्पष्ट नहीं है कि राजैया की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई या जुए के दौरान हुए विवाद के कारण हुई। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मामले की व्यापक जांच कराने की मांग की है। बताया जा रहा है कि छापेमारी के दौरान पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया है।

थाने में नशे में धुत व्यक्ति ने कांस्टेबल और होमगार्ड पर किया हमला

पारिवारिक विवाद के कारण किया हमला

निर्मल, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुभीर मंडल केंद्र में गुरुवार रात पारिवारिक विवाद के बाद एक शराबी व्यक्ति ने पुलिस थाने के अंदर चाकू से हमला कर दिया, जिससे एक पुलिस हेड कांस्टेबल और एक होमगार्ड घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि हेड कांस्टेबल नारायण के पेट में चोट आई है, जबकि होमगार्ड गिरी को मामूली चोटें आई हैं। रात करीब 9 बजे महाराष्ट्र के धर्माबाद निवासी कलीम नाम के एक व्यक्ति ने उन पर चाकू से हमला करने की कोशिश की। नारायण को भैंसा के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, कुभीर गांव में कलीम का अपनी पत्नी से झगड़ा हो गया था। जब उसके ससुराल वालों ने उसके खिलाफ मामला दर्ज करने की धमकी दी, तो उसने पुलिस पर हमला कर दिया। उस समय वह नशे में था, इसलिए थाने में मौजूद अन्य लोगों के कुछ कर पाने से पहले ही उसने कांस्टेबल और होमगार्ड पर हमला कर दिया। घटना के बाद वह फरार हो गया, लेकिन बाद में उसे हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने उसके खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है।

पूर्व तट रेलवे

(1)निविदा सूचना सं.VSKP-ELECTG-25-26-WC-23/1, दिनांक : 05.09.2025

कार्य का नाम: 03 वर्षों के लिए वाल्टियर मण्डल के मेन लाइन, RV लाइन एवं KR लाइन में 1.5/2 टन विंडो एवं स्प्लिट एसी तथा वाटर कूलर का व्यापक रख-रखाव ठेका एवं त्रुटिपूर्ण पम्प सेट की रीविंडिंग तथा मरम्मत एवं 03 वर्षों के लिए DG सेट को किराये पर लेना।

निविदा मूल्य (रुपये में): 56,23,184.38/-, बिड सिक्युरिटी (रुपये में): 1,12,500/-।

(2)निविदा सूचना सं.VSKP-ELECTG-25-26-WC-23/2, दिनांक : 05.09.2025

कार्य का नाम: 03 वर्षों के लिए वाल्टियर मण्डल के KK-I एवं KK-II लाइन में 1.5/2 टन विंडो एवं स्प्लिट एसी तथा वाटर कूलर का व्यापक रख-रखाव ठेका एवं त्रुटिपूर्ण पम्प सेट की रीविंडिंग तथा मरम्मत एवं 03 वर्षों के लिए DG सेट को किराये पर लेना।

निविदा मूल्य (रुपये में): 44,82,962.16/-, बिड सिक्युरिटी (रुपये में): 89,700/-।

निविदा दस्तावेज की लागत(रुपये में): 5,000/-+18% GST=5,900/- (दोनों निविदा हेतु)।

पुरा होने की अवधि: 03 वर्ष (दोनों निविदा हेतु)।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक 06.10.2025 को 1330 बजे (दोनों निविदा हेतु),

निविदा खुलने की तिथि एवं समय: दिनांक 06.10.2025 को 1600 बजे (दोनों निविदा हेतु)।

ऐसी निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट http://www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (G)/ वाल्टियर

PR-621/Q/25-26

कर्मचारी ने वेतन न मिलने पर किया आत्महत्या का प्रयास

सूर्यापेट, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यापेट जिला सामान्य अस्पताल में एक आउटसोर्सिंग कर्मचारी ने कथित तौर पर बढ़ती आर्थिक तंगी के चलते जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। वह पांच महीने से बकाया वेतन का भुगतान होने का इंतजार कर रहा था। परिवार के करीबी सूत्रों ने बताया कि अस्पताल में कंप्यूटर ऑपरेटर के तौर पर काम करने वाले पीड़ित मधुसूदन ने गुरुवार शाम जहर खा लिया। उनके सहकर्मी मधुसूदन को उसी अस्पताल के आपातकालीन विभाग में ले गए।

उनकी गहन देखभाल की जा रही है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, POTTAGARI ANJAMMA W/o Late POTTAGARI MACHENDER, R/o 3-45/2, Akanpalle, Maheshwaram (M), R.R. Dist, T.G: 509325, Changed my Name as POTTIGARI ANJAMMA W/o Late POTTIGARI MACHENDER.

I, POTTAGARI KRISHNAVENI W/o POTTAGARI RAMESH, R/o 23-72/2/5, Street No.1, Madhura Nagar, Shamshabad, R.R. Dist, T.G: 501218, Changed my Name as POTTIGARI KRISHNAVENI W/o POTTIGARI RAMESH.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

तेलंगाना के व्यक्ति को 'नस्लीय भेदभाव' का ठहराया गया दोषी

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के 30 वर्षीय व्यक्ति (जिसे कथित तौर पर गोली मार दी थी) ने दावा किया था कि वह नस्लीय घृणा और भेदभाव का शिकार था। महबूबनगर जिले के मोहम्मद निजामुद्दीन की अमेरिका में कथित तौर पर पुलिस द्वारा गोली मारे जाने के बाद मौत हो गई। उनके परिवार के सदस्यों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

सोशल मीडिया पर हाल ही में एक पोस्ट में निजामुद्दीन ने कहा, मैं नस्लीय घृणा, नस्लीय भेदभाव, नस्लीय उत्पीड़न, यातना, वेतन-धोखाधड़ी, गलत तरीके से बर्खास्तगी और न्याय में बाधा का शिकार रहा हूं। आज मैंने तमाम मुश्किलों के बावजूद अपनी आवाज़ उठाने का फ़ैसला किया... कॉर्पोरेट तानाशाहों का उत्पीड़न बंद होना चाहिए और इसमें शामिल हर व्यक्ति को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। अपने बेटे के एक दोस्त से मिली जानकारी का हवाला देते हुए, निज़ामुद्दीन के पिता मोहम्मद हसनुद्दीन ने बताया कि यह घटना 3 सितंबर को हुई थी, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि असल में क्या हुआ था।

सांता क्लारा पुलिस द्वारा जारी एक वीडियो के अनुसार, उन्हें दो रूममेट्स के बीच झगड़े की सूचना पर 911 (आपातकालीन कॉल) मिली। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्हें पता चला कि मामला बिगड़ गया था और संदिग्ध ने पीड़ित को चाकू मारकर ज़मीन पर गिरा दिया था। सांता क्लारा के पुलिस प्रमुख मॉर्गन ने वीडियो में कहा, अधिकारी ने मौखिक आदेशों से स्थिति को शांत करने की कोशिश की। लेकिन संदिग्ध ने आदेशों को नज़रअंदाज़ कर दिया... जब अधिकारी ने देखा कि चाकू पकड़े संदिग्ध का हाथ पीड़ित की ओर बढ़ रहा है, तो अधिकारी ने चार बार गोली चलाई। संदिग्ध को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। निज़ामुद्दीन ने संदेश में यह भी लिखा कि जहां वह काम करते थे, वहां उन्हें काफी शत्रुता, खराब, अस्वीकार्य वातावरण, नस्लीय भेदभाव, नस्लीय उत्पीड़न और वेतन धोखाधड़ी का सामना करना पड़ा।

उन्होंने आरोप लगाया था, उन्होंने पूरी तरह से गलत तरीके से मेरी नौकरी खत्म कर दी। बात यहीं खत्म नहीं हुई। उन्होंने एक नस्लवादी जासूस और उसकी टीम की मदद से उत्पीड़न, भेदभाव और धमकाने वाला व्यवहार जारी रखा। हाल ही में, स्थिति और बिगड़ गई है। उन्होंने कहा था कि उनके खाने में ज़हर मिलाया गया था और अब उन्हें 'अन्याय' के ख़िलाफ़ लड़ने के लिए उनके घर से बेदखल किया जा रहा है। पीड़ित के पिता ने केंद्र से अपील की है कि वह वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास और सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास से उनके बेटे के पार्थिव शरीर को महबूबनगर लाने में मदद करने का आग्रह करें।

इस बीच, मजलिस बचाओ तहरीक (एमबीटी) के प्रवक्ता अमजद उल्लाह खान ने विदेश मंत्री जयशंकर से इस मामले में परिवार की मदद करने का आग्रह किया। हसनुद्दीन ने कहा कि उनका बेटा एमएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद अमेरिका में सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल के तौर पर काम कर रहा है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

संख्या: सी/सी/2%2/एनएफआर/इओआई/2025, दि.19-09-2025

PUB/1169

रुचि की अभिव्यक्ति

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर डिज़ाइन किए गए स्थानों के गैर-किराया राजस्व नीतियों के तहत अनुबंधों को स्थापित करने के लिए, नवीन विचारों और मॉडलों के लिए, मूल्यांकन मानदंड के रेल भूमि/संपत्ति या एस्सेट्स के उपयोग के उद्देश्य से, इच्छुक निवेशकों, एडवर्टाइजिंग एजेंसियों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, कंपनियों, तथा व्यक्तियों से निम्नानुसार रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित करता है।

नेकलेस रोड रेलवे स्टेशन, हैदराबादः स्टेशन बिल्डिंग एवं पीआरएस बुकिंग आफिस (ख) लकडी का पुल रेलवे स्टेशन, हैदराबादः लकडी का पुल ब्रिज साइड के समीप स्केलटल स्ट्रक्चर (ग) लकडी का पुल रेलवे स्टेशन, हैदराबादः मेट्रो पिल्लर के पास ओल्ड बुकिंग आफिस ए 1199 (घ) लकडी का पुल रेलवे स्टेशन, हैदराबाद के पास शाह हाउस होटल के सामने रिक्त भूमि या वेकेन्ट लैंड (प) हुस्सेन सागर जंक्शन कैबिन, पीवीएनआर मार्ग, हैदराबाद के पास रिक्त भूमि या वेकेन्ट लैंड ।

अर्हता मानदंड, ईओआई दस्तावेज, प्रस्तुति आवश्यकताएं, संक्षिप्त उद्देश्य विषय व कार्य दायरा तथा मूल्यांकन मानदंड आदि से युक्त ईओआई दस्तावेज को वेबसाइटःhttps://scr.indianrailways.gov.in/Tender_cpp.jsp?lang=o&id=0,6 से डाउनलोड कर सकते हैं। अधिक जानकारी यदि कोई हो तो, उसे, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक का कार्यालय, पहली मंजिल, संचालन भवन, सिकंदराबाद -500003 से कार्यालयीन समय में प्राप्त कर सकते हैं। ईओआई प्रस्तुति की अंतिम तिथि 13-10-2025 के 15.00 बजे तक है।

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद

A1475

चतुर्थ पुण्यतिथि

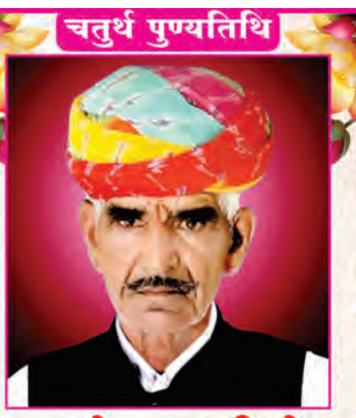

स्व. श्रीमान नेनारामजी डोड़वाडिया

स्वर्गवास दि. 20-09-2021

यादों में केवल आप हो, नयनों में पावन स्वरूप ।
श्रद्धा सुमन समर्पित मन से, शब्द नहीं अनुरूप ।
आपका व्यवहार आपकी बातें, सदैव हमें याद आयेगी।

श्रृद्धावंत : रतनाराम, नारायणराम (भाई)
भँवरलाल, प्रहलादराम, नेमाराम (पुत्र) अमीत
पियुष पुष्पेन्द्र (पौत्र) एवं समस्त डोडवाड़िया परिवार

प्रतिष्ठान
AMIT INTERIORS, Hyderabad. (T.S.).
MAHALAKSHMI GRANITE & MARBAL, Shivarampally, Hyderabad - 500 052. (T.S.)
HARI KRIPA MARBAL GRANITES, E-28-A, Ambaji Ind. Area, ABU Road
TIRUPATI BALAJI GRANITES, Dharmasagar, WARANGAL (Urban) T.S.
SHRI TEJA SHOPPING MALL, Chengicherla Road, Hyderabad
SHRI RAM GRANITE, Rajsamand, (RJ)

फोन : 8522852131, 9704519121, 9782775610

कभी महिला प्रोफेसर, तो कभी छात्रा

यूपी की इस यूनिवर्सिटी में युवतियां क्यों कर रही सुसाइड जांच में जुटी पुलिस

मुरादाबाद, 19 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां यूनिवर्सिटी की तीसरी मंजिल से कूदकर नर्सिंग की छात्रा ने अपनी जान दे दी। यह मामला तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी से सामने आया है। गम्भीर रूप से घायल छात्रा का टीएमयू अस्पताल में इलाज चल रहा था, तभी छात्रा ने दम तोड़ दिया। छात्रा तीसरी मंजिल से क्यों कूदी अभी तक इसके पीछे की वजह नहीं पता चली है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। बताते चलें, टीएमयू यूनिकर्सिटी से छात्रा का कूदने का ये पहला मामला नहीं है, पहले भी कई छात्राएं और महिला प्रोफेसर बिल्डिंग से कूदकर अपनी जान दे चुकी हैं। मृतक छात्रा का नाम दीक्षा बताया जा रहा है, जो मूलरूप से पड़ोसी जनपद संभल की रहने वाली थी।

25-29 सितंबर को तीसरा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो

पीएम मोदी कर सकते हैं उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा, 19 सितंबर (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा का एक्सपो मार्ट आगामी 25 से 29 सितंबर तक तीसरे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का मेज़बान बनने जा रहा है, और इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए तैयारियां अंतिम चरण में हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने इस बड़े कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए हैं, जिसमें सड़कों की मरम्मत, ट्रैफिक व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, हरियाली और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इस पांच दिवसीय ट्रेड शो में 2500 से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे, और इसे लेकर आयोजकों का कहना है कि लगभग दो लाख लोग इस आयोजन में शामिल हो सकते हैं। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए जाने की संभावना है, जबकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, कई विदेशी राजनयिक और अन्य विशिष्ट अतिथि भी इस शो में शिरकत करेंगे। इस बार के ट्रेड शो का कंट्री पार्टनर रूस है, जो इस कार्यक्रम को और भी खास बना देगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने इस आयोजन के लिए सभी संबंधित विभागों को कोई भी कसर न छोड़ने की हिदायत दी है।

विशेष रूप से एक्सपो मार्ट के आसपास ट्रैफिक जाम की समस्या से बचने के लिए सड़कों का चौड़ीकरण किया गया है। गलगोटिया अंडरपास से नासा पार्किंग तक की सड़क को चौड़ा कर दिया गया है, और नासा गोलचक्कर की सड़क को पहले ही चार लेन का बना दिया गया है। इस कार्यक्रम में आने वाले लगभग 8000 वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था नासा पार्किंग में की गई है।

राष्ट्रपति मुर्मू आज आएंगी, प्रशासन मुस्तैद

गयाजी, 19 सितंबर (एजेंसियां)। मोक्ष और ज्ञान की भूमि पर अपने पूर्वजों को मोक्ष दिलाने के लिए भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कल यानी शनिवार को गयाजी आ रही हैं। यहां आने के बाद राष्ट्रपति विष्णुपद मंदिर परिसर में पिंडदान, कर्मकांड और फल्गु नदी में तर्पण करेंगीं। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है।

राष्ट्रपति के आने की अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, चूंकि राष्ट्रपति व्यक्तिगत कार्यक्रम को लेकर गयाजी आएंगी। लेकिन प्रशासनिक स्तर पर उनके आगमन को लेकर तैयारी चल रही है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार राष्ट्रपति दिल्ली से विशेष विमान से अंतरराष्ट्रीय गया हवाई अड्डा पर आएंगी। जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दी जाएगी। विशेष सुरक्षा में राष्ट्रपति गया हवाई अड्डा से विष्णुपद मंदिर परिसर पहुंचेगी। जहां पितरों को मोक्ष दिलाने को लेकर पिंडदान व कर्मकांड करेंगी। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार राष्ट्रपति गयाजी के पावन भूमि पर शनिवार की सुबह 9 बजे आएंगी। यहां पिंडदान व कर्मकांड करने के बाद 12 बजे दिल्ली के लिए रवाना होंगी।

जानकारी हो कि राष्ट्रपति पद पर रहते हुए पहली बार अपने पितरों को मोक्ष दिलाने को लेकर पिंडदान व कर्मकांड करने आ रही है। इससे पहले राष्ट्रपति गया जिले के टिकारी प्रखंड के दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में आई थी। यह समारोह 20 अक्टूबर 2023 को आयोजित किया गया था।

बिहार में लगेगा कांग्रेस के दिग्गज नेताओं का जमावड़ा

आजादी के बाद पहली बार पटना में सीडब्ल्यूसी की बैठक

पटना, 19 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपने राजनीतिक समीकरणों को मजबूत करने के लिए बड़ा दांव खेला है। आजादी के बाद पहली बार पार्टी के शीर्ष निर्णय लेने वाले कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक बिहार की राजधानी पटना में होगी। बैठक में चुनावी रणनीति, उम्मीदवार चयन, गठबंधन समीकरण और राज्य स्तर पर संगठन की मजबूती जैसे अहम मुद्दों पर मंथन होगा। 24 सितंबर को पटना में संभावित रूप से सदाकत आश्रम में होने वाली बैठक में सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल के साथ देश भर के कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति रहेगी। इस वर्ष बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव के पूर्व सीडब्ल्यूसी के लिए बिहार का चयन करने का मकसद जहां पार्टी नेताओं में ऊर्जा भरना है वहीं पार्टी की जमीन को फिर से मजबूत करना है। दो दशक से प्रदेश में कांग्रेस का जनाधार समय के साथ कम होता गया। क्षेत्रीय दलों के साथ मिलकर काम करना उसकी मजबूरी थी। हालांकि 2015 में महागठबंधन के साथ मिलकर कांग्रेस को कुछ सफलता मिली थी, लेकिन 2020 के चुनाव में उम्मीद से कम सीटें मिलने के बाद संगठन को लेकर कई सवाल उठे।

पटना में सीडब्ल्यूसी की बैठक के जरिए पार्टी यह संदेश देना चाहती है कि वह बिहार को हल्के में लेने वाली नहीं है। चुनावी राज्य में वर्किंग कमेटी जैसी बड़ी बैठक होना जहां कार्यकर्ताओं के लिए ऊर्जा का काम करेगी वहीं विपक्षी दलों को यह संदेश भी देगी कि कांग्रेस पूरी तैयारी के साथ इस बार चुनाव मैदान में उतरने को पूरी तरह से तैयार है। बैठक में कई राज्यों के मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्रियों के साथ देश भर के दिग्गज कांग्रेस नेता जुटेंगे। बिहार कांग्रेस नेतृत्व इसे ऐतिहासिक मौका बता रहा है। उनका कहना है कि यह सम्मेलन प्रदेश कांग्रेस को नई दिशा और मजबूती देगा।

सिटी में 10 लाख का प्रतिबंधित कफ सिरप जब्त

पटना, 19 सितंबर (एजेंसियां)। पटना सिटी के मालसलामी थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार को मारूफ गंज मंडी स्थित सागर ट्रांसपोर्ट से भारी मात्रा में प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद किया गया है। जब्त कफ सिरप की अनुमानित कीमत 10 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है।

इस मामले में ट्रांसपोर्टर से पूछताछ की जा रही है। थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मारूफगंज मंडी स्थित एक ट्रांसपोर्ट के जरिए लाखों रुपए का प्रतिबंधित कफ सिरप मंगाया गया है, जिसे आगे सप्लाई किया जाना था। सूचना के आधार पर पुलिस टीम गठित कर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने ट्रांसपोर्ट गोदाम से 4,800 बोतल (100 एमएल) कोडीन कफ सिरप बरामद किया। इसकी कुल अनुमानित कीमत करीब 10 लाख 32 हजार रुपए आंकी गई है।

'राहुल गांधी जिन्ना की औलाद हैं'

पूर्व मंत्री बसावन भगत ने दिया विवादित बयान

मुजफ्फरपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर के साहेबगंज विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एनडीए के कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और सकरा के पूर्व विधायक बसावन प्रसाद भगत ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने मंच से अपने संबोधन में राहुल गांधी को मोहम्मद अली जिन्ना की औलाद तक कह डाला।

कार्यकर्ता सम्मेलन में बिहार सरकार के मंत्री हरि सहनी, साहेबगंज के भाजपा विधायक व मंत्री राजू कुमार सिंह समेत कई दिग्गज नेता मंच पर मौजूद रहे। इसी दौरान सैकड़ों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में पूर्व मंत्री बसावन भगत ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे जिन्ना की औलाद हैं।

उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी एक धर्म को प्रमोट करते हैं और भाजपा व एनडीए सरकार के कार्यों पर लगातार सवाल उठाते रहते हैं। सच्चाई यह है कि वे विपक्ष के ऐसे नेता हैं जिन्हें हमारी सरकार की कार्यशैली और जनता के बीच मिल रही लोकप्रियता से नफरत है।

गायब 3 लड़कियां पूर्णिया से रेस्क्यू

समस्तीपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। समस्तीपुर के अंगारघाट थाना क्षेत्र से गायब हुई 3 नाबालिग छात्राओं को पुलिस ने पूर्णिया से बरामद कर लिया है। पुलिस ने 2 तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि, लड़कियों को नेपाल और बांग्लादेश में बेचने की तैयारी थी। दलालों ने इसके लिए सौदा भी कर लिया था, लेकिन बेचने से पहले पुलिस पहुंच गई।

तीनों लड़कियां एक ही गांव की रहने वाली हैं। 10 सितंबर को नौकरी की तलाश में अपने घर से निकली थीं, लेकिन रेलवे स्टेशन पर एक महिला तस्कर के चंगुल में फंस गईं। आरोपियों की पहचान मधेपुरा जिले के रजनीबाग बभनगामा निवासी नीरज कुमार पासवान (32) और पूर्णिया जिले के कप्तान पारा मोहल्ले के अमित कुमार (23) के रूप में हुई है। छापेमारी के दौरान गिरोह की 2 महिला सदस्य मौके से फरार हो गईं। पूर्णिया से समस्तीपुर लाने के बाद सदर अस्पताल में तीनों लड़कियों का मेडिकल कराया गया। हालांकि छापेमारी के दौरान दोनों महिला और मुकेश मौके से फरार हो गया,

रोडवेज की तीन बसें आपस में भिड़ीं, 20 यात्री घायल

महराजगंज, 19 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राज्य मार्ग 730 पर अगया पुल के पास शुक्रवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। परिवहन निगम की तीन बसों में आपस में जबरदस्त टक्कर हो गई। घटना में करीब 20 यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया।

राप्तीनगर डिपो के चालक अनिल कुमार बस में यात्रियों को लेकर गोरखपुर से महराजगंज आ रहे थे। जबकि महराजगंज डिपो की बस को लेकर चालक झीनक महराजगंज से गोरखपुर के लिए निकले थे। इसी बीच महराजगंज डिपो की एक अन्य बस को लेकर भिटौली निवासी चालक कृष्णा भी अगया पुल पर आ पहुंचे और बस को ओवरटेक करने के दौरान सामने से आ रही राप्तीनगर डिपो की बस से जा भिड़े। इस बीच तीनों बस आपस में टकराई गई। आनन-फानन में बड़ी संख्या में ग्रामीण और भिटौली थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को बस में उतारकर एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल भेजा गया।

मंत्री के घर के सामने की सड़क बना दी घटिया शासन ने बैठाई जांच, 30 सितंबर तक मांगी रिपोर्ट

अलीगढ़ , 19 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के घर के सामने बनाई जा रही सड़क में भी घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया। इतना ही नहीं नाला सड़क से ऊंचा बना दिया गया। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा की शिकायत के बाद शासन ने तीन सदस्यीय जांच समिति गठित कर दी है। समिति इस मामले की जांच 30 सितंबर तक पूरी करके शासन को सौंपेगी। स्मार्ट सिटी योजना के तहत मैरिस रोड पर 12 करोड़ रुपये की लागत से अब्दुल्ला कॉलेज से केला नगर चौराहे तक 800 मीटर की सड़क को चौड़ा करने और दोनों तरफ नाला निर्माण करने का काम किया जा रहा है। एक वर्ष पहले काम शुरू हुआ था। इस काम को कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेस (सीएनडीएस) के द्वारा किया जा रहा है।

धीमी गति से चल रहे निर्माण कार्य के साथ ही नाला निर्माण की खामियों की बात नगर निगम तक लोगों ने पहुंचाई थी। इसके साथ ही निर्माण की घटिया गुणवत्ता के भी आरोप लगाए गए थे। इसके बाद नगर आयुक्त ने निर्माण की जांच कराए जाने की मांग शासन से की थी। अब सीएनडीएस के निदेशक डीपी सिंह ने मामले की जांच के लिए मुख्य महाप्रबंधक एसके गौतम की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की है।

शंकराचार्य : भारत में सनातनी राजनैतिक विचारधारा होना आवश्यक

कटिहार, 19 सितंबर (एजेंसियां)। गौमाता के प्राणों के रक्षा व गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित कराने हेतु गौमतदाता संकल्प यात्रा के अंर्तगत कटिहार पहुचे परमाराध्य परमधर्माधीश ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य स्वामिश्रीः अविमुक्तेश्वरानंदः सरस्वती 1008 जी महाराज का गौभक्तों ने पुष्पवर्षा व जयकारे के साथ स्वागत,अभिनंदन व वंदन किया।

शंकराचार्य जी महाराज के पूर्णिया से कटिहार आगमन की पूर्व सूचना मिलने पर रास्ते मे अनेकों स्थानों पर गौभक्त सनातनी जनमानस स्वतःप्रेरणा सड़कों आकर इकट्ठा हो गई थी और शंकराचार्य जी को अपने मध्य पाकर उनके हर्ष की सीमा नही रह गई थी।

कटिहार में आयोजित गौमतदाता संकल्प सभा मे उपस्थित भारी भीड़ को सम्बोधित करते हुए पूज्यपाद शंकराचार्य जी महाराज ने कहा कि पहले नम्बर पर गौमाता की रक्षा ही हमारा मुद्दा है,हमने सभी राजनैतिक पार्टियों से कहा कि आप हमारी मांग को पूर्ण करिए लेकिन गौमाता के पक्ष में कोई पार्टी सामने नही आई,इसलिए मजबूरन हम अब सनातनी मतदाताओं के मध्य जाकर उन्हें गौमतदाता बना रहे हैं और गौभक्त प्रत्याशी को ही मतदान करने का संकल्प दिला रहे हैं।

उनके वोट को लेने के लिए हर विधानसभा से हम अपने गौभक्त प्रत्याशी को खडा कर रहे हैं ताकि वो गौमाता के प्राणों की रक्षा हेतु वोट प्राप्त कर सकें। भारत देश मे 100 करोड़ से अधिक हिन्दू रहते हैं इसलिए उनके भावना को स्वर देने का समय अब आ गया है। और वो कैसा हिन्दू राजा जो गौहत्या करवाता हो। इसीलिए हमलोगों को अनियंत्रित होकर अधर्म के मार्ग पर चल रही राजनीति को पुनः नियंत्रित कर सनातनी मूल्यों के स्थापना हेतु आगे आना पड़ रहा है।राजा जब अपने मार्ग से भटक जाता है तो उसका मार्गदर्शन कर उसे सद्मार्ग पर लाना धर्मगुरु का दायित्व है जिसका निर्वहन हम कर रहे हैं।

साथ ही हम सबको बताना चाह रहे हैं कि बीजेपी सहित कोई भी राजनैतिक दल हिन्दू पार्टी नही है सनातनी जनता इस भ्रम में न रहे। मतदाता संकल्प सभा को सर्वश्री-मतदाता संकल्प यात्रा के संयोजक स्वामी प्रत्यक्चैतन्यमुकुंदानंद गिरी जी महाराज,देवेंद्र पाण्डेय,राजीव झा,सजंय जैन आदि लोगों ने सम्बोधित किया। उक्त जानकारी शंकराचार्य जी महाराज के मीडिया प्रभारी संजय पाण्डेय व शैलेन्द्र योगी ने दी है।

तेजस्वी यादव के 'हर हाथ रोजगार' देने वाले बयान पर

जेडीयू का पलटवार, जानिए क्या कुछ कहा

पटना, 19 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव है और प्रदेश में यात्राओं का दौर जारी है। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव बिहार अधिकार यात्रा पर निकले हैं। वे जहां जा रहे हैं युवाओं से नौकरी-रोजगार की बात कर रहे हैं। कह रहे हैं कि उनकी सरकार आई तो जिसके पास भी डिग्री होगी उन सबको तेजस्वी नौकरी देगा।

इस बीच उनके इस बयान पर जेडीयू ने पलटवार किया है। शुक्रवार (19 सितंबर, 2025) को जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरजेडी पर हमला बोला। 'हर हाथ रोजगार' देने वाले बयान पर राजीव रंजन प्रसाद ने कहा, उन्हें यह कहना चाहिए कि अभी मुझे नेता प्रतिपक्ष बनने का मौका मिला है। मेरे पिता सजायाफ्ता होते हुए भी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, माता जी विधान परिषद में पार्टी की नेता हैं

और परिवार के अन्य सदस्य भी अन्य सदनों में हैं। ऐसी स्थिति में अब तो घर के बचे हुए सदस्यों का भी सशक्तीकरण कर दीजिए। जेडीयू नेता ने तेजस्वी यादव पर हमला करते हुए आगे कहा, दरअसल, उनकी यात्रा परिवार सशक्तीकरण यात्रा में तब्दील हो गई है। उन्हें नौजवानों के भविष्य की चिंता नहीं है। नौकरी के बदले जमीन मांगने वाले और चारा घोटाला करने वाले लोग जब बिहार को बदलाव के सपने दिखाएंगे तो नौजवान उन पर यकीन नहीं करेंगे।

ड्रग तस्करी के खिलाफ बिहार पुलिस की नयी स्ट्रेटजी, एडीजी के नेतृत्व में नये ब्यूरो का गठन

पटना, 19 सितंबर (एजेंसियां)। सूखा नशा (ड्रग) तस्करी के अवैध नेटवर्क पर नकेल कसने के लिए बिहार पुलिस में नयी इकाई 'मद्यनिषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो का गठन कर दिया है। पुलिस मुख्यालय स्तर पर पूर्वसे कार्यरत मद्यनिषेध इकाई और आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की एंटी नारकोटिक्स टीम को मिला कर यह नयी इकाई बनी है। गृह विभाग ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी करते हुए नयी इकाई के लिए 339 पदों की मंजूरी दी है।

बिहार पुलिस के एडीजी (मुख्यालय सह अभियान) कुंदन कृष्णन ने इसकी जानकारी दी है। एडीजी (मुख्यालय) ने बताया कि मद्य निषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो के लिए आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) में पूर्व सृजित 229 पदों के अलावा 100 नये पद सृजित हुए हैं। इकाई के प्रमुख एडीजी या आईजी स्तर के पदाधिकारी होंगे, जिनके पास जिलों में सभी प्रकार के नारकोटिक्स ड्रग्स सेसंबंधित दर्ज कांडों का अनुसंधान करने की स्वतंत्र शक्ति होगी।

जमीन घोटाले में फंसी मुलायम सिंह यादव की समधन

लखनऊ में संपत्ति अधिकारी रहते हुए की थी गड़बड़ी

लखनऊ, 19 सितंबर (एजेंसियां)। सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (लविप्रा) की प्रियदर्शनी योजना के तहत भूखंड आवंटन में अनियमितता के मामले में सपा संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की समधन अंबी बिष्ट समेत अन्य के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की है। अंबी बिष्ट लविप्रा की तत्कालीन संपत्ति अधिकारी हैं। वह मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव की सास हैं। प्रतीक की पत्नी अपर्णा यादव वर्तमान में राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं। विजिलेंस ने मामले में खुली जांच में अंबी बिष्ट के अलावा तत्कालीन अनुभाग अधिकारी वीरेन्द्र सिंह, उप सचिव देवेन्द्र सिंह राठौर, वरिष्ठ कास्ट अकाउंटेंट सुरेश विष्णु महादाणे व अवर वर्ग सहायक शैलेन्द्र कुमार गुप्ता के दोषी पाए जाने पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। शासन ने लखनऊ में प्रियदर्शनी/जानकीपुरम योजना के भूखंडों के आवंटन में परिवर्तन कर उनके पंजीकरण में अनियमितताएं बरते जाने की शिकायत पर वर्ष 2016 में विजिलेंस की खुली जांच का निर्देश दिया था। लविप्रा के तत्कालीन लिपिक स्वर्गीय मुक्तेश्वर नाथ ओझा की भूमिका को लेकर खुली जांच शुरू की गई थी। जांच में अनयमितता में लविप्रा के अन्य आरोपित कर्मचारियों की भूमिका भी सामने आए। विधि विज्ञान प्रयोगशाला से तत्कालीन लविप्रा कर्मियों के हस्ताक्षरों का मिलान भी कराया गया था, जिसमें पुष्टि होने पर विजिलेंस के साथ गड़बड़ी के पुख्ता साक्ष्य लगे।

जांच में सामने आया कि तत्कालीन अनुभाग अधिकारी वीरेन्द्र सिंह के हस्ताक्षर से भूखंड कब्जा पत्र जारी किए गए व नोटिंग पर भी हस्ताक्षर पाए गए। तत्कालीन उपसचिव देवेन्द्र सिंह के हस्ताक्षर से आवंटियों को आवंटन पत्र जारी किए गए व नोटिंग पर हस्ताक्षर पाए गए। तत्कालीन संपत्ति अधिकारी अंबी बिष्ट के निबंधन प्रस्ताव व रजिस्ट्री विक्रय विलेख व नोटिंग पर हस्ताक्षर पाए गए।

तत्कालीन वरिष्ठ कास्ट अकाउंटेंट व उनके सहायक तत्कालीन अवर वर्ग सहायक शैलेन्द्र कुमार गुप्ता ने स्वर्गीय मुक्तेश्वर नाथ ओझा के साथ साजिश में शामिल होकर फर्जी अभिलेखों के आधार पर भूखंडों की गणना कर मूल्य निर्धारित किया गया।

सिर्फ पीडीए वोट के भरोसे नहीं समाजवादी पार्टी, अखिलेश यादव की रणनीति में बड़ा बदलाव

लखनऊ, 19 सितंबर (एजेंसियां)। सत्ता की महाप्रतियोगिता में चुनावी दौड़ की सीटी बजने का समय तो अभी दूर है, परंतु रेस के मैदान में राजनीतिक दल उतर आए हैं। साइकिल ने तो जीत की मंजिल पाने के लिए वादों के ट्रैक पर आगे बढ़ना भी शुरू कर दिया है। पार्टी मुखिया अखिलेश यादव वादों का एक-एक पैडल मार रणनीति की रफ्तार बढ़ा रहे हैं। युवा, महिला, किसान, शिक्षक, नौकरीपेशा जैसे बड़े वर्गों पर तो नजर है ही, छोटी-बड़ी जातियों को भी उनकी पहचान और महापुरुषों को सम्मान, जैसे वादों से साधना शुरू कर दिया गया है। अलग-अलग घोषणापत्र जैसे वादों से सीधे शहरों को भी अपने एजेंडे के केंद्र में खड़ा किया जा रहा है। इनमें भी पहले उन जिलों पर जोर है, जहां साइकिल कभी तेज नहीं चली। जैसे-जैसे समय गुजरेगा, साइकिल के वादों की गति भी बढ़ती जाएगी। वर्ष 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों में पराजय का सामना करने वाली सपा वर्ष 2027 में 2012 के चुनावों जैसा परिणाम हासिल करने का सपना बुन रही है। पिछले लोकसभा चुनाव में संविधान-आरक्षण पर खतरे का नैरेटिव और पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) के नारे ने बढ़त दिलाई थी, तब सपा ने प्रत्याशियों और पदाधिकारियों के चयन में जातीय समीकरण भी साधे थे। अगले विस चुनावों के लिए पार्टी ने इस रणनीति को आगे बढ़ाने के लिए वादों का सिलसिला भी छेड़ दिया है। इसके पीछे भाजपा की लाभार्थियों की रणनीति को चुनौती देने का भी लक्ष्य है। सपा ने आठ मार्च को स्त्री सम्मान-समृद्धि योजना की घोषणा संग इसकी शुरुआत की। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र आदि राज्यों में पिछले चुनावों में महिला वोट अहम रहा था और सपा इस पर अभी से पकड़ बनाना चाहती है। वहीं जातियों से जुड़े वादे भी हो रहे हैं। गोमती रिवर फ्रंट पर महाराजा सुहेलदेव, निषादराज, भगवान विश्वकर्मा, महाराणा प्रताप की प्रतिमाएं लगाने, नाविकों को नई नाव देने का वादा, इसी कोशिश का हिस्सा है। पूर्व सांसद शिवदयाल चौरसिया का स्मारक बनवाने की बात भी प्रतीकों की राजनीति को आगे बढ़ाने की कोशिश है। पूर्व में छोटे दलों के साथ से भाजपा निषाद, राजभर, कुर्मी आदि वर्गों का समर्थन पाती रही है।

6 की जगह 4 पानी पुरी खिलाया तो धरने पर बैठ गई महिला

वडोदरा, 19 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात के वडोदरा में सोशल मीडिया स्क्रोल करते हुए हर दिन कुछ न कुछ ऐसा दिख ही जाता है जिसे देख इंसान भी अपना माथा पकड़ लेता है कि बस यही देखना बाकी रह गया था क्या। आप अगर सोशल मीडिया पर यूजर हैं और हर दिन कुछ समय बिताते हैं तो फिर आप हमारी इस बात से सहमत जरूर होंगे क्योंकि सोशल मीडिया पर ही तो सबसे ज्यादा अतरंगी चीजें देखने को मिलती रहती हैं। हर दिन कोई न कोई वीडियो या फिर फोटो के जरिए एक से बढ़कर एक अतरंगी मामले देखने को मिलते हैं।

अभी भी एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अभी जो वीडियो वायरल हो रहा है उसमें नजर आ रहा है कि एक महिला सड़क के बीच में बैठी हुई है मगर वो वीडियो में तो कुछ नहीं बताती है कि वो ऐसा क्यों कर रही है। वो किस बात से नाराज होकर ऐसा कर रही है मगर इसके साथ जो दावा किया जा रहा है, वो बहुत ही अतरंगी है। वीडियो के साथ दावा किया जा रहा है कि ये महिला इसलिए सड़क के बीच में धरना दे रही है क्योंकि इसे गोलगप्पे वाले ने 20 रुपए में 6 गोलगप्पा खिलाने की जगह सिर्फ 4 खिलाए और इस बात से यह नाराज हो गई।

कांगड़ा में धंस गया गांव

रात में खिसकने लगी जमीन, सुबह तक 13 मकान ध्वस्त

कांगड़ा, 19 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में कुदरत ने कहर बरपाया है। थुरल के पास स्थित बछवाई गरडेर गांव में अचानक ज़मीन धंस गई। देखते ही देखते 13 मकान पूरी तरह जमींदोज़ हो गए। हालात की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने इलाके को सील कर दिया है और राहत व बचाव कार्य का ज़िम्मा सेना ने संभाल लिया है। ग्रामीणों के अनुसार, 15 सितंबर की रात अचानक तेज़ बारिश हुई। बारिश थमने के कुछ समय बाद ज़मीन धीरे-धीरे खिसकने लगी। शुरुआत में लोग समझ नहीं पाए कि आखिर हो क्या रहा है, लेकिन देखते ही देखते ज़मीन धंसने की गति तेज़ हो गई। ग्रामीण दहशत में एक-दूसरे को फोन करने लगे और जैसे-तैसे घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भाग निकले। सुबह होते-होते स्थिति और भयावह हो गई। ज़मीन इतनी धंस गई कि पक्के मकान पलभर में धराशायी हो गए। करीब एक किलोमीटर लंबे क्षेत्र में ज़मीन 10 फुट नीचे धंस गई और सड़क पर 11 से 15 फुट गहरी दरारें पड़ गईं। सड़क अब दो हिस्सों में बंट चुकी है और बीच में गहरी खाई बन गई है। प्रशासन ने हालात बिगड़ते देख तत्काल सेना को बुलाया। मौके पर पहुंचे सेना के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अर्पित प्रीक ने बताया, इलाके की स्थिति बेहद नाज़ुक है। आर्मी युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य कर रही है। प्रभावित परिवारों के सामान को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है और मेडिकल टीम घायलों व बीमारों को तत्काल उपचार दे रही है। ग्रामीण अब भी उस रात के खौफ को याद कर सहमे हुए हैं। गांव की ऊषा कुमारी ने बताया कि रात को अचानक ज़मीन खिसकने लगी। हम किसी तरह घर से बाहर भाग निकले। सुबह तक हमारा मकान पूरी तरह ज़मींदोज़ हो चुका था। अब हमारा परिवार सड़क पर है।

गांव की ही सुनीता ने बताया कि हमारा सारा सामान घर के भीतर ही रह गया था। सेना के जवानों ने आकर सब बाहर निकाला और हमें सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया। अगर सेना समय पर नहीं आती, तो हम पूरी तरह असहाय रह जाते। स्थानीय एक ग्रामीण का कहना था कि ये घटना भूस्खलन या पहाड़ गिरने जैसी नहीं थी। पूरी ज़मीन ही अंदर धंस गई। अब डर यही है कि कहीं आस-पास की ज़मीन भी न धंस जाए। इस समय पूरा गांव छावनी में तब्दील हो चुका है। सेना के जवान लगातार राहत कार्य में जुटे हुए हैं। मेडिकल टीम घायल और बीमार लोगों का उपचार कर रही है। प्रशासन ने क्षतिग्रस्त क्षेत्र को पूरी तरह से बंद कर दिया है और किसी को भी वहां जाने की अनुमति नहीं है।

दशहरा पर जलेगा सोनम रघुवंशी का पुतला

पतियों की हत्या करने वाली 11 महिलाओं को बताया शूर्पणखा

इंदौर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। इस बार विजयादशमी पर शहर में एक अलग ही तरह का पुतला दहन देखने को मिलेगा। इंदौर की संस्था पौरुष ने दशहरे पर रावण की जगह 11 मुखी शूर्पणखा का पुतला जलाने का फैसला किया है। खास बात यह है कि इस पुतले पर उन 11 महिलाओं की तस्वीरें होंगी, जिन्होंने अपने पति या बच्चों की हत्या जैसे गंभीर अपराध किए हैं। इनमें सबसे चर्चित नाम सोनम रघुवंशी और मुस्कान का है। राजा रघुवंशी हत्याकांड ने पूरे प्रदेश को हिला कर रख दिया था। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की शिलांग में हनीमून के दौरान पत्नी सोनम ने अपने प्रेमी और साथियों के साथ मिलकर बेरहमी से हत्या कर दी थी। वहीं, मुस्कान नाम की महिला ने अपने पति की हत्या कर उसकी लाश नीले ड्रम में छुपा दी थी। ऐसे कई मामले देशभर में सामने आए हैं, जहां शादी के बाद पुरुषों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं।

विधायक उषा ठाकुर का मिला समर्थन

इन्हीं घटनाओं को लेकर संस्था पौरुष ने दशहरे पर शूर्पणखा का पुतला जलाने का निर्णय लिया है। संस्था का कहना है कि समाज में ऐसे अपराधों पर जागरूकता लाना जरूरी है। इस पहल को विधायक उषा ठाकुर का समर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि रावण कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि एक वृत्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जब मातृशक्ति ही षड्यंत्रकारी, क्रूर और अपराधों में लिप्त हो जाएगी, तो यह धरती का संतुलन बिगड़ जाएगा। मातृशक्ति सृजन की आधार शक्ति है, राष्ट्र की निर्माता है,
और यदि वही अपराध के रास्ते पर चल पड़ेगी, तो समाज में अराजकता और विनाश की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। उन्होंने कहा कि संस्था का निर्णय बिल्कुल सही है कि ऐसे अपराधों में लिप्त महिलाओं के पुतले जलाए जाएं ताकि समाज को संदेश मिले। साथ ही उन्होंने सभी महिलाओं से आग्रह किया कि वे अपनी सात्विकता, नैतिकता और संवेदनाओं का विस्तार करें और प्रभु की प्रतिनिधि बनकर राक्षसी प्रवृत्तियों से दूर रहकर समाज में सकारात्मक योगदान दें।

दिशा पाटनी के घर फायरिंग का मामला

पहले दिन गोली चलाने वाले दो शूटर गिरफ्तार; दो मुठभेड़ में हो चुके थे ढेर

बरेली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। बरेली में दिशा पाटनी के घर पहले दिन यानी 11 सितंबर की सुबह फायरिंग करने वाले दोनों शूटर को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार करने का दावा किया है। दोनों के पास से हथियार बरामदगी दिखाते हुए आर्म्स एक्ट की धारा लगाई हैं। दोनों पर ही बरेली के एडीजी जोन रमित शर्मा ने एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा है। पकड़े गए दोनों शूटर बागपत जिले के रहने वाले हैं।

दोनों ने दिशा पाटनी के घर से थोड़ा आगे 11 सितंबर की रात अंतिम पहर में फायरिंग की थी। हालांकि गोल्डी बरार व रोहित गोदारा गैंग से जुड़े इन नए शूटरों ने केवल एक हवाई फायर किया था। इनकी फायरिंग के बारे में पाटनी परिवार को भी पता नहीं चला। सुबह जरूर पड़ोसी ने एक कारतूस का खोखा दिया, तब लोगों में रात के वक्त एक धमाका सुनने की चर्चा हुई। इसके बाद ही गोल्डी व रोहित गैंग ने मुख्य शूटर रविंद्र व अरुण को अगले दिन फायरिंग का आदेश दिया। इन्होंने फायरिंग कर गैंग की दहशत फैलाने का काम किया। घटना के बाद से ही बरेली पुलिस ने इनपुट जुटाकर एसटीएफ को सौंपा और फिर संयुक्त टीम ने गाजियाबाद में रविंद्र व अरुण को ढेर कर दिया। अब दिल्ली पुलिस ने नकुल व विजय को गिरफ्तार करने का दावा किया है। मारे गए शूटरों की तरह इन पर भी एक-एक लाख रुपये का इनाम था जो अब दिल्ली पुलिस के खाते में जाना तय है। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि बरेली पुलिस ने दिल्ली से संपर्क किया है। दोनों का बी वारंट लेने का प्रयास किया जाएगा। उन्हें रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी।

मुख्तार के बेटे उमर अंसारी को हाईकोर्ट से मिली जमानत

फर्जी हस्ताक्षर मामले में कोर्ट से मिली बड़ी राहत

प्रयागराज, 19 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट में जब्त जमीन को छुड़ाने के लिए अपनी मां का फर्जी हस्ताक्षर करने के आरोप में उमर अंसारी की जमानत याचिका मंजूर कर ली है। फर्जी हस्ताक्षर मामले में उमर के खिलाफ गाजीपुर के मोहम्मदाबाद थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। उमर अंसारी फिलहाल जेल में बंद हैं। जमानत के लिए उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति गौतम चौधरी की एकल पीठ के समक्ष याची उमर की तरफ से अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने पक्ष रखा। गाजीपुर के मोहम्मदाबाद थाने में उमर पर मुकदमा दर्ज है। आरोप है कि उन्होंने गैंगस्टर एक्ट में जब्त जमीन को कोर्ट से छुड़ाने के लिए फर्जी दस्तावेज और मां के हस्ताक्षर किए हैं। पुलिस ने उमर को लखनऊ से गिरफ्तार किया था। उमर ने जमानत के लिए कोर्ट में अर्जी दाखिल की। उमर फिलहाल कासगंज की पचलाना जेल में बंद है। 23 अगस्त को उसे गाजीपुर की जेल से कासगंज ले जाया गया था। कासगंज जेल में बंद उमर अंसारी की जमानत अर्जी को एडीजे प्रथम कोर्ट ने खारिज कर दिया था।

इसके खिलाफ उसने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मां अफ्शा अंसारी का फर्जी हस्ताक्षर कर जालसाजी के मामले में उमर अंसारी को गिरफ्तार किया गया था। 21 अगस्त को गाजीपुर की एडीजे प्रथम कोर्ट ने उमर अंसारी की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। उमर अंसारी के खिलाफ गाजीपुर के मुहम्मदाबाद थाने में 3 अगस्त 2025 को एफआईआर दर्ज कराई गई थी। चार अगस्त को उमर अंसारी को पुलिस ने लखनऊ के दारूलशफा स्थित विधायक निवास से गिरफ्तार किया था।

उमर के खिलाफ थानाध्यक्ष मुहम्मदाबाद ने एफआईआर दर्ज कराई थी। जिस प्रॉपर्टी के लिए फर्जी हस्ताक्षर का आरोप है उसकी कीमत 10 करोड़ से अधिक है। यह प्रॉपर्टी सदर कोतवाली के बल्लभ देवढ़ी दास मोहल्ले में स्थित है। इसके डीएम के आदेश पर 2021 में कुर्क किया गया था। इसी भूमि को रिलीज कराने के लिए कोर्ट में दस्तावेज जमा किए गए थे। जांच में पाया गया कि दस्तावेजों पर जो हस्ताक्षर हैं वह अफ्शां के नहीं हैं। जब्त प्रॉपर्टी मुक्त कराने के लिए उमर अंसारी ने मां आफशां अंसारी के फर्जी हस्ताक्षर से वकालतनामा दाखिल किया गया था, जबकि मां मां आफशां अंसारी फरार हैं। आफशां अंसारी पर 50 हजार का इनाम घोषित है।

पालघर में रासायनिक फैक्ट्री में विस्फोट; एक व्यक्ति की मौत, चार लोग घायल

मुंबई, 19 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में स्थित एक रासायनिक फैक्ट्री में हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि हादस उस समय हुआ जब फैक्ट्री में श्रमिक धातु और अम्ल को मिला रहे थे। विस्फोट इतना जोरदार था कि आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि विस्फोट गुरुवार शाम करीब 7.30 बजे लिम्बानी साल्ट इंडस्ट्रीज में हुआ। पालघर जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम का कहना है कि धातु और अम्ल के मिश्रण के दौरान पांच श्रमिक घटनास्थल पर मौजूद थे।

धर्मस्थल विवाद में नया मोड़

एसआईटी को मिली 7 खोपड़ियां, एक साल पहले दफनाए जाने की आशंका

बेंगलूरू, 19 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के धर्मस्थल विवाद में नया मोड़ सामने आया है। मामले की जांच कर रही एसआईटी को घटनास्थल से 7 खोपड़ियां मिली हैं। इसमें से ज्यादातर मिडिल एज पुरुषों की थीं। बताया जा रहा है कि ये खोपड़ियां लगभग एक साल पुरानी हो सकती हैं। एसआईटी सूत्रों के मुताबिक, टीम को बुधवार को 5 और गुरुवार को दो खोपड़ियां मिलीं। फोरेंसिक जांच में इनसे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ सकती है। माना ये भी जा रहा है कि ये आत्महत्या के मामले हो सकते हैं। पुलिस और फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के सहयोग से एंटी नक्सल फोर्स के जवानों ने करीब 12 एकड़ के वन क्षेत्र की गहन तलाशी ली। मामले में शिकायतकर्ता सीएन चिनैया को गुरुवार को बयान दर्ज करने के लिए बेल्लथंगड़ी कोर्ट में लाया गया था। 23 सितंबर को उसे सुनवाई के लिए फिर से कोर्ट में पेश होना है।

बता दें कि सीएन चिनैया को झूठी गवाही के आरोप में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। कर्नाटक हाईकोर्ट ने गुरुवार को याचिकाकर्ताओं से धर्मस्थल में कथित रूप से दफ़नाए गए शवों के बारे में कोई भी स्वतंत्र जानकारी रिकॉर्ड पर रखने को कहा। 26 सितंबर तक के लिए सुनवाई स्थगित कर दी गई है।

होटल में साइबर क्राइम ब्रांच ने देर रात दी दबिश

40 लोग हिरासत में; फर्नीचर भी ले गई पुलिस

फगवाड़ा, 19 सितंबर (एजेंसियां)। (पंजाब) फगवाड़ा के पलाही रोड पर स्थित ताज विलास होटल में पुलिस ने रेड की और युवक युवतियों को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार फगवाड़ा पुलिस ने डीएसपी भारत भूषण और साइबर सेल कपूरथला की इंस्पेक्टर अमनदीप कौर की अगुवाई में एक बड़े साइबर फ्रॉड रैकेट का पर्दाफाश किया है। इस छापेमारी को साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन कपूरथला और फगवाड़ा सिटी पुलिस ने मिलकर अंजाम दिया। छापे के दौरान 39 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 40 लैपटॉप, 67 मोबाइल फोन तथा 10 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं।

गैंगस्टर्स के खिलाफ दिल्ली पुलिस का बड़ा एक्शन

58 ठिकानों पर मारी रेड, दर्जनों आरोपियों को पकड़ा

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। गैंगस्टर्स के बढ़ते खौफ के बीच उनके नेटवर्क की कमर तोड़ने के लिए दिल्ली पुलिस एक्शन मोड में है। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर में कुख्यात गैंगस्टरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। दिल्ली और हरियाणा में गैंगस्टर्स नीरज बवाना, काला जठेड़ी, जितेंद्र उर्फ गोगी, राजेश बवाना, टिल्लू ताजपुरिया, कपिल सांगवान उर्फ नंदू और सुरेन्द्र मलिक उर्फ नीतू दाबोदा के 58 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। पुलिस ने गैंगस्टर नीरज बवाना के पिता समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं 36 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस को भारी मात्रा में कैश, सोने-चांदी के जेवर और हथियार मिले हैं।

दरअसल, दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार तड़के दिल्ली-एनसीआर में गैंगस्टर्स के 58 ठिकानों पर छापेमारी की। इस रेड के बाद पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 36 लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई में गैंगस्टर नीरज बवाना का पिता प्रेम सिंह भी अरेस्ट किया गया है। गैंगस्टर्स के ठिकानों पर रेड के दौरान पुलिस ने 7 पिस्टल, एक रिवॉल्वर, 4 देसी कट्टे, एक मैगजीन और 40 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इसके अलावा पुलिस को 49.60 लाख कैश, 1.36 किलो सोना, 14.60 किलो चांदी और एक बुलेटप्रूफ एसयूवी भी मिली है बता दें कि दिल्ली पुलिस की टीम ने गैंगस्टर्स के कई ठिकानों पर रेड मारी। इसमें पुलिस ने राजधानी समेत हरियाणा के सोनीपत, सांपला, झज्जर, रोहतक और बहादुरगढ़ में गैंगस्टर्स के ठिकानों को खंगाला। इसके अलावा गैंगस्टर्स के गुर्गों पर भी शिकंजा कसा। इस पूरी कार्रवाई दिल्ली पुलिस की गैंगस्टर्स के नेटवर्क पर बड़ा प्रहार बताया जा रहा है।

दिल्ली पुलिस ने गैंगस्टर नीरज बवाना के पिता प्रेम सिंह सहरावत गिरफ्तार किया है। इसके अलावा दिल्ली के खेड़ा खुर्द से शक्तिमान, टीकरी खुर्द नरेला दिल्ली से वेदपाल, कराला दिल्ली से नवीन को गिरफ्तार किया है। वहीं दिल्ली के कराला से अंकित उर्फ विशाल और हरिओम को सलाखों के पीछे पहुंचाया है।

इंफाल घाटी में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई

तीन जिलों से छह उग्रवादी गिरफ्तार; हथियार बरामद

इंफाल, 19 सितंबर (एजेंसियां)। सुरक्षा बलों ने मणिपुर की इंफाल घाटी के तीन जिलों से कई प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े छह उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के बयान के मुताबिक, ये गिरफ्तारियां गुरुवार को की गईं। प्रतिबंधित संगठन कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के तीन सक्रिय सदस्य इंफाल पश्चिम जिले में उनके घरों से गिरफ्तार किए गए। उनकी पहचान लईशांगथेम तोंडन सिंह (34 वर्षीय), लईशांगथेम आनंद सिंह (34 वर्षीय) और हाइकम हेमचंद्र सिंह (41 वर्षीय) के रूप में हुई है। इनके पास से दो एसएलआर राइफल, दो संशोधित .0303 राइफल, एक इंसास राइफल, नौ मगजीन और 99 कारतूस बरामद किए गए हैं।

इसी उग्रवादी संगठन के एक अन्य सदस्य को इंफाल पूर्वी जिले के एंडरो इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान तोरेम टॉमचो मीतेई उर्फ पेना (45 वर्षीय) के रूप में हुई है। एक अन्य प्रतिबंधित संगठन प्रेपाक (प्रो) का एक सक्रिय सदस्य थौबल जिले के ईचान खुन्नौ इलाके से गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा, प्रतिबंधित संगठन सोरेपा का एक सक्रिय सदस्य थौबल जिले के समरम मयाई लैकाई इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान खोइनाईजम भूमेश्वर सिंह (24 वर्षीय) के रूप में हुई है। उसके पास से एक नकली बंदूर और तीन कारतूस बरामद किए गए हैं।

33.60 लाख की एमडी ड्रग्स ज़ब्त, तस्करी करने वाले गिरफ्तार

नागपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। शहर के मिनीमातानगर-कोतवाली से 33.60 लाख रुपये का एमडी पाउडर ज़ब्त किया गया है। दो कार्रवाई में चार तस्कर गिरफ्तार किए गए हैं। तस्करी में महिला तस्कर भी शामिल है। नागपुर की कलमना पुलिस ने कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 16 सितंबर को कलमना पुलिस स्टेशन की टीम रात में गश्त पर थी, तभी मिनीमातानगर में एक कार संदिग्ध अवस्था में दिखाई दी। पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली, तो ये पूरा मामला सामने आया। पुलिस को महल क्षेत्र निवासी 44 वर्षीय अमित लज्जाराम शर्मा और अजनी निवासी इसी उम्र के मुकेश निरंजन तिरले के पास करीब 1 ग्राम एमडी पाउडर मिला। पुलिस ने 17.75 लाख रुपये कीमत की कार और एमडी जब्त कर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। अमित शर्मा से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उसने कोतवाली शिवाजी नगर निवासी 20 वर्षीय आयुष दीपक इंगोले से एमडी खरीदी थी। उसने बताया कि आयुष नाम के लड़के को एमडी की और खेप मिलने वाली है। पुलिस ने आयुष के घर के आसपास जाल बिछाया। हालांकि, वह नहीं मिला। 17 सितंबर की रात को पुलिस ने उसके घर पर फिर से छापा मारा और भागने की कोशिश करते हुए उसे पकड़ लिया। उसके घर से 32.65 लाख रुपये कीमत का 214 ग्राम एमडी पाउडर मिला। आयुष ने बताया कि उसने यह माल वाठोडा निवासी 19 वर्षीय मयूर प्रकाश ठवकर को भी दिया था। पुलिस ने मयूर ठवकर को भी मंगलई घाट क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। दोनों से पूछताछ में एक महिला तस्कर का भी नाम सामने आया है। इस एमडी विक्रेता रैकेट में और भी आरोपियों के होने की संभावना है।

कॉमर्स कॉलेज में सिख छात्रों से मारपीट

दस्तार की बेअदबी पर सड़कों पर उतरे छात्र

जम्मू, 19 सितंबर (एजेंसियां)। कैनाल रोड स्थित कॉमर्स कॉलेज में वीरवार को कुछ सिख छात्रों के साथ मारपीट व दस्तार के साथ बेअदबी के मामले से गुस्साए सिख छात्रों और सिख संगठनों के सदस्यों ने कॉलेज के बाहर डेढ़ घंटे तक रास्ता बंद कर धरना-प्रदर्शन किया। सिख छात्रों का आरोप था कि कॉमर्स कॉलेज के ही एक छात्र ने बाहरी युवकों के साथ मिलकर उनके साथ मारपीट की। साथ ही धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की कोशिश की। आरोप लगाया कि हमलावरों के पास तेजधार हथियार थे। नवाबाद पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। सिख छात्रों का आरोप है कि कॉलेज से सस्पेंड एक छात्र बिना वर्दी के कालेज के पार्क में बैठकर अपने साथियों के साथ अन्य छात्रों से बदसलूकी करता है। वीरवार को 11.30 बजे उसने कुछ सिख छात्रों के साथ झगड़ा किया। फिर बाहर से 10 से 15 युवकों के साथ आया और सिख छात्रों से मारपीट करने के साथ उनकी दस्तार के साथ बेअदबी की। इससे गुस्साए छात्रों ने कॉलेज के भीतर और बाहर सड़क पर प्रदर्शन किया। दस्तार के बेअदबी की सूचना मिलने पर विभिन्न सिख संगठनों के सदस्य भी मौके पर पहुंच गए और छात्रों के साथ प्रदर्शन करने लगे।

छात्रों ने आरोप लगाया कि उक्त आरोपी छात्र पहले भी मारपीट और माहौल खराब करने का प्रयास कर चुका हैं, लेकिन कालेज प्रशासन ने उसके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जिससे अब ऐसी परिस्थितियां बनी हैं। उनका कहना था कि उक्त छात्र को कॉलेज प्रबंधन ने सस्पेंड किया है। इसके बावजूद उसे कॉलेज के भीतर आने से क्यों नहीं रोका जाता है। इसके लिए कई बार कॉलेज प्रबंधन को सूचित किया गया है। कैनाल रोड पर प्रदर्शन के चलते कैनाल रोड से ज्वेल तक भारी जाम रहा।

बाद में पुलिस अधिकारियों के समझाने पर रास्ता खोल दिया गया। इस दौरान जिला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के उपाध्यक्ष बलविंदर सिंह ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में भाईचारे का माहौल होना चाहिए। इस संस्थान में सभी धर्म के बच्चे पढ़ने आते हैं और उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी संस्थान प्रबंधनों की है। करीब दो साल से इस छात्र का अन्य छात्रों के साथ कोई न कोई विवाद चलता रहता था। हमने उसे एक-दो बार कुछ-कुछ अवधि के लिए सस्पेंड भी किया। हम लोग शिक्षक हैं। पहले उसके भविष्य और कॅरिअर को देखते हुए उसे मौका दिया। वीरवार की घटना बड़ी है। ऐसे में उसे रस्टीकेट कर दिया गया है। उसके खिलाफ एफआईआर भी करा दी गई है।

बीमार मां से मिलने जेल से बाहर आएगा नारायण साईं, 5 दिन की मिली जमानत

अहमदाबाद, 19 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात हाई कोर्ट ने रेप के दोषी और स्वयंभू संत आसाराम के बेटे नारायण साईं 5 दिन की अस्थायी जमानत देने का आदेश दिया है। अदालत ने यह राहत उनकी बीमार मां से मिलने के लिए दी है। नारायण साईं फिलहाल सूरत की लाजपोर जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है। उसने कोर्ट में दलील दी कि वह अपनी मां से फरवरी 2021 में आखिरी बार मिला था। अब उनकी मां गंभीर हृदय रोग से जूझ रही हैं और हालात बिगड़ने की वजह से उनसे मिलने की इजाजत मांगी गई। हालांकि राज्य सरकार और पीड़िता के वकील ने इस याचिका का विरोध किया। उनका कहना था कि रिकॉर्ड में ऐसा कोई ठोस मेडिकल सबूत नहीं है, जिससे यह साबित हो सके कि मां की हालत नाजुक है। इसके बावजूद कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और साईं की जेल में बिताई गई अवधि पर विचार करने के बाद अस्थायी जमानत देने का फैसला किया।

जमानत मिलने के बाद भी साईं को कई शर्तों का पालन करना होगा। आदेश में कहा गया है कि 5 दिन की अवधि में वह केवल अहमदाबाद स्थित अपनी मां के घर पर ही रहेगा और यह सब पुलिस निगरानी में होगा। उसे किसी और जगह जाने की इजाजत नहीं होगी। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि वह इस दौरान अपने अनुयायियों या पिता आसाराम के अनुयायियों से समूह में मुलाकात नहीं करेगा। जज इलेश वोरा ने आदेश में कहा कि जमानत की अवधि खत्म होते ही नारायण साईं को वापस सूरत की लाजपोर जेल में ले जाया जाएगा। अदालत ने प्रशासन को निर्देश दिया है कि 5 दिनों की अवधि पूरी होने के बाद बिना किसी देरी के उसे जेल में लौटा दिया जाए। गौरतलब है कि आसाराम और उसका बेटा नारायण साईं दोनों ही रेप मामलों में दोषी करार दिए जा चुके हैं और फिलहाल सजा काट रहे हैं। कोर्ट का यह आदेश फिलहाल सिर्फ मानवीय आधार पर दिया गया है, ताकि साईं अपनी मां से मिल सके।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 20 सितंबर- 2025

जानलेवा बनता जा रहा आनलाइन गेम

मनोज कुमार अग्रवाल

लखनऊ के मोहनलालगंज में ऑनलाइन गेम फ्री फायर की लत ने 13 वर्षीय यश यादव की जान ले ली. पिता के बैंक अकाउंट से 13 लाख रुपये गेम में उड़ाने के बाद पिता की डांट से घबराकर उसने कमरे में जाकर फांसी लगा ली। दरअसल, पिता ने खेत बेचकर मकान बनाने के लिए 14 लाख जमा किए थे.अब पुलिस ने अभिभावकों से बच्चों की मोबाइल एक्टिविटी और बैंक खातों पर निगरानी रखने की अपील की है। लखनऊ के मोहनलालगंज इलाके से एक दर्दनाक खबर सामने आई है. धनुवासाड़ गांव में 13 साल के यश यादव ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी. वजह बनी ऑनलाइन गेम फ्री फायर की लत और पिता के बैंक अकाउंट से उड़ाए गए 13 लाख रुपये.यश पढ़ाई में होनहार था लेकिन मोबाइल गेम का शौक उसकी जिंदगी पर भारी पड़ गया. पिता ने खेत बेचकर मकान बनाने और परिवार के बीमार सदस्य के ईलाज के लिए 14 लाख रुपये बैंक में जमा किए थे. दो महीने में यश ने फ्री फायर गेम खेलते हुए अकाउंट से 13 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए. सोमवार को जब पिता बैंक गए तो खाते में सिर्फ एक लाख रुपये बचे थे. बैंक स्टेटमेंट से सच्चाई सामने आई।

घर लौटकर पिता ने बेटे को डांटा. घबराया यश छत पर बने कमरे में गया और फांसी लगा ली. परिवार ने दरवाजा तोड़ा लेकिन तब तक देर हो चुकी थी. मां ने बताया कि उन्हें कभी अंदाजा नहीं था कि बेटा गेम खेलते-खेलते इतना पैसा खर्च कर देगा. उसने कई बार उसे समझाया था कि गेम मत खेलो, लेकिन उसने यह कदम उठा लिया. परिजनों के अनुसार, यश को पढ़ाई के समय मोबाइल पर गेम खेलने से कई बार रोका गया था. ट्यूशन टीचर ने भी उसे समझाने की कोशिश की थी, लेकिन वह गेम की लत छोड़ नहीं पा रहा था. आखिरकार इसी लत ने उसकी जान ले ली. दोस्तों और पड़ोसियों ने भी यश को होनहार बताया और कहा कि मोबाइल गेम ने उसकी जिंदगी बर्बाद कर दी. डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि जांच में सामने आया है कि यश के पिता ने खेत बेचकर पैसा जमा किया था। बच्चा लगातार गेम खेलता था।

पड़ताल करने पर मालूम हुआ कि पैसा उनके मोबाइल के माध्यम से कई बार में ऑनलाइन ट्रांसफर किया गया था । उसने करोड़ों कमाने के लालचऑनलाइन गेम में गंवा दी है। पोल खुलने से घबराकर किशोर ने फंदे से लटक कर जान दे दी इस चौतरफा मार से परिवार की कमर टूट गई है, जब एक तरफ बीमारी, दूसरी तरफ इलाज के लिए जमीन बेचकर जुटाई रकम का लुट जाना और फिर घर के चिराग का यूं चले जाना ! अब बाकी लोग तो घटना पर दुख जताकर चुप बैठ जायेंगे, परंतु क्या ये परिवार अपने ऊपर हुए वज्रपात से कभी उबर पायेगा ?

ओडिशा में बालासोर जिले के सिंगला थाना क्षेत्र केद्र गुहालीपाड़ा गांव में आठवीं कक्षा के एक छात्र ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली.यह घटना पर 12 अगस्त को हुई, जब जयकृष्ण नाम के नाबालिग लड़के ने अपने परिवार के सदस्यों द्वारा ऑनलाइन गेम खेलने से रोकने की कोशिश के बाद यह कदम उठाया. इसी तरह का एक मामला यूपी कानपुर जनपद के पनकी थाना क्षेत्र के रतनपुर में 11 साल के बच्चे को इनाम का लालच दे कैफे संचालकों ने ऑनलाइन गेम खिलाकर 90 हजार रुपये का चूना लगा दिया। बच्चा गुल्लक से रुपये निकालकर ऑनलाइन गेम खेलता रहा। परिवार वालों को रुपयों की जरूरत पड़ी तो जानकारी हुई। वह बच्चे को साथ ले जाकर कैफे संचालकों से शिकायत करने पहुंचे और रकम मांगी। एक कैफे संचालक ने गलती स्वीकार कर ली जबकि दूसरे ने गाली-गलौज कर धमकाया। पुलिस से शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। करीब साढ़े आठ महीने बाद पीड़िता ने एडीसीपी वेस्ट ऑफिस में शिकायत की। अभी 8 सितंबर को राजस्थान के जनपद कोटा के खेड़ा रामपुर गांव में एक दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया था यहां 28 वर्षीय दीपक राठौड़ और उनकी पत्नी ने ऑनलाइन गेम में करीब पांच लाख रुपये हारने के बाद आत्महत्या कर ली थी दोनों ने अपने ही घर पर फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी थी परिवार में एक दस साल की मासूम बेटी अनाथ हो गई इस घटना के बाद गांव में गम और सन्नाटा पसर गया। हाल ही में हरियाणा के सिरसा में ऑनलाइन गेमिंग के जाल में फंसकर कर्जदार हुए एक युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान बणी गांव निवासी 37 वर्षीय गुरप्रीत सिंह के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार गुरप्रीत 16 सितंबर को स्वजन को बिना बताए घर से चला गया था। उसके घर न लौटने पर स्वजन ने उसकी तलाश शुरू की परंतु वह कहीं नहीं मिला। वीरवार को किसी ने स्वजन को सूचना दी कि गुरप्रीत का शव फ्लडी नहर के नजदीक एक पेड़ से लटका हुआ है। ये तो इस तरह कुछ एक घटना है, ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें आनलाइन गतिविधियों में लिप्त कई बच्चों की पहुंच अपने घर के पैसों तक हो जाती है और गेम में डिजाइन किए गए लालच के जाल में फंस कर वे अपने माता-पिता की मेहनत से कमाए गए पैसे गेम में हार जाते हैं। प्रश्न ये उठता है कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है और इन्हें कैसे रोका जा सकता है।दरअसल डिजिटल के इस दौर में जब कोई बच्चा जब स्मार्टफोन या कंप्यूटर में मशगूल रहने लगता है, तो उसके अभिभावकों की प्रथम दृष्टया धारणा यही बनती है कि वह तकनीक के उपयोग को लेकर बहुत बुद्धिमान है लेकिन मुश्किल तब होती है, जब तकनीक में बच्चों या किशोरों की यही व्यस्तता उनके विवेक और व्यक्तित्व पर बेहद घातक असर डालती है और कई बार जानलेवा भी साबित होती है। परिवार की जिम्मेदारी तो बनती है लेकिन बच्चों द्वारा बड़ों के फोन पर थोड़ी बहुत देर खेल लेना अब एक सामान्य बात हो गई है, जिसमें पास बैठे हुए भी यह पता लगाना मुश्किल है कि वो उससे क्या कर रहा है एक बार को पोर्न वीडियो देखे जाने का पता लगाना आसान है। सबसे अच्छा उपाय तो यही है कि इनपर पूर्ण प्रतिबंध लगे। परंतु चूंकि आजकल अभिव्यक्ति, आजीविका, मनोरंजन आदि के साधनों की स्वतंत्रता को सरकार और न्यायपालिका शायद लोगों के जीवन और कल्याण से अधिक मूल्यवान मानने लगी है, इसलिए वह सिगरेट के पैकेट पर कंकाल और शराब की बोतल पर चेतावनी के स्टीकर की तरह इन गेम्स के विज्ञापनों पर यह बुलवा देने मात्र से कि इनकी लत लग सकती है, इसलिए खेलने से पहले अपने विवेक का इस्तेमाल करें, अपने कर्तव्य की इतिश्री समझ लेती है ! अतः इसकी संभावना तो न के बराबर ही है ।

दूसरा व्यावहारिक उपाय यह है कि इसके ऐप इंस्टॉल करने पर नियंत्रण किया जाए, जिसमें बिना यूजर के स्वयं डाउनलोड किए, ये ऐप आयोजक द्वारा किसी के मोबाइल पर न भेजा जा सके, जबकि आज ये किसी न किसी तरह बिना डाउनलोड किए मोबाइल पर अपने आप आने लगते हैं और एक बार गलती से खुल जाने पर बाहर निकलना भी एक सिर खपाऊ काम हो जाता है । अंतिम किंतु बहुत महत्वपूर्ण बात ये है कि इन ऐप्स का विज्ञापन सेलिब्रिटीज द्वारा करने पर पूर्ण प्रतिबंध होना चाहिए, क्योंकि आज बड़े बड़े क्रिकेटर्स और फिल्म स्टार्स मोटा पैसा कमाने के चक्कर में इनका विज्ञापन करते समय यह भी भूल जाते हैं कि अपने जिन फैंस की बदौलत उनका ग्लैमर कायम है, उन्हीं के बच्चे उनके उकसावे में आकर इन्हें खेलने की लत पाल लेते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप या तो वे चोरी, लूटपाट, मारपीट आदि से जुड़कर अपराध की राह पर निकल जाते हैं, या फिर इस किशोर जैसा आत्मघाती कदम उठाकर अपने परिवार को कभी न भरने वाला जख्म दे जाते हैं ।धन-आधारित ऑनलाइन खेलों के चक्कर में करीब पैंतालीस करोड़ लोग हर वर्ष लगभग बीस हजार करोड़ रुपए गंवा देते हैं। इसकी लत की वजह से अब तक सैकड़ों परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद हो चुके हैं।जरूरत इस बात की है कि बच्चों को ही नहीं वयस्कों को भी आनलाइन गेम की लत से बचना चाहिए लेकिन कैसे बचाया जाए यह दुष्कर है।

ड्रोन : भविष्य का सैनिक

भारतीय सेना अब टेक्नोलॉजी में मील का पत्थर साबित होने जा रही है। वह बहुत जल्द ड्रोनयुक्त आर्मी बनाने पर फोकस कर रही है। यह आइडिया उसे रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर इजरायल-हमास संघर्ष और ईरान पर अमेरिकी हमलों को देखते हुए मिला है। ऑपरेशन सिंदूर का जो अनुभव भारत को मिला है, उसको देखते हुए मॉडर्न वॉरफेयर में टेक्नोलॉजी ही सबसे बड़ा हथियार साबित हो रहा है। भारतीय सेना को अपनी क्षमता पर हमेशा अभिमान रहा है। लेकिन, अनुभव बताते हैं कि दुनिया की जो भी मिलिट्री अब तकनीक में आगे होगी, वही विजेता होगा। इसी विचार के साथ भारतीय सेना अपने प्रत्येक सैनिक के हाथों में हथियारों के साथ ही ड्रोन थमाने की भी तैयारी कर ली है। देखा जाए तो आर्मी हो या एयरफोर्स या नेवी, अब ड्रोन सबके लिए भरोसेमंद हथियार बन चुका है। ऑपरेशन सिंदूर में यदि हमारा एंटी एयर डिफेंस सिस्टम मजबूत नहीं होता तो तुर्की में बने पाकिस्तानी ड्रोन के झुंड घातक साबित हो सकते थे। भारतीय सेना अब इस पर काम कर रही है कि प्रत्येक सैनिक उसी तरह से ड्रोन उड़ाने में सक्षम हों, जैसे अपना हथियार होता है। यह ' ईगल इन द आर्म 'की सोच पर आधारित है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के अनुसार आने वाले दिनों में हमारी मारक क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। उनका इशारा साफ है कि भारतीय सेना बहुत ही तेजी से अत्याधुनिक और भविष्य की फोर्स के रूप में बदल जाएगी। ड्रोन की अहमियत ऑपरेशन सिंदूर के बाद कई बार देखा जा चुकी है। अभी कोलकाता में हुए तीनों सेनाओं के कमांडरों के कॉन्फ्रेंस में भी इसपर गहन चर्चा हुई है। हाल ही में सेना ने अपने 19 प्रमुख मिलिट्री एकेडमियों में ड्रोन ट्रेनिंग सेंटर बनाने का भी फैसला लिया है। गुरुवार को सेना प्रमुख ने अरुणाचल प्रदेश में एक ऐसे ही एकेडमी का दौरा कर हालात का जायजा लिया है। सैनिकों को ड्रोन से लैस करने के मकसद को दो तरह से देखा जा रहा है। एक तो काउंटर-ड्रोन डिफेंस में हम ज्यादा ताकतवर बनेंगे और इससे यह पता चलता है कि अब यह अनमैन्ड सिस्टम युद्ध के मैदान के लिए आवश्यक हथियार बन चुका है, जिसे अलग तरह से नहीं देखा जा सकता। प्रत्येक सैनिक और अफसरों को ड्रोन के संचालन में पारंगत बनाकर सेना एक तरह से 'भविष्य के सैनिक' तैयार करने की योजना पर काम कर रही है,जिनके पास अब सिर्फ हथियार ही नहीं होंगे, ड्रोन के रूप में एक 'बाज' भी रहेगा, जो दूर तक नजर रखते हुए चौकन्ना रहेगा। जिससे वह युद्ध के मैदान में और ज्यादा ताकतवर बन सके। कुल मिलाकर आने वाले समय में भारतीय सशस्त्र सेना के लिए ड्रोन चार तरह से काम आने वाले हैं। इससे दुश्मनों पर नजर रखी जा सकेगी, युद्ध के दौरान इसी से हमले किए जा सकेंगे, जंग या शांति काल में भी यह लॉजिस्टिक के लिए इस्तेमाल हो सकते हैं और मेडिकल इमरजेंसी में भी काम आ सकते हैं। इसी इरादे के साथ सेना तेजी से अपने जखीरे में ड्रोन शामिल कर रही है। इसके साथ ही काउंटर-ड्रोन सिस्टम भी जुटा रही है। मसलन, इंफैंट्री बटालियन को ड्रोन प्लाटून दिए जा रहे हैं, तो आर्टिलरी रेजिमेंट को काउंडर-ड्रोन सिस्टम और लोइटरिंग म्यूनिशन सौंपे जा रहे हैं। इनके अलावा युद्ध क्षेत्र में लंबे समय तक टिके रहने और मारक क्षमता बढ़ाने के लिए कंपोजिट दिव्यास्त्र बैटरियां भी बनाई जा रही हैं। जाहिर है जिस दिन यह काम पूरा हो जाएगा उस दिन से भारत अजेय होने की स्थिति में आ जाएगा।

अर्थव्यवस्था की नई राह या राजस्व का नया संकट ?

ममता कुशवाहा

भारत की अर्थव्यवस्था बीते एक दशक से बड़े कर सुधारों के दौर से गुजर रही है। इनमें वस्तु एवं सेवा कर सबसे व्यापक और महत्वाकांक्षी सुधारों में गिना जाता है, जिसने केंद्र और राज्यों के अप्रत्यक्ष कर ढांचे को एकीकृत कर दिया। वर्ष 2017 में लागू हुए इस कर ढांचे ने एक नई कर संस्कृति को जन्म दिया, जिसमें बहुस्तरीय करों की जगह एकीकृत प्रणाली अस्तित्व में आई। किंतु समय के साथ इस व्यवस्था की चुनौतियाँ भी सामने आईं- जटिल कर दरें, राजस्व संग्रहण में असमानता, कर चोरी की प्रवृत्ति और उपभोक्ताओं पर पड़ने वाला अतिरिक्त बोझ। ऐसे में हाल ही में प्रस्तावित जीएसटी 2.0 को एक बड़े सुधार के रूप में देखा जा रहा है, जिसने बहस को जन्म दिया है कि यह वास्तव में दीर्घकालीन सुधार है या फिर तत्कालीन दबावों को संतुलित करने की रणनीति।

जीएसटी परिषद ने सितंबर 2025 से लागू होने वाले इस बदलाव के तहत कई वस्तुओं और सेवाओं की कर दरों में संशोधन का निर्णय लिया है। उदाहरणस्वरूप, पहले जिन वस्तुओं और सेवाओं पर 5% या 18% कर लगता था, उनमें आंशिक कमी की गई है। इसका सीधा असर आम उपभोक्ता से लेकर उद्योग और राज्यों की वित्तीय स्थिति तक पड़ेगा। सरकार का तर्क है कि कर दरों को सरल और यथार्थवादी बनाना समय की मांग है, ताकि उपभोग बढ़े, आर्थिक गतिविधियों को गति मिले और कर चोरी पर रोक लगे।

इस कदम के पीछे सबसे बड़ा तर्क उपभोग में बढ़ोतरी का है। भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति में घरेलू खपत एक प्रमुख कारक है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को गति देता है। जब कर दरें घटेंगी तो वस्तुएं अपेक्षाकृत सस्ती होंगी, जिससे मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के उपभोक्ताओं का उपभोग बढ़ेगा। यह अतिरिक्त मांग उत्पादन को प्रेरित करेगी, उद्योगों की क्षमता का बेहतर उपयोग होगा और रोजगार सृजन की संभावनाएँ भी बढ़ेंगी। रोजगार बढ़ने से लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी और इसका पुनः असर अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक पड़ेगा। दूसरा बड़ा पहलू कर चोरी पर अंकुश का है। अब तक बहुविध कर दरों और जटिल कर ढांचे के कारण व्यापारी वर्ग में गलत वर्गीकरण की प्रवृत्ति बनी रहती थी, जिससे कर राजस्व का नुकसान होता था। नई व्यवस्था में दरों को तर्कसंगत और सीमित श्रेणियों में रखने की कोशिश हुई है। अनुमान है कि इससे कर चोरी में उल्लेखनीय कमी आएगी और राज्यों तथा केंद्र सरकार की आय में वृद्धि होगी। हालाँकि इस सुधार के नकारात्मक पहलू भी उतने ही प्रबल हैं। कई राज्यों ने इस संशोधित ढांचे पर आपत्ति दर्ज की है। उनका कहना है कि दरों में कमी से कर राजस्व में गिरावट होगी, जिससे राज्यों की वित्तीय स्वायत्तता प्रभावित होगी। वित्तीय वर्ष 2025-26 में कर संग्रहण में होने वाली इस संभावित कमी को लेकर आशंका जताई जा रही है कि राज्यों का घाटा लगभग 48,000 करोड़ रुपये तक पहुँच सकता है। जबकि केंद्र का तर्क है कि बढ़ा हुआ उपभोग और विस्तृत कर आधार इस नुकसान की भरपाई कर देगा। सवाल यह है कि क्या वाकई अल्पकालिक घाटे की भरपाई दीर्घकाल में संभव होगी, या फिर राज्यों पर उधारी और राजकोषीय असंतुलन का बोझ बढ़ेगा।

एक और चुनौती असमानता की है। दरअसल, कर में कमी का सबसे अधिक लाभ मध्यम वर्ग और उपभोग आधारित वर्ग को मिलेगा, किंतु लग्जरी और ₹सिन गुड्स₹ पर कर का बोझ यथावत बना रहेगा। इसका अर्थ यह है कि समाज के उच्च आय वर्ग को विशेष राहत नहीं मिलेगी, जबकि वे पहले से ही इन करों का वहन करने में सक्षम हैं। दूसरी ओर, कर दरों में कमी से उत्पन्न राजस्व घाटे की भरपाई के लिए संभव है कि राज्यों को भविष्य में किसी और तरीके से कर बढ़ाने पड़ें। इस प्रकार यह सुधार कहीं न कहीं आय वर्गीय असमानता की खाई को और गहरा कर सकता है। सुधार की दिशा में यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत में कर संग्रहण की दक्षता अभी भी विकसित देशों की तुलना में कम है। ब्राज़ील और चीन जैसे देशों में कर दक्षता 50-60 प्रतिशत के आसपास है, जबकि भारत में यह 40 प्रतिशत से भी नीचे आंकी जाती है। जीएसटी 2.0 से यह उम्मीद की जा रही है कि कर संग्रहण बेहतर होगा और जीडीपी में कर योगदान का अनुपात बढ़ेगा। यदि ऐसा होता है तो भारत की राजकोषीय स्थिति मजबूत होगी और सरकार के पास विकासोन्मुख योजनाओं पर खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी। अर्थशास्त्रियों का एक वर्ग इस सुधार को कुशल वित्तीय प्रबंधन तो मानता है, किंतु संरचनात्मक सुधार नहीं। उनके अनुसार यह कदम निकट भविष्य में महँगाई के प्रभाव को संतुलित करने और उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए ज्यादा है, जबकि दीर्घकालीन दृष्टिकोण से इसमें ठोस सुधारात्मक तत्वों की कमी है। कर ढांचे को वास्तव में सरल और न्यायसंगत बनाने के लिए आवश्यक है कि दरों की श्रेणियाँ और घटाई जाएँ, अनुपालन को आसान बनाया जाए और राज्यों के हिस्से को सुरक्षित करने के लिए कोई स्थायी तंत्र स्थापित किया जाए।

जीएसटी 2.0 से जुड़े राजनीतिक आयाम भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। चुनावों से पूर्व यह कदम जनता को राहत देने और मध्यम वर्ग का विश्वास जीतने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। कर दरों में कमी का तत्काल लाभ उपभोक्ताओं को महसूस होगा, जिससे सरकार को राजनीतिक पूँजी हासिल हो सकती है। किंतु यदि राज्यों की वित्तीय स्थिति बिगड़ी तो केंद्र और राज्यों के बीच टकराव बढ़ सकता है, जो संघीय ढाँचे के लिए चुनौतीपूर्ण होगा।वास्तव में जीएसटी 2.0 को भारतीय कर व्यवस्था में संक्रमण कालीन सुधार कहा जा सकता है। इससे उपभोक्ता को राहत मिलेगी, उपभोग और मांग बढ़ेगी, कर चोरी पर अंकुश लगेगा और रोजगार के अवसर पैदा होंगे। परंतु इसके साथ-साथ राजस्व घाटे, राज्यों की आपत्तियों और दीर्घकालिक संरचनात्मक सुधारों की कमी जैसे सवाल भी कायम हैं। यह सुधार तभी स्थायी और प्रभावी सिद्ध होगा जब केंद्र और राज्य मिलकर राजस्व साझा करने का संतुलित तंत्र विकसित करेंगे और कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी तथा सरल बनाएँगे। इस तरह से जीएसटी 2.0 भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक कदम है, किंतु इसे अंतिम सुधार नहीं माना जा सकता। यह उस लंबी यात्रा का हिस्सा है जिसमें भारत को न केवल कर संग्रहण की दक्षता बढ़ानी है, बल्कि कर ढाँचे को ऐसा स्वरूप देना है जो विकास, समानता और संघीय सहयोग के आदर्शों को सुदृढ़ कर सके।

सरकारी नौकरी यानी सुरक्षा की मानसिकता ?

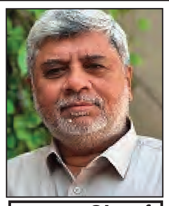

अमरपाल सिंह वर्मा

राजस्थान में हाल ही में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी (चपरासी) के 53 हजार 749 पदों पर भर्ती के लिए जो आवेदन आए, उसने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इन पदों के लिए कुल 24 लाख 75 हजार बेरोजगार युवाओं ने आवेदन किया है। इस भर्ती के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता दसवीं कक्षा पास है लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि आवेदकों में से करीब 75 प्रतिशत अभ्यर्थी दसवीं पास से कहीं ज्यादा शिक्षित हैं, यानी इंजीनियरिंग, प्रबंधन, वाणिज्य, कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातक से स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई करने वाले युवा भी अब चपरासी बनने की कतार में खड़े हैं।

यह तस्वीर केवल राजस्थान की नहीं है बल्कि पूरे देश में बेरोजगारी का यही स्वरूप दिखाई देता है। जब लाखों पढ़े-लिखे युवा एक मामूली चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन करते हैं तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर हमारी शिक्षा व्यवस्था, रोजगार नीति और सामाजिक सोच युवाओं को किस दिशा में ले जा रही है? हमारे समाज में सरकारी नौकरी को अब भी सबसे सुरक्षित और सम्मानजनक कॅरियर माना जाता है। अब तो कन्या पक्ष विवाह के लिए भी सरकारी नौकरी वाले लडक़े को ही तरजीह देता है। स्थाई वेतन, पेंशन जैसी सुविधाएं और सामाजिक प्रतिष्ठा युवाओं को इस ओर आकर्षित करती है लेकिन आज चपरासी बनने के लिए भी जिस हद तक भीड़ उमड़ रही है, उसे जाहिर है कि सरकारी नौकरी के प्रति मोह एक जुनून बन चुका है। युवा वर्ग स्वरोजगार, निजी क्षेत्र या पैतृक व्यवसाय की बजाय सरकारी नौकरी पाने के लिए वर्षों तक परीक्षाओं की तैयारी में अपनी ऊर्जा खर्च कर रहा है।

खेती की ओर तो अब किसान पुत्र भी नहीं झांक रहे हैं। इसका नतीजा यह है कि लाखों युवा न तो समय पर रोजगार पा रहे हैं और न ही अपनी क्षमता का सही उपयोग कर पा रहे हैं। कई बार तो योग्यताओं के असंतुलन के कारण स्थिति और भी विकट हो जाती है। जब एक एमबीए या बीटेक छात्र चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन करता है तो वह केवल खुद को ही नहीं बल्कि एक वास्तविक दसवीं पास बेरोजगार को भी प्रतिस्पर्धा से बाहर कर देता है।

राजस्थान में चपरासी भर्ती के लिए उच्च शिक्षित युवाओं की भीड़ उमडऩे से एक और गंभीर सवाल खड़ा हो गया है कि क्या हमारी शिक्षा युवाओं को वास्तव में रोजगार दिलाने लायक बना रही है? अगर लाखों स्नातक और स्नातकोत्तर केवल चपरासी बनने की चाह रखते हैं तो इसका सीधा मतलब है कि शिक्षा रोजगारोन्मुखी नहीं रही। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री बांटना नहीं होना चाहिए बल्कि छात्रों को ऐसा कौशल और आत्म विश्वास देना चाहिए कि वे अपने दम पर रोजगार खड़ा कर सकें। दुर्भाग्य से आज अधिकांश युवा डिग्रीधारी तो हैं लेकिन कौशलहीन हैं। इसी वजह से वे निजी क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाते और अंततः सरकारी नौकरी की दौड़ में लग जाते हैं। सरकार ने कौशल भारत मिशन और अन्य योजनाओं के जरिए कौशल विकास पर जोर तो दिया है लेकिन उसकी पहुंच और असर अब भी सीमित है। आईटी, कृषि, निर्माण, स्वास्थ्य और सेवा क्षेत्र में असीमित संभावनाएं हैं लेकिन वहां प्रशिक्षित और दक्ष लोगों की कमी बनी हुई है। आज स्टार्टअप संस्कृति पूरे देश में फैल रही है पर हमारे ग्रामीण और कस्बाई इलाकों के लाखों युवा इससे वंचित हैं। बड़ा सवाल है कि इस समस्या का समाधान क्या है? इसके लिए काफी कुछ करने की जरूरत है। अगर उच्च शिक्षा के साथ युवाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण दिया जाए तो वे न केवल आत्म निर्भर बनेंगे बल्कि स्वरोजगार और उद्यमिता की राह भी चुन सकेंगे।

सरकार की रोजगार नीतियों को व्यावहारिक बनाना होगा। समाज को भी सरकारी नौकरी की मानसिकता से बाहर आने की जरूरत है। हर जिले में उच्च स्तरीय कौशल केंद्र विकसित कर आईटी, कृषि, निर्माण, मशीनरी और सेवा क्षेत्र की जरूरतों के अनुसार युवाओं को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। यदि सरकार युवाओं को छोटे उद्योग-व्यवसाय शुरू करने के लिए आसान ऋण, तकनीकी सहयोग और बाजार उपलब्ध कराए तो उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। राजस्थान में चपरासी बनने के लिए लाखों युवाओं के उमडऩे से साफ है कि बेरोजगारी केवल आंकड़ों का खेल नहीं है बल्कि यह हमारी शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक सोच की विफलता का परिणाम है। स्वरोजगार भी सरकारी नौकरी जितना ही सम्मानजनक और सुरक्षित हो सकता है, युवाओं को यह भरोसा दिलाना होगा। परिवार और समाज को यह स्वीकार करना होगा कि रोजगार केवल सरकारी नौकरी तक सीमित नहीं है। स्वरोजगार, निजी क्षेत्र और पैतृक व्यवसाय भी उतने ही सम्मानजनक हैं। इनके जरिए न केवल आजीविका बल्कि समाज में मान-सम्मान भी हासिल किया जा सकता है।

वेद उपनिषद: ज्ञान और सन्मार्ग के बड़े स्रोत

संजीव ठाकुर

भारतीय ऋग्वेद अथर्ववेद और अनेक वेदों में इतनी शक्ति ऊर्जा और अर्थ छुपा हुआ है कि उसका अध्ययन मनन और चिंतन करने से भारत विश्व गुरु बनने की क्षमता रखता है। भारत की योग विद्या पूरे विश्व में अमेरिका सहित यूरोप में अपनाई गई है। यह अलग बात है कि कुछ देशों के प्रशासको द्वारा अपनी सनक एवं विस्तार वादी मानसिकता के कारण यूक्रेन में युद्ध की स्थिति बन कर पूरे विश्व में वैश्विक युद्ध की संभावनाएं बन गई हैं। इसका हल मी भारतीय संस्कृति सनातन ग्रंथों और संस्कारों में छुपा हुआ है उसे बस आद्योपांत अपनाने की जरूरत है। भारतीय संस्कृति आज महावीर तथा बुध के पूरे विश्व में करोड़ों अनुयाई हैं, और दोनों ने श्रम तथा सार्थकता को जीवन में अपनाने को ही महत्व दिया था। सफलता उनके लिए मिथ्या के बराबर ही थी1

गुरु नानक देव द्वारा प्रतिपादित सरबत दा भला, हो या महात्मा गांधी का सर्वोदय, ईसा मसीह की करुणा, मोहम्मद साहब,

टैगोर का मानवतावाद या नेहरू का अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रवाद जीवन के श्रम तथा सार्थकता की खोज और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक शांति की खोज संदर्भ में बड़े महत्वपूर्ण उदाहरण है1 व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर देखा जाए तो महज रोजगार की तलाश विवाह संतानोत्पत्ति,बच्चों का भरण पोषण तथा सेवानिवृत्ति ही जीवन नहीं है। इसमें सामुदायिक श्रम और सार्थकता का समावेश होना समीचीन है1 हालांकि इस बात में कोई दो मत नहीं कि पारिवारिक उत्तरदायित्व का निर्वहन समाजिक मूलभूत आवश्यकता है1 पर इसके साथ साथ कुछ ऐसा सार्थक श्रम किया जाना चाहिए जो न केवल आत्मिक संतोष का अनुभव प्रदान करें, बल्कि सामाजिक हित और वैश्विक शांति में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, और समाज को दिशा देने वाली कोई परिणति समाज के सम्मुख प्रकट हो1

जिससे समाज के लोगों का जीवन परिष्कृत हो1 इसी संदर्भ में राजा राममोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, सर सैयद अहमद खान,दयानंद सरस्वती, विवेकानंद ने हमेशा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध अभियान चलाकर जीवन में श्रम तथा सार्थकता का महत्व बढ़ाकर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया था।

यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि जीवन की असली खोज श्रम सार्थकता की उपलब्धि ना होती और तथाकथित सफलता के शिखर पर व्यक्ति बैठ जाता है और शांत हो जाता,तो सफलता के शिखर पर बैठे बिलगेट, वारेन बुफेट जैसे लोग अपनी अकूत संपत्ति का बड़ा भाग सामाजिक उद्देश्य के लिए दान नहीं करते। सुंदरलाल बहुगुणा चिपको आंदोलन चलाकर जल तथा पर्यावरण संरक्षण की बात नहीं करते। कैलाश सत्यार्थी बचपन बचाओ आंदोलन के माध्यम से बाल संरक्षण के अधिकारों का झंडा बुलंद नहीं कर पाते। थॉमस अल्वा एडिसन, आइंस्टीन,मैडम क्यूरी और राइट बंधुओं के श्रम और सार्थकता के प्रयास में ही सफलता का परचम फैलाया है। पर इन सब के पीछे उनकी असाध्य मेहनत और दिमागी सार्थकता ही मुख्य कारक बन कर उन्हें उत्प्रेरित करती रहे है।पर दूसरी तरफ यह भी सत्य है कि जीवन में सार्थकता की खोज सफलता के अभाव में संभव नहीं है। क्योंकि श्रम और सार्थकता का महत्व तभी तक है जब तक वह सफल ना हो,परंतु सफलता ही मनुष्य की अंतिम परिणति नहीं होनी चाहिए। अन्यथा जीवन में मानवीय मूल्यों का महत्व नगण्य में होने की संभावना बनी रहती है। अतः श्रम मेहनत और सार्थकता समेकित रूप से मिलकर एक बड़ी सफलता को जन्म देते हैं। श्रम तथा सार्थकता तभी प्राप्त होती है, जब सफलता का आधार प्राप्त हो जाए।

राजनीति की उल्टी गीता

डॉ टी महादेव राव

चुनावी मैदान में खड़े होने के लिए सारे नेता लड़ रहे हैं।

राजनीति में इसीलिए तो आते हैं। एक चुनाव क्षेत्र के लिए बहुत सारे लोग आवेदन कर रहे हैं। अब आप बताओ एक पदक के लिए बहुत सारे लोग दौड़ते हैं कि नहीं? इसी तरह यह भी है। अपनी किस्मत आजमाने का सभी को हक है न?

जनता की सेवा के लिए किस्मत के इम्तिहान? यह कोई लॉटरी तो नहीं है?

राजनीति, चुनाव, परिणाम, पद सभी लॉटरी जैसे ही हैं। भाग्य की लक्ष्मी की मेहरबानी के लिए कोई भी दंगल में खड़ा हो सकता है। यह सब इस बात का सबूत है कि हमारा लोकतंत्र पूर्णतया विकसित होकर फूल बनकर अपना सुगंध चारों तरफ फैला रहा है।

लोकतंत्र का उत्सव मनाने जैसा क्या बचा हुआ है?

लोकतंत्र का मतलब ही स्वतंत्रता की पराकाष्ठा है। एक टिकट के लिए एक ही पार्टी से कई लोगों की कोशिश और अपने पार्टी के नेताओं को ही टिकट न देने और उन्हें पद बिल्कुल न देने जैसी राजनीतिक रक्त संबंध को बांटने वाले अनुयाई, स्वयं के कार्यकर्ता ही प्रत्यक्ष रूप से आवाज उठाने की जो चेष्टा कर रहे हैं, वह राजनीति में ही दिखाई देने वाला विचित्र विन्यास है। लोकतंत्र की परिणति शायद यही है। प्रजातंत्र बढ़कर नासूर बन विकसित होने पर ही इस तरह के स्वच्छ, स्वस्थ प्रगति के लक्षण बाहर आते हैं।

अपने स्वयं के नेताओं का विरोध करना पीठ में छुरा घोंपने जैसा नहीं है?

वह सब अवसरों को हथियाना की आतुरता है।

राजनीति में अवसर बहुत कआते हैं। बहुत कम दरवाजा खटखटाते हैं। हमको ही चाहिए हम दरवाजा खोलकर ढूंढते जाएं। ऐसे सत्य को सारे नेताओं ने जान लिया है, जिस वजह से इस तरह की बातें हर दिन जहां कहीं आपको दिखाई पड़ती है।

₹लेकिन टिकट न मिलने पर राम लक्ष्मण जैसे भाई भी वाली और सुग्रीव या रावण और विभीषण जैसी शत्रुता निभाते हैं।ऐसे में मानवीय रक्त संबंधों में मधुरता का क्या होगा?

राजनीति में पद, पैसा और संपत्ति ही सबसे अधिक मायने रखती हैं। बाकी सारी तो माया है। अकेले आए थे अकेले जाएंगे। ये बंधन तो मुट्ठी बांध के आने और हाथ पसार कर जाने के बीच बने रिश्ते हैं। सारी मोह माया हमारी अपनी बनाई हुई है।

लेकिन पैसा,पद, प्रतिष्ठा और संपत्ति भी तो बीच में ही आई हैं न?

तो क्या किसी भी चीज से मोह न रखें? नागा बाबा बनके घूमे? दर दर भटकें? थोड़ी बहुत संपत्ति बना लिए तो कौन सा पहाड़ टूट पड़ा?

लेकिन जिस गीता का ज्ञान आप बता रहे हो उसमें तो साफ लिखा है की सच बोलना चाहिए, झूठ बिल्कुल नहीं होना चाहिए। लेकिन ....?

लेकिन गीता की तरह न होकर राजनीति ग्रंथ, जो भगवद्गीता के विपरीत सिद्धान्त अपनाता है, का पहला अध्याय है झूठ,असत्य और कुत्सित, जिसकी बुनियाद पर आज सारी राजनीति का महल बना है।

ये पाकिस्तान की ड्रामेबाजी है और कुछ नहीं!

हैंडशेक विवाद पर पूर्व अंपायर अनिल चौधरी ने पाकिस्तान को लगाई तलाड़

एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले में हैंडशेक विवाद की चर्चा थमने का नाम ले रही है। पाकिस्तान ने इस पूरे मामले में आईसीसी से भी शिकायत की, लेकिन उसके कोई फायदा नहीं हुआ। वहीं अब पूर्व इंटरनेशनल अंपायर अनिल चौधरी ने इस मुद्दे पर अपनी बात रखते हुए पाकिस्तान को लताड़ा है। अनिल चौधर का मानना है कि हाथ नहीं मिलाने वाली बात पूरी तरह से गैर जरूरी है। पाकिस्तानी टीम भारत से हारने के बाद सबका ध्यान भटकाने के लिए इस विवाद को बढ़ा रही है और कुछ नहीं।

अनिल चौधर ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मेरा मानना है कि मैच हारने के बाद यह ध्यान भटकाने का एक हिस्सा था। नहीं तो, किसी भी कानून की किताब में या ICC की किसी भी खेल नियम में ऐसा कुछ भी लिखित में नहीं है।' उन्होंने आगे कहा, 'जिस हैंडशेक विवाद की आप बात कर रहे हैं वह लगभग 15-20 साल पहले शुरू हुआ था। पहले कप्तान ही हाथ मिलाते थे। मुझे लगता है कि यह सब बेवजह पैदा किया गया है और इसकी कोई जरूरत नहीं है।'

पाकिस्तान ने की थी मैच रेफरी को हटाने की मांग

भारत के खिलाफ हैंडशेक विवाद के बाद पाकिस्तान ने इस पूरी घटना के लिए मैच रेफरी एंडी पाइक्राफ्ट को जिम्मेदार बताते हुए उन्हें टूर्नामेंट से हटाने की मांग की। इसे लेकर पीसीबी ने आईसीसी से बात की, लेकिन उसकी मांग को खारीज कर दिया गया।

आईसीसी के पास शिकायत के साथ पाकिस्तान ने ये धमकी दी थी कि अगर एंडी पाइक्राफ्ट को नहीं हटाया जाता है तो यूएई के खिलाफ मुकाबले में नहीं खेलेगी। एंडी पाइक्राफ्ट पर अपनी बात रखते हुए अनिल चौधरी ने कहा, 'यह सब गैर-जरूरी चीजें हैं। वह आईसीसी के एलीट पैनल के एक अनुभवी और पुराने रेफरी हैं। वह जिम्बाब्वे के एक बहुत जाने-माने खिलाड़ी रहे हैं और उनका ट्रैक रिकॉर्ड बहुत अच्छा है।'

पाकिस्तान पर लगेगा बैन या रोक दिया जाएगा फंड

नियमों की धज्जियां उड़ाने पर आईसीसी कैसे करेगा न्याय?

पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने इज्जत बचाने के लिए जिस विवाद को शुरू किया था, अब वह उसके गले का फांस बन गया है। पीसीबी दुनिया को दिखाना चाहती थी कि मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट ने माफी मांगी है। इसके बाद ही वह एशिया कप में खेल रहा है। लेकिन अब उसी माफी के वीडियो की वजह से पाकिस्तान फंस गया है। आईसीसी ने पीसीबी को मेल भेजकर खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के एरिया में नियमों का उल्लंघन करने पर सवाल पूछे हैं।

पाकिस्तान ने नियम की धज्जियां उड़ा दी

पाकिस्तान टीम का मीडिया मैनेजर मैच रेफरी के रूम में मोबाइल फोन लेकर पहुंच गया। फिर उसने रेफरी के साथ पाकिस्तानी टीम के कप्तान, कोच और मैनेजर की बातचीज रिकॉर्ड की। इसके बाद इस वीडियो को म्यूट करके सोशल मीडिया पर शेयर किया। पायक्रॉफ्ट और आईसीसी किसी भी गलतफहमी को दूर करने के लिए मीटिंग रखी थी लेकिन पाकिस्तान ने गलत दावा करते हुए खबर फैसला कि मैच रेफरी ने माफी मांगी है।

पाकिस्तान पर एक्शन ले सकती है आईसीसी

पाकिस्तान पर एक्शन लेगी आईसीसी

आईसीसी के सीईओ संयोग गुप्ता ने पीसीबी को मेल भेजा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को इस गलती के लिए आईसीसी से सजा भी मिल सकती है। अब सजा क्या होगी, इसका फैसला आईसीसी की तरफ से किया जाएगा। हालांकि इससे एशिया कप में पाकिस्तान को खेलने से शायद नहीं रोका जाए, क्योंकि इससे टूर्नामेंट बाधित होगा। एशिया कप के सुपर4 राउंड की शुरुआत 20 सितंबर से होनी है। पाकिस्तान 21 को भारत के खिलाफ खेलेगा।

पाकिस्तान के इंटरनेशनल क्रिकेट में खेलने पर कुछ समय के लिए बैन लगाया जा सकता है। सबसे ज्यादा खतरा आर्थिक नुकसान का है। इस गलती की वजह से आईसीसी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का फंड रोक या काट सकती है। पीसीबी के कुल बजट का 50 प्रतिशत हिस्सा आईसीसी से आता है। वहां कटौती हुई तो पाकिस्तान नुकसान को झेल नहीं पाएगा। पाकिस्तान के पास अगले कुछ सालों में आईसीसी इवेंट की मेजबानी नहीं है। मेजबानी होने पर वो भी छीन सकती थी।

आज पाकिस्तान की कर रहा जमकर कुटाई, 18 साल पहले युवराज सिंह का फैन ऐसे बना अभिषेक शर्मा

भारतीय क्रिकेट के युवा खिलाड़ी अभिषेक शर्मा ने अपने आदर्श और गुरु युवराज सिंह के 2007 के टी20 वर्ल्ड कप में लगाए गए 6 छक्कों को याद करते हुए एक भावुक बयान दिया है। अभिषेक ने कहा कि 'युवराज सिंह मेरी प्रेरणा हैं। युवराज पा (भैया) ने जब एक ओवर में 6 छक्के मारकर भारत को वर्ल्ड कप जिताया था, उसी पल से मैं उनसे प्रेरित हुआ था।'

अभिषेक शर्मा ने याद किए युवी के 6 गेंदों पर 6 छक्के

यह बात जगजाहिर है कि अभिषेक शर्मा को युवराज सिंह ने ही ट्रेनिंग दी है और उनके करियर में युवराज का अहम योगदान रहा है। अभिषेक का यह बयान उस ऐतिहासिक पल की याद दिलाता है जब 2007 में डरबन में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप में युवराज ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में 6 गेंदों पर 6 छक्के जड़कर इतिहास रच दिया था।

भारत के लिए वह मैच जीतना बहुत जरूरी था क्योंकि टीम न्यूजीलैंड से हार चुकी थी। मैच के दौरान युवराज की इंग्लैंड के एंड्रयू फ्लिंटॉफ से बहस हुई, जिसके बाद युवराज ने अपने गुस्से को बल्ले की ताकत में बदल दिया।

उन्होंने न सिर्फ 6 छक्के लगाए बल्कि सिर्फ 12 गेंदों में सबसे तेज टी20I अर्धशतक भी पूरा किया, जो रिकॉर्ड 16 साल तक कायम रहा। युवराज की इस तूफानी पारी ने भारत का स्कोर 200 के पार पहुंचाया और टीम ने 18 रनों से मैच जीत लिया। यह पारी केवल एक रिकॉर्ड नहीं थी, बल्कि यह युवराज के जुझारूपन और बड़े मंच पर प्रदर्शन करने की क्षमता का भी प्रमाण थी।

अभिषेक शर्मा का लाइफ में युवराज सिंह का रोल काफी अहम

अभिषेक शर्मा का यह बयान बताता है कि कैसे एक पीढ़ी के हीरो दूसरी पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनते हैं। युवराज सिंह ने कैंसर से अपनी लड़ाई और फिर मैदान पर वापसी से भी कई लोगों को प्रेरित किया है और अभिषेक जैसे युवा खिलाड़ी उनके नक्शेकदम पर चलकर सफलता हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

सचिन यादव के प्रदर्शन से गदगद हुए नीरज चोपड़ा तारीफों के बांधे पुल, अपने खेल पर भी की बात

भारतीय जैवलिन के उभरते हुए खिलाड़ी सचिन यादव ने गुरुवार को 86.27 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में चौथे स्थान पर रहकर समापन किया। उन्होंने चार बार 85 मीटर से ज्यादा की दूरी तय की और खेल जगत की दुनिया में एक नई पहचान स्थापित की। उनके इस प्रदर्शन से नीरज चोपड़ा भी काफी प्रभावित हुए।

नीरज ने की सचिन की तारीफ

नीरज ने शुक्रवार को सचिन की तारीफों के पुल बांधे और विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेताओं को बधाई दी। इस दौरान ओलंपिक पदक विजेता नीरज ने अपने प्रदर्शन पर भी बात की। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'मैंने टोक्यो में विश्व चैंपियनशिप के साथ सत्र का इस तरह से अंत करने की उम्मीद नहीं की थी। मैं सभी चुनौतियों के बावजूद भारत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता था, लेकिन वह मेरा दिन नहीं था। मैं सचिन के लिए बहुत खुश हूं, जिन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और वह लगभग पदक जीत ही गए थे।'

पीठ की चोट से जूझ रहे थे नीरज

पिछली बार के चैंपियन चोपड़ा गुरुवार को टोक्यो में 84.03 मीटर ही भाला फेंक सके और पांचवें दौर के बाद बाहर हो गए। इस दौरान वह पीठ दर्द से परेशान रहे। उन्होंने बाद में खुलासा किया कि पीठ की समस्या इस महीने की शुरुआत से ही उन्हें परेशान कर रही थी, लेकिन वह इसे अपने खराब प्रदर्शन का कारण नहीं बताना चाहते थे।

नीरज ने जताई दमदार वापसी की उम्मीद

स्वर्ण पदक त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वाल्कोट (88.16 मीटर) को मिला। उनके बाद ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (87.38 मीटर) और अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन (86.67 मीटर) का स्थान रहा। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 27 वर्षीय चोपड़ा ने अधिक मजबूती हासिल करके दमदार वापसी करने का वादा किया। उन्होंने कहा, 'आप सभी के समर्थन के लिए आभारी हूं। इससे मुझे दमदार वापसी करने की प्रेरणा मिलती है।'

महामुकाबला 21 सितंबर को, हाथ न मिलाना... धमकी... मैच में देरी, मैच से पहले का पूरा विवाद

भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 के मैच के बाद शुरू हुआ हैंडशेक विवाद क्रिकेट से ज्यादा कूटनीतिक मुद्दा बन गया। जहां एक तरफ टीम इंडिया ने पाकिस्तान से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान ने मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट पर सवाल उठाए और उन्हें हटाने तक की मांग कर डाली। मामला इतना बढ़ा कि पाकिस्तान ने यूएई के खिलाफ अपने अगले मैच से हटने की धमकी दे दी। हालांकि, बाद में माफी और बातचीत के बाद मैच खेला गया।

अब 21 सितंबर को फिर से भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला होना है। पिछले कुछ दिनों में जो हुआ है, उसने अगले मुकाबले की दिलचस्पी बढ़ा दी है। हैंडशेक से शुरू हुआ मामला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद तक पहुंच गया, माफी तक आया और अब पीसीबी के खिलाफ कार्रवाई की संभावना बन गई है। आने वाले दिनों में आईसीसी की अंतिम रिपोर्ट और निर्णय से साफ होगा कि यह विवाद यहीं खत्म होगा या कोई और नया मोड़ लेगा।

रविवार, 14 सितंबर: भारत ने पाकिस्तान से हाथ मिलाने से किया इनकार

दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए हाई-वोल्टेज मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को हराने के बाद हाथ मिलाने की परंपरा को तोड़ दिया। कप्तान सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में पूरी टीम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने और पोस्ट-मैच फोटो सेशन में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया।

सोमवार, 15 सितंबर: मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट पर पीसीबी के आरोप

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी को लिखित शिकायत भेजी, जिसमें आरोप लगाया गया कि मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट ने प्रोटोकॉल तोड़ा। रिपोर्ट्स के मुताबिक पायक्रॉफ्ट ने टॉस से पहले पाक कप्तान सलमान अली आगा को सूचित किया था कि भारतीय टीम मैच के बाद हैंडशेक नहीं करेगी।

मंगलवार, 16 सितंबर: आईसीसी ने खारिज की पाकिस्तान की मांग

आईसीसी ने पाकिस्तान की शिकायत को गंभीरता से जांचने के बाद यह कहते हुए खारिज कर दिया कि पायक्रॉफ्ट ने कोई आचार संहिता का उल्लंघन नहीं किया। इस फैसले से नाराज पीसीबी ने धमकी दी कि अगर पायक्रॉफ्ट को हटाया नहीं गया तो पाकिस्तान टीम यूएई के खिलाफ मैच नहीं खेलेगी।

बुधवार, 17 सितंबर: मैच में देरी, पायक्रॉफ्ट ने जताया खेद

आईसीसी से पहली मांग खारिज होने के बाद यूएई से मैच वाले दिन पाकिस्तान ने आईसीसी को एक और पत्र लिखा और मांग को दोहराया। हालांकि, आईसीसी ने फिर से इस मांग को खारिज कर दिया और कहा कि पायक्रॉफ्ट ने कोई गलती नहीं की।

गुरुवार, 18 सितंबर: पीसीबी खुद फंस सकता है मुश्किल में

आईसीसी के सूत्रों के हवाले से खबर आई कि पाकिस्तान ने पायक्रॉफ्ट और खिलाड़ियों की बातचीत का वीडियो रिकॉर्ड किया, जो आईसीसी के नियमों का उल्लंघन है। अब आईसीसी इस मामले में पीसीबी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकता है। इससे पाकिस्तान पर जुर्माना या अन्य सजा से गुजरना पड़ सकता है।

आगे की राह: क्या होगी अंतिम कार्रवाई?

विवाद अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। आईसीसी ने संकेत दिए हैं कि इस पूरे प्रकरण की समीक्षा की जाएगी। संभव है कि पाकिस्तान पर अनुशासनात्मक कार्रवाई हो, लेकिन पायक्रॉफ्ट के खिलाफ किसी बड़े कदम की संभावना कम लग रही है, क्योंकि आईसीसी का साफ कहना है कि पायक्रॉफ्ट निर्दोष हैं और उन्होंने एसीसी से मिले निर्देशों का पालन किया और अपनी सूझबूझ से जितना हो सकता था किया। भारत ने इस पूरे विवाद पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है और अपने स्टैंड पर कायम है। इतना ही नहीं, भारत ने यह भी साफ कर दिया है कि अगर उनकी टीम चैंपियन बनती है तो खिलाड़ी एसीसी अध्यक्ष नकवी के हाथों से ट्रॉफी नहीं लेंगे।

9.3 ओवर में गेंदबाज के नाम शर्मनाक शतक का रिकॉर्ड, फिर भी अगले मैच में ले सकता है हैट्रिक!

ऑस्ट्रेलिया में जारी घरेलू वनडे कप में विक्टोरिया के गेंदबाज मिचेल पैरी के नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। ऑस्ट्रेलिया घरेलू क्रिकेट के वनडे फॉर्मेट में पैरी दूसरे सबसे महंगा स्पेल डालने वाले गेंदबाज बने हैं। तस्मानिया के खिलाफ मैच में मिचेल पैरी ने 9.3 ओवर में 101 रन खर्च किए। हालांकि, उन्होंने 4 विकेट भी अपने नाम किए। ऑस्ट्रेलिया के वनडे कप के इतिहास में सबसे महंगे बॉलिंग स्पेल का रिकॉर्ड भी विक्टोरिया के गेंदबाज के नाम ही है। विक्टोरिया की तरफ से खेलने वाले विल सदरलैंड ने अपने 10 ओवर के स्पेल में 102 रन लुटाए थे। इस तरह मिचेल पैरी उनके रिकॉर्ड को तोड़ने से सिर्फ 2 रन पीछे रह गए। हालांकि, पैरी के लिए अच्छी बात ये रही कि वह अगले मैच में विक्टोरिया के लिए अपना हैट्रिक पूरा कर सकते हैं। क्योंकि उन्होंने तस्मानिया के अंत दो बल्लेबाज को बैक टू बैक आउट किया है।

वहीं इस मुकाबले की बात करें तो तस्मानिया की टीम ने विक्टोरिया को 109 रन से करारी मात दी। मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी तस्मानिया ने मैथ्यू वेड की शतकीय पारी की मदद से 49.3 ओवर क खेल में 381 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। वेड के अलावा विक्टोरिया की तरफ से मिचेल ओवेन और निखिल चौधरी ने भी दमदार अर्धशतकीय पारी खेली। इस स्कोर के जवाब में विक्टोरिया की हालत खराब रही। लक्ष्य का पीछा करने उतरी विक्टोरिया की टीम ने 50 रन के भीतर अपने 2 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद भी विकेट गिरने का सिलसिला जारी रहा। विक्टोरिया की तरफ से सैम हार्पर ने सबसे ज्यादा 51 गेंद में 88 रनों की पारी खेली। इसके अलावा पीटर हैंड्सकॉम्ब ने 54 गेंद में 61 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। इन दोनों के अलावा और कोई भी बल्लेबाज अपना कमाल नहीं दिखा सके।

मैच के दौरान इस श्रीलंकाई स्टार पर टूटा दुखों का पहाड़, कोच जयसूर्या ने दी पिता के निधन की खबर

एशिया कप 2025 के ग्रुप-बी मुकाबले में गुरुवार को अफगानिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करने के बावजूद श्रीलंका टीम का माहौल गमगीन हो गया। टीम के युवा ऑलराउंडर दुनिथ वेलालगे के पिता सुरंगा वेलालगे का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। यह घटना तब हुई जब दुनिथ गुरुवार को अफगानिस्तान के खिलाफ मैदान पर थे और टीम के लिए खेल रहे थे। मैच खत्म होने के बाद कोच सनथ जयसूर्या ने उन्हें मैदान पर ही यह दुखद खबर दी। इसका वीडियो भी सामने आया है।

मैच के बाद जयसूर्या ने दी खबर

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि श्रीलंका के कोच और पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सनथ जयसूर्या वेलालगे के पास आते हैं, उनके कंधे पर हाथ रखकर धीरे-धीरे उन्हें सांत्वना देते हैं और पिता के निधन की सूचना देते हैं। उस दौरान दुनिथ भावुक नजर आए। दुनिथ के पिता सुरंगा वेलालगे भी क्रिकेटर रहे थे। उन्होंने प्रिंस ऑफ वेल्स कॉलेज की कप्तानी की थी। हालांकि उन्हें कभी श्रीलंका की राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का मौका नहीं मिला।

रसेल अर्नाल्ड का बयान

मैच के दौरान कमेंट्री कर रहे पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर रसेल अर्नाल्ड ने लाइव कहा, 'दुनिथ वेलालगे के पिता, सुरंगा का अभी-अभी निधन हो गया। वे खुद भी क्रिकेटर थे और प्रिंस ऑफ वेल्स कॉलेज की टीम के कप्तान रहे थे। जब मैं सेंट पीटर कॉलेज से खेलता था, तब वे कप्तान थे। यह बेहद दुखद है। खबर अभी-अभी दुनिथ को दी गई है। हमारी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। टीम का ड्रेसिंग रूम एक परिवार जैसा है। उम्मीद है कि यह घटना टीम को और मजबूत बनाएगी और सुपर-4 में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।'

मैच में वेलालगे का प्रदर्शन

अफगानिस्तान के खिलाफ इस मुकाबले में दुनिथ का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने चार ओवर में 49 रन दिए और सिर्फ एक विकेट हासिल कर पाए। उन्हें एक ओवर में मोहम्मद नबी ने पांच छक्के जड़ दिए। नबी ने 22 गेंदों में 60 रनों की आतिशी पारी खेली।

हालांकि, अफगानिस्तान की जोरदार कोशिश के बावजूद टीम मैच नहीं बचा सकी। श्रीलंका ने मैच जीत लिया और सुपर-4 में जगह बनाई।

अफगानिस्तान ने 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 169 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ने 18.4 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। कुसल मेंडिस ने 52 गेंद में 74 रन की नाबाद पारी खेली।

ओमान के खिलाफ मैदान पर उतरते ही भारत रचेगा इतिहास

टी20 इंटरनेशनल में 250वां मैच खेलेगी इंडिया

एशिया कप 2025 का 12वां मैच भारत और ओमान के बीच खेला जाएगा। इस मैच में ओमान के खिलाफ मैदान पर उतरते ही टीम इंडिया के नाम एक बड़ा रिकॉर्ड दर्ज हो जाएगा।

दरअसल भारतीय टीम टी20 इंटरनेशनल में अपना 250वां मैच खेलेगी। टी20 इतिहास में इस आंकड़े को अब तक सिर्फ पाकिस्तानी टीम ही छू सकी है।

भारतीय टीम ने अब तक 249 टी20 मुकाबले खेले हैं, जिसमें उसे 166 मैचों में जीत मिली, जबकि 71 मुकाबलों में हार का सामना किया। इस दौरान 6 मुकाबले टाई रहे। इतने ही मैच बेनतीजा भी रहे।

वहीं पाकिस्तान की बात करें तो साल 2006 से अब तक कुल 275 टी20 मैच खेले हैं। इस दौरान पाकिस्तान ने 157 मुकाबलों को अपने नाम किया, जबकि 107 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा। इस टीम के 4 मुकाबले टाई, जबकि 7 मैच बेनतीजा रहे।

इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड की टीम मौजूद है, जिसने अब तक 235 टी20 मैच खेले हैं, जबकि वेस्टइंडीज की टीम 228 मुकाबलों के साथ चौथे नंबर पर है। श्रीलंका 212 मुकाबलों के साथ पांचवें पायदान पर मौजूद है।

टीम इंडिया ने यूएई के खिलाफ अपने पहले मैच को 9 विकेट से जीता, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में 7 विकेट से जीत दर्ज की।

टीम इंडिया फिलहाल ग्रुप-ए की प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर मौजूद है। इस ग्रुप से भारत के अलावा, पाकिस्तान की टीम सुपर-4 में प्रवेश कर चुकी है। ऐसे में दोनों देशों के बीच 21 सितंबर को एक बार फिर हाई-वोल्टेज मैच खेला जाना है।

रूस के कामचटका में 7.8 तीव्रता का भूकंप

सुनामी का अलर्ट जारी, बीते 3 महीनों में 7 तीव्रता से ज्यादा के 4 भूकंप आए

मॉस्को, 19 सितंबर (एजेंसियां)। रूस के कामचटका के पूर्वी तट पर शुक्रवार सुबह 7.8 तीव्रता का जोरदार भूकंप आया। इसके बाद 5 आफ्टरशॉक महसूस किए गए, जिनकी तीव्रता 5.8 मापी गई। इसके बाद सुनानी की चेतावनी जारी की गई। तट पर 30 से 62 सेंटीमीटर ऊंची लहरें देखी गईं।

कामचटका के गवर्नर व्लादिमीर सोलोदोव ने बताया कि सभी आपातकालीन सेवाएं हाई अलर्ट पर हैं, लेकिन अभी तक किसी नुकसान की खबर नहीं है। इस क्षेत्र में आज आए भूकंप समेत 4 बड़े भूकंप 7.0 या उससे अधिक तीव्रता के दर्ज किए गए हैं।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए भूकंप के वीडियो में घरों में फर्नीचर और लाइटें हिलती हुई दिखाई दीं। झटके इतने तेज थे कि सड़कों पर खड़ी गाड़ियां भी हिलती नजर आईं।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप रूसी शहर पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से 128 किलोमीटर दूर, जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। रूस की स्टेट

जियोफिजिकल सर्विस ने बताया कि बाद में तीव्रता घटकर 7.4 हो गई।

कुरिल द्वीप में भी सुनामी की चेतावनी जारी

गवर्नर ने टेलीग्राम पर कहा- आज (19 सितंबर) की सुबह एक बार फिर कामचटका के लोगों के धैर्य की परीक्षा ले रही है। फिलहाल किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। मैं सभी से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं। कामचटका के पूर्वी तट के लिए सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है। जनता को सतर्क किया जा रहा है।

भूकंप के बाद सामाजिक संस्थानों और रिहायशी इमारतों में नुकसान की जांच शुरू कर दी गई है। कुरिल द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में भी सुनामी की चेतावनी जारी की गई।

अमेरिका की नेशनल वेदर सर्विस और पैसिफिक सुनामी चेतावनी केंद्र ने अलास्का के कुछ हिस्सों के लिए सुनामी की सलाह जारी की थी, जिसे बाद में हटा लिया गया। कामचटका एक अत्यधिक भूकंपीय क्षेत्र है। पिछले एक हफ्ते में यहां 7 से अधिक तीव्रता के कम से कम दो भूकंप आ चुके हैं।

इस साल 1200 से ज्यादा भूकंप दर्ज हुए

रूस का कामचटका इलाका, जो प्रशांत महासागर में 'रिंग ऑफ फायर' का हिस्सा है, इस साल भूकंपीय गतिविधियों का केंद्र रहा। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) के आंकड़ों के अनुसार, इस साल यहां कुल 1,200 से अधिक भूकंप दर्ज किए गए हैं।

इनमें से अधिकांश छोटे (मैग्नीट्यूड 2.0 से 4.0 के बीच) थे, लेकिन 4.0 या इससे ऊपर के 150 से ज्यादा भूकंप आए। इस क्षेत्र में 4 बड़े भूकंप 7.0 या उससे ज्यादा तीव्रता के दर्ज किए गए हैं।

साल 2025 का सबसे विनाशकारी भूकंप 30 जुलाई को रूस के कामचटका में आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 8.8 मापी गई। यह पिछले 10 वर्षों का सबसे बड़ा झटका था। इसने कई देशों को प्रभावित किया।

अमेरिका ने बीएलए पर बैन के प्रस्ताव को वीटो किया

यूएन में पाकिस्तान-चीन का प्रस्ताव रोका, पिछले महीने यूएस ने ही आतंकी संगठन घोषित किया था

न्यूयॉर्क, 19 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और उसकी आत्मघाती यूनिट मजीद ब्रिगेड पर बैन के प्रस्ताव पर रोक लगा दी है।

इस प्रस्ताव को पाकिस्तान और चीन ने मिलकर सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक में रखा था। दोनों देशों ने बीएलए को प्रतिबंधित संगठन घोषित करने की मांग की थी।

यूएनएससी की बैठक में पाकिस्तान ने दावा किया कि बीएलए, मजीद ब्रिगेड, अल-कायदा और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान जैसे आतंकी संगठन अफगानिस्तान की जमीन से काम कर रहे हैं और सीमा पार हमले कर रहे हैं।

उसने आरोप लगाया है कि अफगानिस्तान से फैल रहा आतंकवाद पाकिस्तान की सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौती है।

अमेरिका के साथ ब्रिटेन और फ्रांस ने भी इस प्रस्ताव का विरोध किया है। इससे पहले अमेरिका ने ही पिछले महीने बीएलए और मजीद ब्रिगेड को विदेशी आतंकी संगठन (एफटीओ) घोषित

किया था।

यूएस बोला- बीएलए के खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं

अमेरिका ने कहा है कि बीएलए को अल-कायदा से जोड़ने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं। इस वजह से इसे संयुक्त राष्ट्र की 1267 प्रतिबंध सूची में नहीं डाला जा सकता। इस सूची में आने पर किसी भी संगठन पर यात्रा प्रतिबंध, संपत्ति फ्रीज और हथियार खरीदने पर रोक लग जाती है।

पिछले महीने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा था कि बीएलए ने 2024 में कराची एयरपोर्ट के पास और ग्वादर पोर्ट अथॉरिटी कॉम्प्लेक्स में आत्मघाती हमलों की जिम्मेदारी ली थी।

मार्च 2025 में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को हाईजैक करने की भी जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 31 नागरिक और सुरक्षाकर्मी मारे गए थे। 300 से अधिक यात्रियों को बंधक बनाया गया था।

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी क्या है

बलूचिस्तान में कई लोगों का मानना है कि भारत-पाकिस्तान बंटवारे के बाद वे एक आजाद देश के तौर पर रहना चाहते थे। लेकिन बिना उनकी मर्जी से उन्हें पाकिस्तान में शामिल कर दिया गया था। ऐसा नहीं हुआ इस वजह से बलूचिस्तान में सेना और लोगों का संघर्ष आज भी जारी है।

बीबीसी के मुताबिक बलूचिस्तान में आजादी की मांग करने वाले कई संगठन हैं मगर बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) सबसे ताकतवर संगठन है। ये संगठन 70 के दशक में अस्तित्व में आया लेकिन 21वीं सदी में इसका प्रभाव बढ़ा है।

बीएलए बलूचिस्तान को पाकिस्तानी सरकार और चीन से मुक्ति दिलाना चाहता है। उनका मानना है कि बलूचिस्तान के संसाधनों पर उनका हक है। पाकिस्तान सरकार ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को 2007 में आतंकी संगठनों की सूची में शामिल किया था।

नेपाली पीएम बोलीं- हम जीरो स्टेट की स्थिति में

न इमारतें बची और न ही डॉक्यूमेंट्स, जेन-जेड आंदोलन की आग में सब राख

काठमांडू, 19 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल की राजधानी काठमांडू के सिंह दरबार में 9 सितंबर को हुई भयानक आगजनी ने देश के सरकारी ढांचे को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया।

स्थिति इतनी गंभीर है कि नेपाल की नई अंतरिम पीएम सुशीला कार्की ने शपथ लेते ही कहा, हम शून्य स्थिति (जीरो स्टेट) में हैं। उनके पास कैबिनेट है, लेकिन मंत्रालयों के पास न तो इमारतें बची हैं और न ही जरूरी कागजात। सिंह दरबार परिसर, जो कभी भव्य महल और 20 से ज्यादा मंत्रालयों का केंद्र था, अब मलबे का ढेर बन चुका है। आग की लपटों ने संसद, भ्रष्टाचार विरोधी विशेष अदालत, और कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों को नष्ट कर दिया। सरकारी दस्तावेज, जन्म प्रमाण पत्र, कंपनी रजिस्ट्रेशन, और अंतरराष्ट्रीय समझौतों के मूल कागजात जलकर राख हो गए। अकेले सुप्रीम कोर्ट की 60 हजार से ज्यादा फाइलें राख हो गईं।

संसद, राष्ट्रपति भवन से लेकर सुप्रीम कोर्ट, भ्रष्टाचार विरोधी अदालत और स्थानीय सरकारों की 300 से अधिक इमारतें भी आग की भेंट चढ़ गईं। पीएम कार्की ने कहा 'देश चलाने वाली सभी संस्थाएं और दस्तावेज नष्ट हो गए हैं। हम शून्य स्थिति में हैं। लेकिन हम फिर से खड़े होंगे।'

जिन आम लोगों के दस्तावेज जल गए वे भी निराश हैं। काठमांडू के राजेंद्र श्रेष्ठ ने अपनी जली बाइक को पहचानते हुए कहा, 'यह मेरी है, लेकिन पूरी तरह बर्बाद।' एक अन्य नागरिक ने कहा कि उसका जन्म प्रमाण पत्र और जमीन का रजिस्ट्री जल जाने के बाद अब उसके पास पहचान साबित करने तक का साधन नहीं बचा। काठमांडू घाटी में 112 पुलिस स्टेशन पूरी तरह तबाह हो गए। इस विनाश से सबसे ज्यादा दिक्कत आम जनता को हो रही है उनका जीवन और कठिन हो गया है।

भारत में सरकार और सेना पर हिंदूवादी हावी

इस्लामाबाद, 19 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी आर्मी में कट्टरपंथियों के हस्तक्षेप की बात कई मौकों पर सामने आती रही है। सैन्य तानाशाह जनरल जियाउल हक को पाकिस्तान को कट्टरपंथ के रास्ते पर धकेलने वाले शासक के तौर पर याद किया जाता है। मौजूदा आर्मी चीफ असीम मुनीर अक्सर अपने भाषणों में धर्म का जिक्र करते हैं। मुनीर टू-नेशन थ्योरी की बात मंचों से कह चुके हैं। पाकिस्तानी आर्मी खुद जिस धार्मिक कट्टरता से घिरी है, उसी का आरोप उसने भारत की सरकार और सेना पर लगाया है। पाक आर्मी की ओर से कहा गया है कि भारत में हिंदुत्ववादी विचारधारा पूरी तरह हावी है। साथ अमेरिका से भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव को रोकने के लिए कदम उठाने की अपील भी मुनीर के अफसर की ओर से की गई है।

पाकिस्तानी आर्मी के मीडिया विंग के डीजी जनरल अहमद शरीफ चौधरी का कहना है कि भारत में सेना सहित तमाम सरकारी संस्थाएं चरमपंथी राजनीतिक विचारधारा से प्रभावित हैं। एक जर्मन न्यूज आउटलेट को दिए साक्षात्कार में चौधरी ने कहा कि भारत में चरमपंथ पूरी तरह हावी हो चुका है। भारत की सरकार और दूसरी संस्थाओं के साथ-साथ सेना भी हिंदूवादी विचारधारा से घिरी है।

पाक सैन्य अफसर ने भारत से विवाद पर कहा कि मई में केवल युद्धविराम हुआ है। पाकिस्तान और भारत के बीच संघर्ष आज भी जारी है। इसकी वजह कश्मीर मुद्दा, पाकिस्तान में भारत की ओर से आतंकवाद को फंडिग और दिल्ली की हिंदुत्ववादी मानसिकता से बढ़ता उग्रवाद है। ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए यह जरूरी है कि वह अपनी मध्यस्थता के जरिए भारत को यह एहसास दिलाए कि अहंकारी रवैया नहीं चल सकता है।

फ्रांस प्रोटेस्ट- बजट कटौती के खिलाफ 5 लाख लोग जुटे

स्कूली बच्चों ने हाईवे ब्लॉक किए, पत्थरबाजी हुई, 80 हजार पुलिसकर्मी तैनात, 141 गिरफ्तार

पेरिस, 19 सितंबर (एजेंसियां)। फ्रांस में बजट कटौती को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ट्रेड यूनियनों ने गुरुवार को हड़ताल की अपील की थी, जिसमें लाखों लोग शामिल हुए। पेरिस, लियोन, नांतेस, मार्सिले, बोर्डो, टूलूज और कैएन जैसे शहरों में सड़कें जाम हो गईं।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इन प्रदर्शनों में 5 लाख से ज्यादा लोग सड़कों पर उतरे, जबकि यूनियनों ने संख्या 10 लाख बताई है। सुरक्षा के मद्देनजर देश भर में 80,000 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं और 141 से ज्यादा गिरफ्तारियां हुईं हैं।

कुछ जगहों पर पत्थरबाजी और आंसू गैस का इस्तेमाल हुआ, लेकिन ज्यादातर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे। कई जगह स्कूली बच्चों ने भी हाईवे ब्लॉक किए।

फ्रांस की सरकार ने 2026 के बजट में करीब 52 अरब डॉलर की कटौती का प्लान बनाया है। इसमें पेंशन फ्रीज करना, स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च कम करना, बेरोजगारी भत्ता घटना और दो राष्ट्रीय छुट्टियां हटाना शामिल है।

सरकार का कहना है कि देश का घाटा यूरोपीय यूनियन के 3% मानक से दोगुना है, और कर्ज जीडीपी का 114% हो गया है। लेकिन लोग इसे अमीरों के लिए राहत और गरीबों पर बोझ मानते हैं। यूनियनों का कहना है कि अमीरों पर टैक्स बढ़ाओ। महंगाई से पहले ही जिंदगी मुश्किल हो गई। राष्ट्रपति मैक्रों की नीतियां: जनता के एक बड़े वर्ग को लगता है कि मैक्रों की नीतियां आम लोगों के हितों के खिलाफ हैं और अमीर वर्ग को फायदा पहुंचाती हैं।

बजट में कटौती: सरकार ने खर्चों में कटौती और कल्याणकारी योजनाओं में कमी कर आर्थिक सुधार लागू किए हैं। इससे आम जनता खासकर मध्यमवर्ग और श्रमिक वर्ग पर दबाव बढ़ा।

2 साल में 5 पीएम: हाल ही में सेबास्टियन लेकोर्नू को प्रधानमंत्री बनाया गया है। यह दो साल से भी कम समय में पांचवें प्रधानमंत्री हैं। इससे लोगों में अस्थिरता और असंतोष बढ़ गया है। प्रदर्शनकारी चाहते हैं कि उनकी नियुक्ति की शुरुआत से ही सरकार पर दबाव बनाया जाए। ब्लॉक एवरीथिंग आंदोलन: वामपंथी गठबंधन और जमीनी संगठनों ने इस नारे के साथ आंदोलन शुरू किया है ताकि देश में सबकुछ ठप करके सरकार को झुकने पर मजबूर किया जा सके।

सादिक खान दुनिया के सबसे खराब मेयर

पाकिस्तानी मूल के ब्रिटिश नेता पर भड़के ट्रंप, साथ डिनर करने से किया इनकार

वॉशिंगटन, 19 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लंदन के मेयर सादिक खान पर जमकर गुस्सा निकाला है। ब्रिटेन के अपने दौरे के दौरान ट्रंप ने पाकिस्तानी मूल के सादिक खान को दुनिया का सबसे खराब मेयर करार दिया। उन्होंने कहा कि मैंने सादिक के साथ खाना खाने से साफ इनकार कर दिया। ट्रंप और सादिक के बीच तनातनी पुरानी है। ट्रंप के नए बयान ने लंबे समय से चले आ रहे विवाद को फिर से हवा दे दी है।

गुरुवार को एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ही यूके में रॉयल भोज में लंदन के मेयर में सादिक खान को शामिल होने से रोका। ट्रंप ने कहा कि मैं नहीं चाहता कि डिनर टेबल पर हों। मुझे लगता है कि लंदन मेयर खान दुनिया के सबसे खराब मेयरों में से एक है। उन्होंने बहुत खराब काम किया है। अपराध पर काबू और इमिग्रेशन के मुद्दे पर सादिक बुरी तरह फेल हुए हैं। ट्रंप ने कहा कि लंदन मेयर ने उनके कार्यक्रम में शामिल होने में रुचि दिखाई थी। मेरी ओर से ही खान से कार्यक्रम में शामिल ना होने के लिए कहा गया। 16 से 18 सितंबर तक 2 दिवसीय यूके के दौरे के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति की लंदन के मेयर सादिक खान के प्रति कड़वाहट सामने आई। ट्रंप ने साफ कहा कि वह खान को भोज में नहीं देखना चाहते थे।

अमेरिकी नेता डोनाल्ड ट्रंप और यूके की लेबर पार्टी के नेता सादिक खान के बीच विवाद एक दशक पुराना है। साल 2015 में खान ने ट्रंप के इस सुझाव की कड़ी निंदा की थी कि मुसलमानों के अमेरिका आने पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए।

ट्रम्प बोले- मैं भारत और पीएम मोदी के बहुत करीब

रूस से तेल खरीदने के कारण उन पर बैन लगाना पड़ा

लंदन, 19 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच फिर से ट्रेड डील पर बातचीत की संभावनाओं के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को कहा कि वह भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बहुत करीब हैं। इसके बावजूद उन्हें भारत पर प्रतिबंध लगाना पड़ा।

ट्रम्प ने यह बयान लंदन में ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया। उनसे पूछा गया कि क्या रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर बैन लगाकर व्लादिमीर पुतिन पर दबाव बनाने का समय आ गया है।

इस पर ट्रम्प ने कहा- मैं भारत और प्रधानमंत्री मोदी के बहुत करीब हूं। मैंने उनसे पिछले दिनों बात की, उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भी बहुत सुंदर जवाब दिया। हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं, लेकिन मैंने

उनपर प्रतिबंध लगा दिया।

उन्होंने आगे कहा- रूस से तेल खरीदने के कारण मुझे यूरोपीय देशों और चीन पर भी बैन लगाना पड़ा। चीन इस समय अमेरिका पर बहुत बड़ा टैरिफ लगा रहा है। मैं और भी चीजें करने को तैयार हूं, लेकिन तब नहीं जब मैं जिन लोगों के लिए लड़ रहा हूं, वे रूस से तेल खरीद रहे हों।

डोनाल्ड ट्रम्प ने 17 सितंबर को पीएम मोदी को उनके जन्मदिन पर सबसे पहले बधाई दी थी। उन्होंने 16 सितंबर की रात 10:53 बजे पीएम मोदी को फोन कर विश किया।

ट्रम्प ने रात 11:30 बजे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर पीएम से बातचीत की जानकारी दी।

ट्रम्प ने लिखा, 'अभी-अभी मेरे दोस्त, नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत हुई। मैंने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। वे अद्भुत काम कर रहे हैं। नरेंद्र, रूस और यूक्रेन के बीच जंग खत्म करने में आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।' ट्रम्प की बधाई का जवाब देते हुए मोदी ने X पर लिखा, 'थैंक यू, मेरे दोस्त, प्रेसिडेंट ट्रम्प। आपकी तरह, मैं भी हमारे बीच की साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाना चाहता हूं। हम यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करते हैं।'

भारत पर अमेरिका की तरफ से 50% टैरिफ लगाए जाने के 40 दिन बाद मोदी और ट्रम्प के बीच यह पहली बातचीत थी। टैरिफ लगाने के बाद से भारत और अमेरिका के बीच संबंध खराब हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस से तेल खरीद के कारण जुर्माने के तौर पर भारत पर 27 अगस्त से टैरिफ लगाया है।

ब्रिटेन ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ लिया बड़ा एक्शन

नई संधि के तहत फ्रांस भेजा जाने वाला पहला व्यक्ति बना भारतीय नागरिक

लंदन, 19 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लिश चैनल को एक छोटी नाव से कथित तौर पर पार करके अवैध रूप से ब्रिटेन पहुंचा भारतीय नागरिक ऐसा पहला व्यक्ति बन गया जिसे एक नयी संधि के तहत गुरुवार को फ्रांस वापस भेजा गया। बताया जा रहा है कि व्यक्ति अगस्त की शुरुआत में ब्रिटेन पहुंचा था और उसे हाल में ब्रिटेन-फ्रांस वापसी संधि के तहत हुए तथाकथित 'वन-इन, वन-आउट' समझौते के तहत हीथ्रो हवाई अड्डे से एक वाणिज्यिक उड़ान से पेरिस भेजा गया। ब्रिटेन की गृह मंत्री शबाना महमूद ने इसे चैनल के पार मानव तस्करों द्वारा किए जा रहे अवैध प्रवासन पर अंकुश लगाने के सरकार के प्रयास में एक 'महत्वपूर्ण पहला कदम' बताया।

महमूद ने कहा, 'यह हमारी सीमाओं की सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहला कदम है। यह छोटी नावों से आने वाले लोगों को संदेश देता है: अगर आप अवैध रूप से ब्रिटेन में प्रवेश करते हैं, तो हम आपको वापस भेजने की कोशिश करेंगे।' उन्होंने कहा, 'मैं निष्कासन को विफल करने के अदालतों में अंतिम समय किये गए किसी भी प्रयास को चुनौती देती रहूंगी। ब्रिटेन हमेशा उन लोगों की मदद करने में अपनी भूमिका निभाएगा जो वास्तव में उत्पीड़न से भाग रहे हैं, लेकिन यह सुरक्षित, कानूनी जरिये किया जाना चाहिए।'

चीन को खुश करने के लिए डोनाल्ड ट्रंप ने ताइवान को दिया धोखा

40 करोड़ डॉलर के आधुनिक हथियार रोके, बदलेंगे समीकरण?

वॉशिंगटन, 19 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ताइवान को दिए जाने वाले 40 करोड़ डॉलर के सैन्य सहायता पैकेज को मंजूरी देने से इनकार कर किया है। ट्रंप ने चीन के साथ व्यापार समझौते पर जोर देते हुए ताइवान से दूरी बनाने की कोशिश की है। अमेरिका से ताइवान को समर्थन मिलता रहा है। चीन की ओर से किसी हमले की सूरत में अमेरिका से ही ताइवान को मदद की उम्मीद है। ऐसे में ट्रंप प्रशासन के रुख को अमेरिका से ताइवान को धोखा मिलने की तरह देखा जा रहा है।

वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका लंबे समय से ताइवान को चीन के खिलाफ हथियार मुहैया करा रहा है। अमेरिका की ओर से इसी कड़ी में गोला-बारूद और ड्रोन ताइवान भेजे जाने थे, जिसे रोक दिया गया। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया है कि ताइवान को समर्थन देने के वॉशिंगटन के दृष्टिकोण में बड़ा बदलाव है। वाइट हाउस के अधिकारी ने पुष्टि की है कि पैकेज को अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

ट्रंप प्रशासन की ओर से ताइवान को हथियार देने पर रोक का समय खास है। यह तब हुआ है, जब ट्रंप बीजिंग के साथ तनाव घटाने और व्यापार समझौता करने की कोशिश में हैं। ट्रंप की जल्दी ही चीनी प्रेसिडेंट शी जिनपिंग से मुलाकात की भी संभावना है। ऐसे में चीन की ओर से ताइवान पर बल प्रयोग की धमकी के बावजूद सैन्य सहायता रोकी गई है।

डोनाल्ड ट्रंप का रुख पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से अलग है। बाइडन के कार्यकाल में ताइवान को अमेरिका की ओर से हथियारों की आपूर्ति में तेजी आई थी। वहीं ट्रंप का कहना है कि ताइवान एक धनी देश है। उसे अमेरिकी सहायता पर निर्भर रहने के बजाय अपने हथियार खुद खरीदने चाहिए। ट्रंप ने यूक्रेन के लिए भी यही बातें कही हैं।

ताइवान की ओर से अमेरिका को ये बताने की कोशिश हुई है कि वह रक्षा खर्च बढ़ा रहा है। ताइवानी राष्ट्रपति लाई चिंगते ने हाल ही में ड्रोन और नौसैनिक जहाजों के लिए बजट को मंजूरी दी है। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिका ने ताइवान को 20 अरब डॉलर के हथियार बेचे थे। इनमें मुख्य रूप से F-16 लड़ाकू विमान और अब्राम टैंक शामिल थे। इस साल जनवरी में दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप का रुख अलग है। ताइवान के सैन्य पैकेज को ट्रंप बहुत अहमियत देते नहीं दिख रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी और ताइवानी रक्षा अधिकारियों के बीच होने वाली बैठकों को रद्द कर दिया है।

सऊदी और पाकिस्तान की डिफेंस डील से टेंशन में ईरान

हूतियों पर हमला हुआ तो तेहरान का भड़कना तय

रियाद/तेहरान, 19 सितंबर (एजेंसियां)। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच पारस्परिक रक्षा समझौते ने ईरान को टेंशन में डाल दिया है। एक्सपर्ट का मानना है कि इस समझौते के जरिए पाकिस्तान को फंसा दिया गया है। उनका कहना है कि सऊदी अरब का उद्येश्य यमन के युद्ध में पाकिस्तान का इस्तेमाल करना है, जिससे ईरान का भड़कना तय है। बुधवार को हुए इस समझौते के बारे में कहा जा रहा है कि यह इस जटिल क्षेत्र में रणनीतिक समीकरण बदल सकता है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने बुधवार को रियाद में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह समझौता कहता है कि किसी एक देश पर हमला दोनों पर आक्रमण माना जाएगा।

हालांकि, इस समझौते के बाद ईरान की टेंशन सबसे ज्यादा यमन को लेकर है। यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों का राजधानी सना समेत देश के बड़े हिस्से पर नियंत्रण हैं। हूतियों को हटाने के लिए सऊदी अरब के नेतृत्व में अरब देशों का गठबंधन बनाया गया था, लेकिन एक दशक से ज्यादा की लड़ाई के बाद भी यह अपने लक्ष्य में नाकाम रहा। फिलहाल, हूतियों और सऊदी अरब के बीच युद्धविराम संधि है, लेकिन एक्सपर्ट का मानना है कि यह कभी भी समाप्त हो सकता है।

हूती मामलों के एक एक्सपर्ट का कहना है कि पाकिस्तान को यह समझना चाहिए इस समझौते में सऊदी अरब का उद्येश्य यमन से लड़ना है। ऐसे में अगर सऊदी और यमन में युद्ध शुरू होता है तो पाकिस्तान को समझौते के तहत इसमें मजबूरन शामिल होना पड़ेगा। इसके पहले सऊदी अरब ने 2015 में भी पाकिस्तान को यमन युद्ध में शामिल करने की कोशिश की थी। उस दौरान विपक्ष के नेता और पीटीआई चेयरमैन इमरान खान ने इसका कड़ा विरोध किया था। आखिरकार तत्कालीन नवाज शरीफ सरकार ने इसमें न जाने का फैसला किया।

पाकिस्तान के यमन युद्ध से दूरी बनाए रखने के पीछे ईरान है। ईरान हूती विद्रोहियों को हथियार से लेकर ट्रेनिंग तक उपलब्ध कराता है। ऐसे में पाकिस्तान का सऊदी गठबंधन में शामिल होना तेहरान को नागवार गुजरना तय है। ईरान और पाकिस्तान पड़ोसी हैं और दोनों के बीच सीमा पार आतंकवाद को लेकर हाल के महीनों में तनातनी देखने को मिली है। ऐसे में पाकिस्तान सऊदी रक्षा गठबंधन को ईरान अपने लिए खतरे के तौर पर देख सकता है।

शराब-घोटाला, भूपेश की सेक्रेटरी रही सौम्या अफसरों को देती थी गाली

बिग बॉस वॉट्सएप चैट में खुलासा, चैतन्य के लिए पप्पू, सौम्या के लिए दीपेंद्र पैसा पहुंचाते थे

रायपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्त में हैं। ईडी ने अपनी चार्जशीट में बिग बॉस वॉट्सऐप ग्रुप का खुलासा किया है। इस ग्रुप में चैतन्य बघेल, पुष्पक, सौम्या और दीपेंद्र सहित अन्य लोगों की जानकारी है।

वॉट्सएप ग्रुप में शराब घोटाले से जुड़ी चर्चा और पैसों के लेन-देन की बातें हैं। ईडी ने अपनी चार्जशीट में खुलासा किया है कि पूर्व सीएम भूपेश बघेल की डिप्टी सेक्रेटरी रही सौम्या चौरसिया शराब सिंडिकेट के लोगों से बातचीत के दौरान आईएएस अफसरों के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करती थी, उन्हें गाली देती थी।

इसके साथ ही उन्होंने कई बार सिंडिकेट के कुछ सदस्यों को हिसाब किताब की जानकारी नहीं देने की बात भी लिखी है। चैट में इस बात का भी जिक्र है कि चैतन्य के लिए पप्पू बंसल, सौम्या के लिए दीपेंद्र कुरियर बॉय

सौम्या चौरसिया

चैतन्य बघेल

का काम करता था, ये उन्हें पैसे पहुंचाते थे, जिसे वह डिलीवर कहकर बात करते थे।

पप्पू बंसल ने खोला राज

दुर्ग-भिलाई के शराब कारोबारी और भूपेश बघेल के करीबी माने जाने वाले लक्ष्मी नारायण उर्फ पप्पू बंसल ने पूछताछ में बड़ा खुलासा किया था।

उन्होंने माना कि उन्होंने और चैतन्य ने मिलकर 1000 करोड़ रुपए से ज्यादा कैश को मैनेज किया।

बंसल ने बताया कि यह रकम अनवर ढेबर से दीपेंद्र चावड़ा और फिर कांग्रेस नेताओं रामगोपाल अग्रवाल और केके श्रीवास्तव तक पहुंचाई जाती थी। बंसल ने यह भी स्वीकार किया कि तीन महीने की अवधि में ही उन्हें 136 करोड़ रुपए मिले।

रियल एस्टेट में लगाया ब्लैक मनी

ईडी ने आरोप लगाया कि चैतन्य ने अपने विठ्ठल ग्रीन प्रोजेक्ट और बघेल डेवलपर्स एंड एसोसिएट्स में शराब घोटाले की रकम निवेश की। असल खर्च 13-15 करोड़ रुपए था, लेकिन दस्तावेजों में मात्र 7.14 करोड़ दिखाया गया।

वहीं डिजिटल डिवाइस की जांच से पता चला कि एक ठेकेदार को 4.2 करोड़ रुपए कैश में भुगतान किया गया, जिसका हिसाब रिकॉर्ड में नहीं था।

इसी प्रोजेक्ट में त्रिलोक सिंह ढिल्लों ने 19 फ्लैट खरीदे, लेकिन भुगतान खुद किया। ईडी के मुताबिक यह सब ब्लैक मनी को सफेद दिखाने के लिए किया गया।

मोबाइल चैट्स से खुलासा

ईडी ने जब अनवर ढेबर, अनिल टुटेजा और सौम्या चौरसिया के मोबाइल की जांच की तो चौंकाने वाले चैट्स मिले। अनवर के मोबाइल में चैतन्य का नंबर 'बिट्टू' नाम से सेव था। इसमें पैसों की डीलिंग और नकली होलोग्राम बनाने तक की चर्चा थी।

फरवरी 2019 में बना था सिंडिकेट

कारोबारी अनवर ढेबर ने सिंडिकेट बनाने के लिए फरवरी 2019 में जेल रोड स्थित होटल वेनिंगटन में प्रदेश के 3 डिस्टलरी मालिकों को बुलाया। इस मीटिंग में छत्तीसगढ़ डिस्टलरी से नवीन केडिया, भाटिया वाइंस प्राइवेट लिमिटेड से भूपेंदर पाल सिंह भाटिया और प्रिंस भाटिया शामिल हुए।

साथ ही वेलकम डिस्टलरी से राजेंद्र जायसवाल उर्फ चुन्नू जायसवाल के साथ हीरालाल जायसवाल और नवीन केडिया के संपर्क अधिकारी संजय फतेहपुरिया पहुंचे।

मीटिंग में इनके अलावा एपी त्रिपाठी और अरविंद सिंह भी मौजूद थे।

मीटिंग में अनवर ढेबर ने तय किया कि डिस्टलरी से जो शराब सप्लाई की जाती है, उसमें प्रति पेटी कमीशन देना होगा।

कमीशन के बदले रेट बढ़ाने का आश्वासन डिस्टलरी संचालकों को दिया गया। पैसे का हिसाब-किताब करने के लिए आरोपियों ने पूरे कारोबार को ए, बी और सी पार्ट में बांटा।

बीजापुर मुठभेड़: 7 लाख के दो इनामी माओवादी ढेर

सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता

बीजापुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। डीआरजी, एसटीएफ और कोबरा टीम के जवानों के साथ हुई मुठभेड़ में 7 लाख रुपये के इनामी दो माओवादी मारे गए हैं। ये दोनों नक्सली कई जघन्य अपराधों में शामिल थे।

बीजापुर एसपी डॉ. जितेंद्र कुमार यादव के मुताबिक, सुरक्षाबलों को जिले के दक्षिण-पश्चिमी इलाके में नक्सलियों के मौजूद होने की सूचना मिली थी। इसी सूचना के आधार पर 17 सितंबर को दोपहर करीब 3 बजे मनकेली के जंगलों में एक सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। इसी दौरान सुरक्षाबलों का सामना नक्सलियों से सामना हो गया। दोनों तरफ से जमकर गोलीबारी की गई थी। मुठभेड़ के बाद जब घटनास्थल की तलाशी ली गई, तो दो माओवादियों के शव बरामद हुए। उनके पास से एक 303 रायफल, एक बीजीएल लांचर और विस्फोटक सामग्री भी

मिली थी। सुरक्षाबलों के सफल सर्च ऑपरेशन के बाद बीजापुर के जंगलों में सर्चिंग के बाद जिन दो माओवादियों के शव मिले थे उनकी पहचान रघु हपका उम्र 33 साल, गंगालूर एरिया मिलिट्री कमांड का सदस्य है। इस पर 5 लाख रुपये का इनाम था। दूसरे नक्सली की पहचान सुक्कू हेमला (उम्र 32) साल, पेद्दाकोरमा आरपीसी मिलिशिया प्लाटून का डिप्टी कमांडर के रूप में हुई है। इस पर 2 लाख रुपये का इनाम था। पुलिस ने अनुसार मारे गए दोनों माओवादी पेद्दाकोरमा, मनकेली, गंगानूर और तोड़का जैसे गांवों में 1 छात्र सहित 4 ग्रामीणों और एक शिक्षादूत की निर्मम हत्या जैसी घटनाओं में शामिल थे। बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी. ने सुरक्षाबलों की इस सफलता पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि पुलिस बल और सुरक्षा एजेंसियां क्षेत्र के नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने माओवादी कैडरों से हिंसा का रास्ता छोड़कर सरकार की पुनर्वास नीति का लाभ उठाने और मुख्यधारा में लौटकर सम्मानजनक जीवन जीने की अपील की है।

प्रेमिका ने चाकू से किया हमला, प्रेमी की गई जान

मौत से पहले युवक ने पुलिस को दिया बयान युवती की अगले माह होने वाली थी शादी

चतरा, 19 सितंबर (एजेंसियां)। चतरा में प्रेमिका द्वारा चाकू से हमला करने से जख्मी प्रेमी ने इलाज के दौरान शुक्रवार को दम तोड़ दिया। घटना गुरुवार को लावालौंग थाना क्षेत्र के लमटा गांव के पास हुई थी। पुलिस ने आरोपी युवती को गिरफ्तार कर लिया है।

इस संबंध में लातेहार एसपी कुमार गौरव ने बताया कि मुंजतिर की मौत रिम्स (रांची) में हो गई है। वह लातेहार थाना क्षेत्र अंतर्गत सासंग का रहने वाला था।

इधर, प्रेमी ने मौत से पहले पुलिस को अपने दिए बयान में कहा था कि प्रेमिका सब्बू प्रवीण उर्फ नूरजहां की अगले माह शादी होने वाली है और उसने मुझे मिलने के लिए बुलाया था। इसी दौरान युवती ने चाकू से हमला कर दिया।

प्रेमी के अनुसार, युवती ने उससे कहा कि तुझे मारने के बाद ही मेरी आत्मा को शांति मिलेगी। हालांकि युवती का कहना है कि उसने युवक को नहीं मारा। उसके साथ आए एक अन्य युवक ने मुंजतिर को मारा है।

पहले से शादीशुदा मुंतजिर का प्रेम प्रसंग सब्बू परवीन के साथ चल रहा था। गुरुवार को मुंतजिर, युवती से मिलने के लिए चतरा आया हुआ था। युवती, युवक की बाइक से लावालौंग के लमटा पहुंची थी, जहां दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया।

इसके बाद युवती अपने साथ लाए चाकू से युवक के पेट में प्रहार कर दिया।

वार इतना जबरदस्त था कि युवक की आंत भी बाहर आ गई। युवती ने युवक के गले पर भी चाकू के वार किए।

घटना के बाद आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को गंभीर हालत में इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद युवक को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया। लावालौंग थाना के सहायक अवर निरीक्षक वाजिद अली ने बताया कि युवक ने युवती द्वारा चाकू मारने की बात कही है। युवती से पूछताछ की जा रही है।

आरोपी युवती के घर के आसपास के लोगों ने बताया कि नूरजहां की शादी होने वाली थी। शादी के लिए दुर्गा पूजा के दो दिन बाद की तिथि निर्धारित थी।

जर्जर मकान का हिस्सा ढहा

केसरवानी आश्रम के पास हादसा, नगर निगम पर लगाया लापरवाही का आरोप

देवघर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। देवघर के मीना बाजार स्थित केसरवानी आश्रम के पास शुक्रवार को एक जर्जर मकान का हिस्सा अचानक ढह गया। इस घटना से इलाके में अफरातफरी मच गई, हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई। मलबे के सड़क पर फैल जाने से आवाजाही बाधित हुई और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय दुकानदारों और निवासियों ने इस घटना के लिए नगर निगम की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि इस मकान सहित कई अन्य जर्जर भवनों को निगम द्वारा पहले ही नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन समय पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। दुकानदारों के अनुसार, मलबे से सड़क जाम होने के कारण ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हुई, जिससे उनका कारोबार बाधित हो रहा है।

सीजीपीएससी घोटाला, रिटायर्ड आईएएस पूर्व परीक्षा नियंत्रक समेत 5 गिरफ्तार

सीबीआई ने स्पेशल कोर्ट में किया पेश, आरती वासनिक पर प्रश्न पत्र लीक करने का आरोप

रायपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग घोटाला मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने शुक्रवार को 5 आरोपियों को हिरासत में लेकर स्पेशल कोर्ट में पेश किया। वकील ने 14 दिन की रिमांड के लिए अपील की है। मामले में सुनवाई अभी भी जारी है।

गिरफ्तार आरोपियों में पीएससी की पूर्व परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक, पीएससी के पूर्व सचिव और रिटायर्ड आईएएस जीवनलाल ध्रुव, उनके बेटे सुमित ध्रुव, निशा कोसले और दीपा आदिल शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक, इससे पहले भी सीबीआई ने आरती वासनिक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था, लेकिन उस समय उन्हें छोड़ दिया गया था। अब माना जा रहा है कि, सीबीआई को जांच में नए सबूत

मिले हैं, जिसके आधार पर गिरफ्तारियां की गईं।

इस घोटाले में अब तक कुल 12 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इससे पहले 18 नवंबर को सीबीआई ने तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी और बजरंग पावर एंड इस्पात के तत्कालीन निदेशक श्रवण कुमार गोयल को गिरफ्तार किया था।

इसके बाद 10 जनवरी को पांच और आरोपियों को हिरासत में लिया गया। जिनमें नितेश सोनवानी (तत्कालीन अध्यक्ष का भतीजा, डिप्टी कलेक्टर चयनित), ललित गणवीर (तत्कालीन डिप्टी परीक्षा नियंत्रक), शशांक गोयल, भूमिका कटियार (दोनों डिप्टी कलेक्टर चयनित) और साहिल सोनवानी (डीएसपी चयनित) शामिल हैं। ये सभी फिलहाल जेल में बंद हैं। यह मामला 2020 से 2022 के बीच हुई भर्ती प्रक्रियाओं से जुड़ा है। आरोप है कि आयोग की परीक्षाओं और इंटरव्यू में पारदर्शिता को दरकिनार कर राजनीतिक और प्रशासनिक रसूख वाले परिवारों के उम्मीदवारों को उच्च पदों पर चयनित किया गया।

इस दौरान योग्य अभ्यर्थियों की अनदेखी कर डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी और अन्य राजपत्रित पदों पर अपने नजदीकी लोगों को पद दिलवाने का खेल हुआ। प्रदेश सरकार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच सीबीआई को सौंपी।

सुपारी किलिंग, साले ने 50 हजार लेकर युवक को मार डाला

जीजा ने दी थी सुपारी, गलत पहचान के चलते दूसरे शख्स की हत्या, रॉड से किया हमला

मुंगेली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में जीजा ने साले को 50 हजार रुपए देकर एक शख्स को मरवा दिया। लेकिन गलत पहचान के चलते युवक ने दोस्तों के साथ मिलकर दूसरे युवक को मार डाला। पुरानी रंजिश के कारण जीजा ने साले को सुपारी दी थी। मामला फास्टरपुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, सुपारी देने वाला का नाम नेतराम साहू (43) है, जो कि तरवरपुर धान खरीदी सोसाइटी के प्रबंधक है। उसने हत्या के 15 दिन पहले अपने साले सुनील साहू (20) को वॉट्सऐप पर फोटो भेजकर कहा कि यह व्यक्ति ग्राम सिल्ली का है और परेशान कर रहा है। इसको रास्ते से हटाना है।

तुम अपने दोस्तों को बुलाकर उसको रास्ते से हटा दो। इस काम के लिए तुमको 50,000 रुपए दुंगा। 8 सितंबर को सुनील अपने

जीजा के घर आया। तीन दिन तक घर में रूककर हत्या की प्लानिंग की। 10 सिंतबर की सुबह सुनील अपने दोस्तों को लेने बिलासपुर गया। नेतराम ने अपने भांचा के किराए के मकान में सभी को रुकवाया और पूरी प्लानिंग बताई।

दरअसल, तुलसी साहू और उसके बेटे नरेंद्र साहू उर्फ पप्पू ने नेतराम साहू के खिलाफ धान खरीदी की अनियमितता को लेकर न्यायालय में परिवाद लगाया था। जिसके चलते उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। नेतराम साहू को शक था कि तुलसी साहू और उसका बेटा नरेंद्र साहू उसे नौकरी ज्वाइन नहीं करने दे रहे थे और परेशान कर रहे थे।

इसी वजह से उसने नरेंद्र उर्फ पप्पू को मारने की साजिश रची और साले को फोटो भेजकर उसे रास्ते से हटाने को कहा। 10 सितंबर की रात हेमप्रसाद साहू और हेमचंद ग्राम दाबो रोड किनारे बैठे थे। इस दौरान सुनील अपने 4 दोस्तों के साथ मौके पर पहुंचा और हेमप्रसाद को नरेंद्र समझकर लोहे की रॉड से सिर वार कर दिया। गंभीर चोट आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हत्या के बाद आरोपी मोबाइल और बाइक लूटकर फरार हो गए। जबकि हमले के दौरान मौके पर हेमप्रसाद किसी तरह मौके से भाग निकला और थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की है। इस बीच पुलिस ने संदेही के आधार पर सुनील को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो उसने दोस्तों के मिलकर वारदात को अंजाम देना बताया। इस मामले में एसपी भोजराम पटेल ने बताया कि नाबालिग सहित नेतराम, सुनील, शुभम पाल, गौकरण साहू को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके पास से दो लोहे की रॉड, मृतक का मोबाइल, शिकायतकर्ता की बाइक, बोलेरो जब्त किया गया है। आरोपियों के धारा 238, 61(2)(ए) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया।

खंडहर मकान में दो गुटों में भिड़ंत

एक-दूसरे पर चलाया धारदार हथियार, 3 घायल, 5 आरोपी गिरफ्तार

जामताड़ा, 19 सितंबर (एजेंसियां)। जामताड़ा के मिहिजाम में पुरानी रंजिश को लेकर दो गुटों में धारदार हथियारों से भिड़ंत हो गई। इस हमले में तीन युवक रंजीत कुमार, अभिषेक कुमार और मिथिलेश कुमार घायल हो गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

यह घटना किशोरी गली और मस्जिद रोड के बीच स्थित ओम साव के एक खंडहर मकान में हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह स्थान लंबे समय से शराब, जुआ और नशीले पदार्थों के सेवन का अड्डा बना हुआ है। इससे इलाके में कानून-व्यवस्था को लगातार चुनौती मिल रही थी। घायलों में रंजीत कुमार के सिर में गंभीर चोट आई है। उनके छोटे भाई अभिषेक कुमार के कंधे पर गहरा जख्म हुआ है, जबकि मिथिलेश कुमार का हाथ बुरी तरह घायल हो गया है।

कुड़मी समाज का रेल टेका आंदोलन आज

पुलिस ड्रोन से रखेगी नजर, विधि व्यवस्था के लिए तैयार की गई रणनीति

रांची, 19 सितंबर (एजेंसियां)। कुड़मी जाति को एसटी की सूची में शामिल करने की मांग को लेकर कुड़मी समाज द्वारा 20 सितंबर को रेल टेका आंदोलन किया जाएगा। इसे लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता ने पुलिस मुख्यालय में रेल पुलिस व आरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विधि व्यवस्था पर समीक्षा बैठक की।

रेल मार्ग व स्टेशनों वाले संबंधित जिलों के एसएसपी-एसपी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस बैठक में शामिल हुए। डीजीपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आंदोलन के दौरान चिह्नित कुड़मी नेताओं को हिरासत में लिया जाए। वहीं, रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा बढ़ाने, वहां एंबुलेंस, वज्रयान, दंगा रोधी वाहन को तैनात करने का भी निर्देश दिया गया।

इसके लिए करीब 2000 अतिरिक्त जवानों की तैनाती की जाएगी। जिलों में दंडाधिकारियों

की भी प्रतिनियुक्ति होगी। बैठक में आईजी रेल अमोल वीनुकांत होमकर, आईजी विशेष शाखा प्रभात कुमार, आईजी अभियान डॉ. माइकल राज एस. मौजूद थे।

सभी जिलों के एसपी को आंदोलन के दौरान पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। हजारीबाग, रामगढ़, कोडरमा, गिरिडीह, बोकारो, सरायकेला-खरसांवा, चाईबासा, पलामू, दुमका जिलों के रेल मार्गों के संवेदनशील रेलवे स्टेशनों, क्षेत्रों और रेल लाइनों पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। यहां सुरक्षा में तैनात जवान बॉडी प्रोटेक्टर व हेलमेट के साथ तैनात होंगे। रेलवे स्टेशनों के बाहर सीसीटीवी कैमरा लगाने का भी निर्देश दिया गया है।

आंदोलन के दौरान किसी भी अप्रिय घटना, जानमाल की क्षति को रोकने के लिए रेलवे पुलिस, रेलवे कर्मियों के साथ गोपनीय सूचना तंत्र को लगाया जाएगा। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ईस्टर्न रेलवे, साउथ-ईस्टर्न रेलवे, ईस्टर्न-सेंट्रल रेलवे के आईजी आरपीएफ, सभी जोनल आइजी, रेंज डीआईजी, रांची व चक्रधरपुर के डीआरएम आदि शामिल हुए।

टीटीई ने परिवार के लिए ट्रेन रोकी, वेतन कटा-डिमोशन हुआ

इंक्रीमेंट रुका, 15 साल बाद हाईकोर्ट बोला- आरोप स्पष्ट नहीं, सजा और सभी आदेश खारिज

बिलासपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर में एक अनोखा मामला सामने आया है, जहां ट्रेन में चेन पुलिंग करने पर सजा पाए एक टीटीई को हाईकोर्ट ने 15 साल बाद बरी कर दिया है। साल 2012 में रेलवे ने दो बार चेन पुलिंग के आरोप में टीटीई की वेतनवृद्धि रोकी, डिमोशन किया और वेतन कटौती की सजा दी थी।

मामला साल 2012 का है। रेलवे ने 2 आरपीएफ जवानों के गवाह के आधार पर टीटीई को सजा दी थी। जिसमें उन्होंने कहा था कि टीटीई ने चेन तो खींची पर उनका परिवार नहीं आया। हाईकोर्ट ने 15 साल बाद उन्हें राहत देते हुए सजा को रद्द कर दिया है। कोर्ट के मुताबिक आरोप स्पष्ट नहीं थे और ऐसे में सजा देना उचित नहीं था।

दरअसल आस्टिन हाइड रेलवे में टीटीई पद पर पोस्टेड हैं। 15 जुलाई 2010 में आस्टिन बिलासपुर रेलवे स्टेशन से यशवंतपुर एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 2252) में बतौर यात्री सफर कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने ट्रेन की अलार्म चेन दो बार खींची। उन पर आरोप लगा कि उन्होंने ऐसा इसलिए किया ताकि उनके परिवार की महिलाएं और सामान ट्रेन में चढ़ाई जा सके।

रेलवे प्रशासन ने इस मामले की विभागीय जांच कराई, जिसमें आरपीएफ के दो जवानों को गवाह बनाया गया। उन्होंने अपने बयान में बताया कि आस्टिन हाइड ने चेन खींची थी और कारण बताया कि उनका परिवार नहीं पहुंचा।

2012 में उन्हें ट्रेन में चेन पुलिंग के लिए दोषी माना गया। जिसके बाद उनके दो वेतनद्धि रोकने के साथ ही डिमोशन और दो साल के लिए वेतन कटौती की सजा दी गई। इस फैसले के खिलाफ उन्होंने विभागीय अपील और पुनरीक्षण अपील की, जिसे खारिज कर दिया गया।

जिसके बाद आस्टिन हाइड ने अपने खिलाफ की गई कार्रवाई को केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) के जबलपुर बेंच में चुनौती दी। सभी पक्षों को सुनने और जांच रिपोर्ट के आधार पर कैट ने केस को खारिज कर दिया। साथ ही रेलवे के फैसले को बरकरार रखा।

साल 2012 में दी गई सजा के खिलाफ टीटीई आस्टिन हाइड लगातार केस लड़ते रहे। 2013 और 2014 में केस खारिज होने के बाद 2015 में उन्होंने कैट में मामला प्रस्तुत किया, जिसके बाद साल 2024 में उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें विभागीय जांच और कैट के फैसले को चुनौती दी।

मंत्री श्यामबिहारी बोले- हड़ताल खत्म करें नहीं तो होंगे बर्खास्त

एनएचएम कर्मचारियों को अल्टीमेटम, कहा- काम पर लौटें, सोमवार से शुरू होगी नई भर्ती

रायपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नियमितीकरण समेत 10 मांगों को लेकर एनएचएम संविदा कर्मचारी एक महीने से हड़ताल पर हैं। सरकार ने 16 सितंबर तक सभी कर्मचारियों को काम पर लौटने का फाइनल अल्टीमेटम दिया था। लेकिन कर्मचारियों ने हड़ताल जारी रखी।

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि शुक्रवार शाम 5 बजे तक कर्मचारी अपनी स्ट्राइक खत्म करें। नहीं तो सभी को एक साथ बर्खास्त कर दिया जाएगा। सोमवार नई भर्ती शुरू कर दी जाएगी।

इससे पहले बिलासपुर, दुर्ग और रायपुर 3 संभाग के 10 हजार कर्मचारियों ने गुरुवार को नया रायपुर में जेल भरो आंदोलन किया था। प्रशासन ने राजेश्वर मैदान को लगभग डेढ़ घंटे तक एक प्रतीकात्मक जेल के तौर पर बदल दिया था। डेढ़ घंटे तक इस प्रतीकात्मक जेल में यह कर्मचारी बंद रहे। इसके बाद हर कर्मचारी का नाम और हस्ताक्षर लिए गए और उन्हें छोड़ दिया गया।

एनएचएम संविदा कर्मचारियों की हड़ताल का आज 33वां दिन है। इधर सरकार ने एक्शन लेते हुए 17 सितंबर को सूरजपुर जिले में 594 कर्मचारियों की सेवा खत्म कर दी है। इससे पहले यानी 16 सितंबर को बलौदाबाजार और कोरबा में 200 कर्मचारी को नौकरी से निकाला दिया गया। बलौदाबाजार के 160 और कोरबा के लगभग 21 कर्मचारियों को एक मुश्त नौकरी से निकाला गया था।

बता दें कि कर्मचारी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रोटेस्ट कर रहे हैं। इनमें से पांच पर मौखिक सहमति बन चुकी है। बाकी पांच पर राज्य सरकार ने अपना स्टैंड क्लियर नहीं किया है। दूसरी ओर कर्मचारियों का कहना है कि मौखिक आश्वासन से काम नहीं चलेगा। सभी 10 मांगे लिखित में पूरी करनी होगी। एनएचएम संघ के प्रदेश अध्यक्ष अमित कुमार मिरी ने बताया कि आज के आंदोलन के बाद सरकार की ओर से कुछ सकारात्मक बातचीत की पहल हुई है। जिन कर्मचारियों को बर्खास्त किया गया है, उनकी बहाली की मांग हमने की है।

हालांकि, सरकार के एक्शन से पहले ही एनएचएम कर्मचारी सामूहिक इस्तीफा दे चुके हैं। दरअसल, स्वास्थ्य विभाग ने 3 सितंबर को 25 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है।

इसमें एनएचएम संविदा कर्मचारी संगठन के प्रदेश संरक्षक हेमंत सिन्हा और महासचिव कौशलेश तिवारी के नाम भी शामिल हैं।

दिग्गज इनवेस्टर ने रिलायंस का शेयर बेचकर अडानी ग्रुप पर लगाया दांव

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। जेफरीज के क्रिस वुड बड़े निवेशक हैं और भारत जैसे उभरते बाजारों में निवेश करते हैं। उन्होंने अपने भारतीय पोर्टफोलियो में एक बड़ा बदलाव किया है। वुड ने मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर बेच दिए हैं। रिलायंस के शेयर 2025 में अब तक 15% बढ़ चुके हैं। वुड ने अब अडानी ग्रुप की कंपनी अंबुजा सीमेंट के शेयर खरीदे हैं। वेन्टुरा का कहना है कि अंबुजा सीमेंट का शेयर 794 रुपये तक जा सकता है जो उसकी मौजूदा कीमत से 38% अधिक है। कंपनी का शेयर आज बीएसई पर करीब एक फीसदी तेजी के साथ 588.65 रुपये तक हाई गया। जेफरीज में इक्विटी रणनीति के ग्लोबल हेड क्रिस वुड ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा एक्सिस बैंक के शेयर भी बेचे हैं। साथ ही उन्होंने आईसीआईसीआई बैंक, आरईसी और जेएसडब्ल्यू एनर्जी में भी अपनी हिस्सेदारी कम कर दी है। उन्होंने अपनी साप्ताहिक रिपोर्ट लालच और भय में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अंबुजा सीमेंट्स, इक्सिगो और लेमन ट्री होटल्स में 4% का निवेश किया जाएगा। यह निवेश रिलायंस इंडस्ट्रीज और एक्सिस बैंक के शेयर बेचकर किया जाएगा। साथ ही,आईसीआईसीआई बैंक, आरईसी और जेएसडब्ल्यू एनर्जी में भी एक-एक प्रतिशत की हिस्सेदारी कम की जाएगी।

रिलायंस की हिस्सेदारी

अगस्त के अंत तक वुड के भारतीय पोर्टफोलियो में रिलायंस की हिस्सेदारी 5% थी। वुड ने अपनी रिपोर्ट में इस बदलाव का कारण नहीं बताया है। लेकिन, यह फैसला रिलायंस इंडस्ट्रीज की 29 अगस्त को हुई सालाना आम बैठक (एजीएम) के बाद लिया गया है। जेफरीज इंडिया लॉन्ग-ओनली इक्विटी पोर्टफोलियो में अंबुजा सीमेंट दूसरा अडानी स्टॉक होगा। वुड के पोर्टफोलियो में पहले से ही अडानी पोर्ट्स है, जिसकी हिस्सेदारी 6% है। उनके पोर्टफोलियो में आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, एसबीआई लाइफ, डीएलएफ, मैक्रोटेक, इटरनल, भारती एयरटेल, इक्सिगो, एमएंडएम, लेमन ट्री होटल्स, इंटरग्लोब एविएशन जैसे शेयर भी शामिल हैं। वुड ने अंबुजा सीमेंट को इसलिए चुना क्योंकि सरकार ने सीमेंट पर जीएसटी की दर को 28% से घटाकर 18% कर दिया है। हाल ही में ग्लोबल ब्रोकरेज कंपनी एचएसबीसी ने कहा कि अल्ट्राटेक सीमेंट और अडानी सीमेंट्स द्वारा कई कंपनियों को खरीदने से सीमेंट उद्योग में प्रतिस्पर्धा कम हो रही है। इससे सीमेंट की कीमतों में स्थिरता आएगी। एचएसबीसी ने अंबुजा सीमेंट को होल्ड से अपग्रेड करके खरीदने की सलाह दी है।

जीएसटी कटौती से ट्रैक्टर होंगे सस्ते

कृषि मंत्री शिवराज ने कंपनियों से कहा– किसानों तक पहुंचाएं लाभ

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को ट्रैक्टर और कृषि उपकरण निर्माताओं से अपील की कि 22 सितंबर से लागू होने वाली जीएसटी कटौती का सीधा लाभ किसानों तक पहुंचे।

उन्होंने कहा कि इस कदम से अलग-अलग श्रेणी के ट्रैक्टरों की कीमतों में 23,000 रुपये से लेकर 63,000 रुपये तक की कमी आएगी।

चौहान ने कृषि उपकरण कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद कहा कि जीएसटी में कमी से न केवल ट्रैक्टर सस्ते होंगे बल्कि देशभर में चल रहे कस्टम हायरिंग सेंटर्स पर उपलब्ध मशीनरी की लागत भी घटेगी। इसके चलते किसानों को किराये पर मशीनें लेने में भी राहत मिलेगी। कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) का प्राथमिक उद्देश्य सीमांत और छोटे किसानों को रियायती दरों पर कृषि उपकरण और मशीनरी किराए पर उपलब्ध कराना है। इस बैठक में ट्रैक्टर एवं मशीनीकरण एसोसिएशन (टीएमए), कृषि मशीनरी निर्माता एसोसिएशन (एएमएमए), अखिल भारतीय कम्बाइन हार्वेस्टर निर्माता एसोसिएशन पावर टिलर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (पीटीएआई) और अन्य संबंधित संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।चौहान ने कहा कि जीएसटी में कमी से किसानों को सीधा लाभ होगा। सरकार का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना है, जिसके लिए न केवल उत्पादन बढ़ाना जरूरी है, बल्कि खेती की लागत को भी कम करना है।

मंत्री ने विभिन्न ट्रैक्टर श्रेणियों में अपेक्षित मूल्य कटौती की जानकारी दी। इसमें 35 एचपी ट्रैक्टरों के लिए 41,000 रुपये, 45 एचपी ट्रैक्टरों के लिए 45,000 रुपये, 50 एचपी ट्रैक्टरों के लिए 53,000 रुपये और 75 एचपी ट्रैक्टरों के लिए 63,000 रुपये। बागवानी में इस्तेमाल होने वाले कॉम्पैक्ट ट्रैक्टरों की कीमत में लगभग 23,000 रुपये की कमी आएगी।

जीएसटी कटौती के बाद सरकार का एक और बड़ा फैसला

ऐसा क्या किया जिसका आप पर होगा सीधा असर?

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। सरकार ने जीएसटी दरों में कमी के बाद एक और बड़ा फैसला लिया है। उसने पैकेजिंग नियमों को आसान बनाया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने गुरुवार को कंपनियों के लिए पैकेजिंग और मूल्य निर्धारण नियमों में ढील दी। 22 सितंबर से गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) की दरों में कटौती लागू होगी। पैकेजिंग नियमों को आसान बनाने का उद्देश्य कम्प्लायंस बोझ को कम करना है। साथ ही उपभोक्ताओं को कम टैक्स का लाभ सुनिश्चित करना है। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने एक एडवाइजरी जारी की है। ऐसा करके निर्माताओं, पैकर्स और आयातकों को 22 सितंबर से पहले उत्पादित बिना बिके माल पर स्वेच्छा से संशोधित मूल्य स्टिकर लगाने की अनुमति दी है। शर्त यह है कि पुराने अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) दिखाई दे रहे हों। सरकार ने कहा कि दोबारा स्टिकर लगाना वैकल्पिक है। यह कंपनियों के लिए अनिवार्य नहीं है। विधिक माप विज्ञान (पैकेज्ड कमोडिटीज) नियम, 2011 के नियम 33 के जरिये यह छूट दी गई है। कंपनियों को अब नियम 18(3) के तहत पहले की तरह दो समाचार पत्रों में संशोधित एमआरपी प्रकाशित करने की जरूरत नहीं होगी। इसके बजाय निर्माताओं और आयातकों को संशोधित मूल्य सूची केवल थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को ही भेजनी होगी। इसकी प्रतियां केंद्रीय और राज्य विधिक माप विज्ञान अधिकारियों को भेजी जाएंगी। इसके अलावा कंपनियां जीएसटी संशोधन से पहले पब्लिश मौजूदा पैकेजिंग सामग्री का इस्तेमाल 31 मार्च, 2026 तक या स्टॉक समाप्त होने तक, जो भी पहले हो, कर सकती हैं। कंपनियां ऐसी पैकेजिंग पर स्टाम्पिंग, स्टिकर या प्रिंटिंग के जरिये अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) को सही कर सकती हैं। मंत्रालय ने कंपनियों को सलाह दी है कि वे इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट और सोशल मीडिया के जरिये डीलर, खुदरा विक्रेताओं और उपभोक्ताओं को संशोधित जीएसटी दरों के बारे में सूचित करें।

सोने में गिरावट, चांदी महंगी

सोना 294 गिरकर 1.10 लाख पर आया, चांदी 1.29 लाख किलो बिक रही

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 19 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 294 रुपए गिरकर 1,09,873 पर आ गया है। इससे पहले कल ये 1,10,167 रुपए पर था। वहीं चांदी भी 600 रुपए बढ़कर 1,28,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले 18 सितंबर को चांदी 1,27,100 रुपए पर थी। वहीं 16 सितंबर को सोने ने 1,10,869 रुपए और चांदी ने 1,25,756 रुपए के ऑल टाइम हाई बनाया था।

इस साल सोना 33,711 और चांदी 42,483 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 33,711 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,09,873 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 42,483 रुपए बढ़ गया है।

इधर आईफोन 17 खरीदने की मची होड़

उधर एपल ने पहले ही कर ली 5 .29 लाख करोड़ की कमाई

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। पूरी दुनिया में आईफोन 17 खरीदने की होड़ शुरू हो गई है. भारत में तो फोन खरीदने के लिए हाथापाई तक वीडियो सामने आ गए हैं. क्या आपको जानकारी है कि एपल ने पहले ही 5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा यानी 60 बिलियन डॉलर की कमाई कर चुका है. वो भी एक भी फोन बेचे बिना, करीब 10 दिनों में. अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि आखिर ये हुआ कैसे? एपल ने आईफोन 17 को बेचने से पहले इतनी मोटी कमाई कैसे कर डाली? वास्तव में 9 सितंबर को जब कंपनी ने इस फोन को लॉन्च किया था, तब कंपनी के शेयर 234 डॉलर के करीब थे, जो 18 सितंबर तक बढ़कर 237 डॉलर के पार चले गए. जिसकी वजह से कंपनी मार्केट कैप में 60 बिलियन डॉलर से ज्यादा का इजाफा हो गया. यही कारण है कि दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल फोन बनाने वाली कंपनी को मोटा फायदा.

एपल के शेयरों में तेजी

9 सितंबर के बाद से 18 सितंबर तक एपल के शेयरों में तेजी देखने को मिली है. अमेरिकी शेयर बाजार इंडेक्स नैस्डैक के आंकड़ों को देखें तो 9 सितंबर को जब शेयर बाजार बंद हुआ तो एपल का शेयर 234.35 डॉलर पर था. उसके बाद 18 सितंबर को बाजार बंद होने के बाद एपल का शेयर 237.88 डॉलर पर पहुंच गया. इसका मतलब है कि इस दौरान एपल के शेयरों में 3.53 डॉलर यानी 1.51 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली. वैसे 18 सितंबर को एपल के शेयर में 1.11 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है. जबकि 17 सितंबर को कंपनी का शेयर 240 डॉलर के पार पहुंच गया था.

मार्केट कैप में 60 बिलियन डॉलर का इजाफा

एपल के शेयरों में तेजी की वजह से कंपनी के मार्केट कैप में इस दौरान 60 बिलियन डॉलर का इजाफा देखने को मिला ह. आंकड़ों को देखें तो 9 सितंबर को जब शेयर बाजार बंद हुआ था तब कंपनी का मार्केट कैप 3.47 ट्रिलियन डॉलर था, जोकि 18 सितंबर को कंपनी का मार्केट कैप 3.53 ट्रिलियन डॉलर पर आ गया. इसका मतलब है कि कंपनी के मार्केट कैप में 60 बिलियन डॉलर यानी 5.29 लाख करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला. जानकारों की मानें तो कंपनी के फोन को अच्छा रिस्पांस मिल रहा है. आने वाले दिनों में कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिल सकती है.

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी

एपल मार्केट कैप के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है. मौजूदा समय में कंपनी का मार्केट कैप 3.53 ट्रिलियन डॉलर पर है. जबकि कुछ समय पहले एपल दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी खिताब अपने नाम लिए हुए थी. लेकिन एआई कंपनी एनवीडिया के शेयरों में काफी जबदरस्त उछाल देखने को मिला है. जिसके बाद कंपनी का मार्केट कैप 4 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच गया और दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी बन गई है. अब एपल और एनवीडिया के मार्केट कैप में काफी बड़ा फासला देखने को मिल रहा है. ऐसे में एपल को फिर से नंबर 1 कंपनी बनने में वक्त लग सकता है.

सेबी की क्लीन चिट के बाद

महुआ की पोस्ट पर बोले अडानी ग्रुप के सीएफओ

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)।अडानी ग्रुप को हिंडनबर्ग रिसर्च की ओर से लगाए गए आरोपों को सेबी ने खारिज कर दिया है. मार्केट रेगुलेटर ने गौतम अडानी को इस मामले में क्लीन चिट दे दी है. इस पर तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि वाउ! सेबी इंडिया ने अडानी ग्रुप को क्लीन चिट दे दी है. विश्वास नहीं हो रहा है. इसकी उम्मीद कभी नहीं थी. जिस पर अडानी ग्रुप के सीएफओ ने मजाकिया अंदाज में रिप्लाई किया है. महुआ मोइत्रा ने 19 सितंबर 2025 की सुबह को एक्स अपने पोस्ट में सेबी के फैसले पर तंज कसते हुए लिखा कि क्या यह वास्तव में हो गया है. उसी पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए अडानी ग्रुप के सीएफओ जुगेशिंदर रॉबी सिंह ने कहा कि माननीय सांसद महोदया को पूजा फेस्टिवल की हार्दिक शुभकामनाएं. ग्रुप के सीएफओ की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है.नियामक ने कहा कि अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट्स या समूह की अन्य कंपनियों द्वारा धोखाधड़ी, बाजार में हेरफेर या अंदरूनी व्यापार का कोई सबूत नहीं मिला है. सेबी के 350 पन्नों के आदेश में यह निष्कर्ष निकाला गया कि जिन सभी लेन-देनों की जांच की गई, वे उस समय लागू कानूनों के अनुरूप थे और उन्हें धोखाधड़ी और अनुचित व्यापार व्यवहार निषेध नियमों के उल्लंघन के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता है. इस फैसले के बाद के बाद शुक्रवार को अडानी के शेयरों में तगड़ी तेजी देखने को मिल रही है.अडानी ग्रुप के चेयरमैन ने कहा हिंडनबर्ग की ओर से लगाए गए सारे आरोप आधारहीन थे. उन्होंने कहा कि विस्तृत जांच के बाद, सेबी ने उस बात की पुष्टि की है जो हम हमेशा से कहते आए हैं कि हिंडनबर्ग के दावे निराधार थे. ट्रांसपैरेंसी और ईमानदारी हमेशा से अडानी ग्रुप की पहचान रही है. अडानी ने कहा कि हम उन निवेशकों का दर्द गहराई से महसूस करते हैं जिन्होंने इस धोखाधड़ी और गलत इरादे से पेश रिपोर्ट के कारण अपने पैसे गंवा दिए.

क्या 22 सिंतबर से बढ़ जाएंगे एलपीजी सिलेंडर के दाम?

घरेलू गैस की कीमतों पर कितना पड़ेगा असर

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)।जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में बड़े बदलाव किए गए हैं। हानिकारक वस्तुओं को छोड़कर सभी उत्पादों को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दर में लाया गया है। साथ ही कई आवश्यक वस्तुओं पर कर को शून्य करने का निर्णय लिया गया है। ये बदलाव 22 सितंबर को नवरात्र के पहले दिन से लागू होंगे। इन सबके बीच बड़ा सवाल यह है कि क्या इन बदलावों का सिलेंडर की कीमत पर असर पड़ेगा।

एलपीजी पर लगने वाली जीएसटी में बदलाव नहीं

बता दें कि 3 सितंबर को हुई जीएसटी परिषद की बैठक में एलपीजी पर लगने वाले जीएसटी में कोई बदलाव नहीं किया गया है। 22 सितंबर से लागू हो रही दरों में भी घरेलू और कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की जीएसटी दरें पहले जैसी ही रहेंगी। इसका मतलब है कि नागरिकों को सिलेंडर पर पहले जितनी ही कीमत चुकानी पड़ेगी।

घरेलू और कॉमर्शियल एलपीजी पर अलग-अलग लगता है जीएसटी

क्या आप जानते हैं कि घरेलू और व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों पर जीएसटी दरें अलग-अलग होती हैं। घरेलू उपयोग के लिए सब्सिडी और गैर-सब्सिडी दोनों तरह के सिलेंडरों पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगता है। होटल, ढाबे, रेस्टोरेंट, फूड ट्रक, मेस किचन और इंडसट्रियल हीटिंग जैसे कॉमर्शियल उपयोग पर 18 प्रतिशत जीएसटी देना होता है।

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन बाजार में गिरावट

सेंसेक्स 387 अंक टूटा, निफ्टी 25400 के नीचे

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। शुक्रवार को भारतीय बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली से तीन दिन से जारी तेजी का सिलसिला थम गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 387.73 अंक या 0.47 प्रतिशत गिरकर 82,626.23 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 528.04 अंक या 0.63 प्रतिशत गिरकर 82,485.92 अंक पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 96.55 अंक या 0.38 प्रतिशत गिरकर 25,327.05 अंक पर बंद हुआ।सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से पिछड़ गए। वहीं अडानी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, एसबीआई, एनटीपीसी और सन फार्मा लाभ में रहे। गौतम अदाणी के शेयरों में आई 13 प्रतिशत तेजी बाजार नियामक सेबी द्वारा अरबपति गौतम अदाणी और उनके समूह को अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए स्टॉक हेरफेर के आरोपों से मुक्त करने के बाद अदाणी पावर, अदाणी टोटल गैस, अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी एंटरप्राइजेज और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस सहित अदाणी समूह के सभी शेयरों में 13 प्रतिशत तक की तेजी आई।सेबी की जांच में पाया गया कि समूह की कंपनियों के बीच फंड ट्रांसफर किसी भी विनियमन के दायरे में नहीं आया।शुक्रवार को विश्व शेयर बाजार में मिलाजुला रुख रहा, अधिकांश एशियाई शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। वहीं वॉल स्ट्रीट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद यूरोपीय सूचकांक में तेजी दर्ज की गई। निवेशकों ने बैंक ऑफ जापान, फेडरल रिजर्व और बैंक ऑफ इंग्लैंड सहित हाल के मौद्रिक नीति निर्णयों का आकलन किया। एसएंडपी 500 के वायदे में 0.1 प्रतिशत से कम की गिरावट आई। जापान का निक्केई 225 बढ़त से गिरावट में चला गया और लगभग 0.6 प्रतिशत की गिरावट के साथ 45,045.81 पर बंद हुआ। चीनी बाजारों में, हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 0.1 प्रतिशत से भी कम की गिरावट के साथ 26,537.97 पर और शंघाई कंपोजिट सूचकांक 0.1 प्रतिशत से भी कम की गिरावट के साथ 3,829.34 पर बंद हुआ। दक्षिण कोरिया का कोस्पी लगभग 0.5 प्रतिशत गिरकर 3,445.24 पर आ गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.55 प्रतिशत गिरकर 67.07 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

भारत की ताकत पर फिर लगी मुहर

5 महीने में तीसरी बार दुनिया ने माना लोहा, ट्रंप को मिला जवाब

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। दुनिया ने भारत की अर्थव्यवस्था पर फिर भरोसा जताया है। जापानी रेटिंग एजेंसी रेटिंग एंड इन्वेस्टमेंट इंफॉर्मेशन , इंक. ने भारत की सॉवरेन रेटिंग बढ़ा दी है। इसे 'बीबीबी' से बढ़ाकर 'बीबीबी+' कर दिया है। यह अपग्रेड भारत के लिए बड़ी उपलब्धि है। इससे पता चलता है कि दुनिया भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था और समझदारी भरे वित्तीय प्रबंधन को मान रही है। एस एंड पी ने अगस्त 2025 में और मॉर्निंगस्टार डीबीआरएस ने मई 2025 में भी भारत की रेटिंग बढ़ाई थी। इन तीन रेटिंग एजेंसियों की ओर से भारत की रेटिंग में बढ़ोतरी वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की विकास संभावनाओं पर भरोसा दिखाता है। सरकार का कहना है कि वह समावेशी विकास और वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को करारा जवाब है। ट्रंप ने भारत की अर्थव्यवस्था को हाल में 'डेड इकॉनमी' बताया था। भारत सरकार ने जापानी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आर एंड आई की ओर से भारत की लॉन्ग टर्म सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को 'बीबीबी' से 'बीबीबी+' करने के फैसले का स्वागत किया है। एजेंसी ने भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए 'स्टेबल' आउटलुक बनाए रखा है। यह इस साल तीसरा मौका है जब किसी सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारत की रेटिंग बढ़ाई है। इससे पहले, एस एंड पी ने अगस्त 2025 में रेटिंग को 'बीबीबी-' से 'बीबीबी' किया था। मॉर्निंगस्टार डीबीआरएस ने मई 2025 में रेटिंग को 'बीबीबी ' से 'बीबीबी' किया था। यह भारत की स्थिति को दुनिया की सबसे गतिशील और लचीली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में फिर से स्थापित करता है। आर एंड आई की भारत सॉवरेन रेटिंग समीक्षा के अनुसार, रेटिंग में बढ़ोतरी भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था के कारण हुआ है। भारत दुनिया की सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। ऐसा देश की युवा आबादी, मजबूत घरेलू मांग और अच्छी सरकारी नीतियों के कारण है। आर एंड आई की रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार ने टैक्स से होने वाली अच्छी कमाई और सब्सिडी को कम करके वित्तीय स्थिति को सुधारा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
सूर्योदय 06-06, सूर्यास्त 18-10

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या	कन्या--	05-55 बजे
चन्द्र	सिंह	तुला----	08-01 बजे
मंगल	तुला	वृश्चिक...	10-11 बजे
बुध	कन्या	धनु......	12-24 बजे
गुरु	मिथुन	मकर...	14-30 बजे
शुक्र	सिंह	कुंभ....	16-21 बजे
शनि	मीन	मीन....	17-59 बजे
राहु	कुंभ	मेष.....	19-35 बजे
केतु	सिंह	वृष....	21-20 बजे
		मिथुन..	23-20 बजे
		कर्क...	01-33 बजे
		सिंह---	03-45 बजे

दिशाशूल- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी 00-17 तक उपरान्त अमावस्या
मास- आश्विन कृष्ण ,शनिवार 20 September
नक्षत्र- मघा 08-05 तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - साध्य 20-06 तक शुभ
करण- विष्टी (भद्रा) 11-53 तक उप शकुनि
विशेष:- चतुर्दशी श्राद्ध
व्रत -त्योहार दग्धशस्त्रादिहतानां श्राद्ध

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 09-08 से 10-36 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06-06 - 07-37	अशुभ	लाभ	18-10 - 19-42	शुभ
शुभ	07-37 - 09-08	शुभ	उत्पात	19-42 - 21-11	अशुभ
रोग।।	09-08 - 10-38	अशुभ	शुभ	21-11 - 22-40	शुभ
उत्पात	10-38 - 12-09	अशुभ	अमृत	22-40 - 00-09	शुभ
चंचल	12-09 - 13-40	शुभ	चंचल	00-09 - 01-39	शुभ
लाभ	13-40 - 15-11	शुभ	रोग	01-39 - 03-08	अशुभ
अमृत	15-11 - 16-42	शुभ	काल	03-08 - 04-37	अशुभ
काल	16-42 - 18-10	अशुभ	लाभ	04-37 - 06-06	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला,ली, लू, ले,लो, अ,)
आप अपने आस पास बदलाव लाने के लिए उत्साह से भरे हैं । लेकिन आपके लिए शांति से बैठकर यह सोचना अच्छा रहेगा कि क्या बदलाव की कोई जरुरत भी है ? अब जबकि आप अपनी परियोजनाओं को आगे बढाने की तैयारी कर रहे हैं,बेहतर होगा कि आप ये परियोजनाएं अपने लिए किसी और को चुनने दें । आप आज दृढ निश्चय से भरे रहेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आप बहुत अच्छे निर्णायक हैं और सब चीजों का आसानी से विश्लेष्ण कर लेते हैं । आज आपको अपनी इस विशेषता के लिए खूब तारीफ मिलेगी । लोग अच्छी तरह काम करने के लिए आपकी और देखेंगे और आपसे सीखेंगे । आपको किसी खतरनाक जगह पर यात्रा करने की जरूरत सम्बन्धी सूचना मिलेगी । घबराएं नही,यह यात्रा छोटी सी होगी ।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी । अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें । आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं । आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं और सबकी जरूरतों का ध्यान रखने के कारण आपकी लोकप्रियता भी है ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खूब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें । अपने कार्यकर्म की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये ।

सिंह (मा, मी ,मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,)
आप आज अपने परिवहन के साधन से परेशान हो सकते हैं । अगर कहीं किसी महत्वपूरण काम के लिए जाना है तो अपने लिए वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था कर लें और कोई बैकअप योजना तैयार रखें । आज आप किसी भीतरी उलझन से परेशान हैं,लेकिन शांति बनाये रखें,यह समय जल्दी ही बीत जायेगा । परिवार के साथ समय बिताएं ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज कोई अप्रत्याशित और काफी दबाव वाला काम मिलेगा लेकिन आप चिंता ना करें,आप आसानी से ओइसे पूरा कर लेंगे और आपको सबकी प्रशंसा भी मिलेगी । ऐसा हो सकता है कि घर पर अचानक बहुत सारे मेहमान आ जाएँ या बॉस आपको अंतिम समय पर कोई महत्वपूर्ण काम सौंप दें । स्थिति चाहे जो हो,आप बहुत अच्छे से संभल लेंगे ।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)
आज आप नए दोस्त बना सकते हैं और नए काम हाथ में ले सकते हैं । हमेशा की तरह अपने आप में यकीन बनाये रखें ।इससे आप अपने लिए हर तय मंजिल तक पहुच पायेंगे । भविष्य की योजनायें बनाने के लिए बहुत अच्छा समय है,लेकिन वित्तीय स्थिति का ध्यान रखें ,जरुरत पड़ने पर ही खर्च करें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी,यु,)
आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं । अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है । आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए । नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे ।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा ,फा, ढा, भे)
एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं । अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा । अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें । जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप जो भी करेंगे ,उसमे एक नयी उर्जा और नया लक्ष्य दिखाई देगा । आपकी बातचीत का स्तर अविश्वसनीय रूप से बेहतर हो गया है और आप ऐसे किसी व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जो आपकी जिंदगी को वित्तीय या आध्यात्मिक रूप से काफी प्रभावित करेगा ।आप खुद को ज्यादा अच्छे से समझ पायेंगे और इससे आपको जीवन की दिशा तय करने में मदद मिलेगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आपके आसपास आपका ध्यान और समय बांटने वाली बहुत सी गतिविधियाँ चल रही है। छोटी-मोटी बातों पर समय व्यर्थ ना करें । एकाग्र रहें,तभी आपको मुक्त ऊर्जा का प्रवाह अनुभव हो पायेगा । अगर आपको यह मिल गया तो आपकी जिन्दगी बन जायेगी । घबराएं नहीं,ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें । सफलता की कुंजी प्राथमिकताएं तय करने से मिलेगी।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे । यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं । टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी । आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सिंह राशि में शुक्र केतु की युति से इन 5 राशियों की हर दिन मनेगी दिवाली

9 अक्टूबर तक मिलेंगे फायदे ही फायदे

शुक्र ग्रह सिंह राशि में गोचर कर चुके हैं, जहां पहले से ही छाया ग्रह केतु विराजमान हैं। शुक्र ग्रहों के राजा सूर्य देव की राशि सिंह में 15 सितंबर को गोचर कर चुके थे और इस राशि में वह 9 अक्टूबर तक रहने वाले हैं। इसके बाद शुक्र ग्रह कन्या राशि में गोचर कर जाएंगे। ऐसे में सिंह राशि में शुक्र और केतु की बन रही खिचड़ी यानी युति द्विग्रही योग का निर्माण कर रही है। शुक्र-केतु युति और द्विग्रही योग राशियों के लिए लगभग 24 दिन तक बेहद फायदेमंद रहने वाली है। इन 5 राशियों को जीवन के हर क्षेत्र में फायदा मिलेगा और जिंदगी को एक नई दिशा की तरफ भी लेकर जाएगा। आइए जानते हैं सिंह राशि में शुक्र और केतु की युति से किन किन राशियों को लाभ मिलने वाला है...

सिंह राशि में शुक्र और केतु की युति

सिंह राशि में शुक्र और केतु की युति बेहद शुभ रहने वाली है क्योंकि दोनों ग्रहों के बीच संबंध बहुत अच्छे हैं। ज्योतिष के अनुसार, शुक्र ग्रह भौतिक सुख सुविधा, आनंद, धन, सुख, सौंदर्य, आकर्षण, प्रेम, दांपत्य जीवन और कला के कारक ग्रह हैं। वहीं केतु को आध्यात्मिकता और मोक्ष का कारक ग्रह माना गया है। दोनों की युति इन 5 राशि वालों को भौतिक सुख सुविधाओं के साथ आध्यात्म की ओर प्रेरित भी करेगी। आइए जानते हैं सिंह राशि में सूर्य और केतु की युति से क्या क्या लाभ होने वाले हैं...

शुक्र-केतु की युति का मिथुन राशि पर प्रभाव

शुक्र ग्रह आपकी राशि से तीसरे भाव में गोचर कर चुके हैं और आपकी राशि पांचवें और 12वें भाव का स्वामी भी है। शुक्र-केतु की युति से मिथुन राशि वालों को हर टेंशन से मुक्ति मिलेगी और परिवार के सदस्य भी काफी आनंद में दिखाई देंगे, जिससे आपका मन भी काफी प्रसन्न होगा। पैसे के मामले में, आप देख सकते हैं कि आपके लाभ बढ़ते जाएंगे। आपके संबंधों के मामले में, आप और आपके जीवनसाथी एक साथ खुशहाल समय बिता सकते हैं और यादगार पल बना सकते हैं। इस समय आप अपने रिश्ते को सुधार सकते हैं और उनका विश्वास जीत सकते हैं। जहां तक आपके करियर की बात है, आपको ऑन-साइट प्लेसमेंट और नई नौकरी के अवसर या असाइनमेंट मिल सकते हैं। आर्थिक रूप से, आप अधिक पैसा बनाने और बचाने की अच्छी स्थिति में हो सकते हैं, साथ ही संपत्ति बनाने की संभावना भी है।

शुक्र-केतु की युति का सिंह राशि पर प्रभाव

शुक्र ग्रह आपकी राशि के लग्न भाव अर्थात पहले स्थान पर गोचर कर चुके हैं। इस दौरान सिंह राशि वालों के बिजनेस में अच्छी तरक्की होगी और आर्थिक लाभ भी बढ़ता जाएगा। केतु के प्रभाव की वजह से धर्म कर्म के कार्यों में आपका मन लगेगा और दान पुण्य के मामलों में धन खर्च भी हो सकता है। धन वृद्धि को लेकर बनाई गईं योजनाएं पूरी तरह कामयाब साबित होंगी और आपका बैंक बैलेंस भी बढ़ता जाएगा। घर के रिनोवेशन करवा सकते हैं और माता पिता के आशीर्वाद से संपत्ति में निवेश भी कर सकते हैं। शुक्र-केतु की युति से सिंह राशि वालों को टेंशन से मुक्ति मिलेगी और बुद्धि व समझदारी भी बढ़ती जाएगी।

शुक्र-केतु की युति का तुला राशि पर प्रभाव

शुक्र ग्रह आपकी राशि से 11वें भाव में गोचर कर चुके हैं और पहले व आठवें भाव का स्वामी भी हैं। इस दौरान तुला राशि वालों को आरोग्य की प्राप्ति होगी और संपत्ति में इजाफा भी देखने को मिलेगा। आपकी खुशियों में वृद्धि होगी और संतान का पूरा पूरा साथ मिलेगा, जिससे आप राहत की सांस ले पाएंगे। खुद का बिजनेस करने वालों को शुक्र ग्रह के प्रभाव से अच्छा फायदा होगा और बाजार में आपका सम्मान भी बढ़ेगा। कई अधिकारियों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे, जिससे आपके कई सरकारी कार्य पूरे होंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और घर के छोटे बच्चों को खेलता-कूदता देख मन भी प्रसन्न होगा। केतु के प्रभाव से तुला राशि वाले जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर भी जा सकते हैं।

शुक्र-केतु की युति का धनु राशि पर प्रभाव

शुक्र ग्रह आपकी राशि से नौवें भाव में गोचर कर चुके हैं। शुक्र और केतु की युति से धनु राशि वालों को बड़ी खुशी और बार-बार यात्रा करने का अवसर मिल सकता है। लव लाइफ की बात करें तो लव पार्टनर को पूरी तरह से समझने की क्षमता से आपके रिश्ते में अधिक सामंजस्य और संतुष्टि आ सकती है। कार्यस्थल पर आपके प्रयासों की सराहना की जाएगी, और आप पेशेवर करियर में बड़ा सम्मान प्राप्त कर सकते हैं। धनु राशि वालों की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी और आप नए योजनाओं पर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकेंगे। विवाहित लोगों के लिए यह समय अपने जीवनसाथी के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने के लिए आदर्श होगा। यह अवधि न केवल धन और सफलता लाएगी, बल्कि जीवन में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास भी भर देगी।

शुक्र-केतु की युति का कुंभ राशि पर प्रभाव

शुक्र ग्रह आपकी राशि से सातवें भाव में गोचर कर चुके हैं और चौथे व नौवें भाव के स्वामी भी हैं। शुक्र-केतु की युति से कुंभ राशि वालों की लव लाइफ में सुधार देखने को मिलेगा और अपने रिलेशनशिप को लेकर काफी सीरियस भी नजर आएंगे। व्यक्तिगत स्तर पर आप जीवनसाथी के साथ एक सौहार्दपूर्ण और सहायक संबंध बना सकते हैं, जिससे उनका विश्वास प्राप्त होगा। करियर के मामले में, आप काम के लिए यात्रा कर सकते हैं, जो संतोषजनक हो सकती है और प्रमुख उन्नति का कारण बन सकती है। इस अवधि के दौरान, आप नए व्यापारिक लेन-देन सुरक्षित कर सकते हैं और महत्वपूर्ण आय अर्जित कर सकते हैं।

सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या कल

श्राद्ध-तर्पण करने के लिए जरूरी चीजें

तांबे का चौड़ा बर्तन, जौ, तिल, चावल, गाय का कच्चा दूध, गंगाजल, सफेद फूल, पानी, कुशा घास, गाय के गोबर से बना कंडा, घी, खीर-पुड़ी, गुड़, तांबे का लोटा

घर पर ही श्राद्ध और तर्पण करने की विधि

- श्राद्ध करने की तिथि पर सुबह जल्दी उठें और नहाने के बाद पितरों की तृप्ति के लिए श्राद्ध और दान करने का संकल्प लें।
- दोपहर में करीब 12 बजे दक्षिण दिशा में मुंह करके बाएं पैर को मोड़कर, घुटने को जमीन पर टिका कर बैठें।
- तांबे के चौड़े बर्तन में जौ, तिल, चावल गाय का कच्चा दूध, गंगाजल, सफेद फूल और पानी डालें।
- हाथ में कुशा घास रखें और उस जल को हाथों में भरकर सीधे हाथ के अंगूठे से उसी बर्तन में गिराएं। इस तरह 11 बार पितरों का ध्यान करते हुए तर्पण करें।
- गाय के गोबर से बना कंडा जलाएं। कंडों से जब धुआं निकलना बंद हो जाए, तब अंगारों पर गुड़, घी और थोड़ी-थोड़ी खीर-पूरी अर्पित करें।
- हथेली में जल लेकर अंगूठे की ओर से पितरों का ध्यान करते हुए जमीन पर अर्पित करें।
- इसके बाद देवता, गाय, कुत्ते, कौए और चींटी के लिए अलग से भोजन निकाल लें।
- जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं। दान-दक्षिणा दें।

21 सितंबर को पितृ पक्ष की अंतिम तिथि है, इसे सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या कहते हैं। इसके बाद 22 तारीख से नवरात्रि शुरू हो जाएगी। पितृ पक्ष की अमावस्या पितरों के लिए धूप-ध्यान, पिंडदान, तर्पण आदि कर्म जरूर करना चाहिए। श्राद्ध के समय पितरों को जल और तिल आदि अर्पित करना चाहिए। पितृ पक्ष में और अमावस्या तिथि पर जरूरतमंद लोगों को भोजन कराना चाहिए। गरुड़ पुराण, विष्णु पुराण आदि में श्राद्ध, पिंडदान, दान आदि के नियम और उनके महत्व के बारे में बताया गया है।

सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या से जुड़ी मान्यताएं

इस दिन किए गए श्राद्ध से सभी ज्ञात और अज्ञात पूर्वजों को तृप्ति मिलती है। यदि किसी पूर्वज की मृत्यु तिथि ज्ञात न हो, तो इस दिन श्राद्ध करने से उनकी आत्मा भी तृप्त हो जाती है।

माना जाता है कि पितृ पक्ष में पितर देवता अपने-अपने वंशजों के घर पहुंचते हैं और सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या पर अपने धाम पितृ लोक लौट जाते हैं।

पितृ पक्ष में किए गए धूप-ध्यान से पितर देवता तृप्त होते हैं और अपने वंशजों को आशीर्वाद देते हैं। इनके आशीर्वाद से घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है, ऐसी मान्यता है।

अमावस्या पर नदी स्नान करने की भी परंपरा है। अगर नदी स्नान नहीं कर पा रहे हैं तो घर पर पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं।

इस तिथि पर सुबह जल्दी उठना चाहिए। घर की सफाई करें, घर में गौमूत्र का छिड़काव करें। घर के बाहर रंगोली बनाएं। सुबह घर के मंदिर में देवी-देवताओं की पूजा करें। दोपहर में करीब 12 बजे पितरों के लिए धूप-ध्यान करें। इस समय को कुतुप काल कहते हैं और पितरों के लिए धर्म-कर्म करने के लिए ये सबसे अच्छा समय माना जाता है।

तर्पण करने के लिए जल में तिल, जौ, कुश डालना चाहिए। इसके बाद हथेली में जल लेकर अंगूठे की ओर से पूर्वजों को जल अर्पित करना चाहिए।

चावल, तिल और अन्य चीजों से पिंड तैयार करके पितरों को अर्पित किए जाते हैं, इसे पिंडदान करना कहते हैं।

अधूरे ज्ञान की वजह से अश्वत्थामा को मिला शाप

किसी भी कार्य को अधूरे ज्ञान के साथ करना ठीक वैसा ही है जैसे अंधेरे में रास्ता तय करना, जहां हर कदम पर गिरने का खतरा बना रहता है। अधूरा ज्ञान न केवल असफलता की ओर ले जाता है, बल्कि ये अपने साथ ही दूसरों के लिए भी संकट खड़ा कर देता है। ये बात हम महाभारत के एक प्रसंग से समझ सकते हैं...

अधूरे ज्ञान की वजह से अश्वत्थामा को मिला शाप

महाभारत युद्ध के अंत में दुर्योधन ने मृत्यु से पहले अश्वत्थामा को कौरव पक्ष का सेनापति नियुक्त किया था। इसके बाद अश्वत्थामा ने पांडवों के पांच पुत्रों और कई अन्य योद्धाओं की हत्या कर दी। जब अर्जुन ने उसका पीछा किया, तो दोनों के बीच युद्ध शुरू हो गया। दोनों ही महान योद्धा और द्रोणाचार्य के शिष्य थे। इस युद्ध में अश्वत्थामा ने अर्जुन को मारने के लिए ब्रह्मास्त्र का संधान कर लिया। जवाब में अर्जुन ने भी ब्रह्मास्त्र का संधान किया। अगर ये दोनों ब्रह्मास्त्र आपस में टकरा जाते तो पूरी सृष्टि का विनाश हो सकता था। इसलिए वेदव्यास ने दोनों योद्धाओं को अपने-अपने ब्रह्मास्त्र वापस लेने का आदेश दिया।

अर्जुन ने तो तुरंत ब्रह्मास्त्र को वापस ले लिया, लेकिन अश्वत्थामा नहीं कर पाया, क्योंकि उसे ब्रह्मास्त्र को वापस लेने की विद्या का ज्ञान ही नहीं था। ये सुनकर वेदव्यास क्रोधित हो गए और कहा कि जिस विद्या का संपूर्ण ज्ञान तुम्हें नहीं है, उसका प्रयोग करना मूर्खता है। ये पूरे जगत के लिए विनाशकारी हो सकता है।

अश्वत्थामा ने ब्रह्मास्त्र का संधान कर लिया था और वह इसे वापस भी नहीं ले सकता था, तो उसने ब्रह्मास्त्र को उत्तरा के गर्भ पर छोड़ दिया था। अश्वत्थामा चाहता था कि उत्तरा के गर्भ में पल रहे शिशु के अंत के साथ पांडवों का वंश ही खत्म हो जाए। उस समय भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी माया से ब्रह्मास्त्र से उत्तरा और उसके गर्भ में पल रहे शिशु की रक्षा की। इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने अश्वत्थामा को दंड देने के लिए उसके माथे पर लगी मणि निकाल ली और उसे कलियुग के अंत तक भटकते रहने का शाप दे दिया।

प्रसंग की सीख

अधूरे ज्ञान घातक होता है

अधूरा ज्ञान व्यक्ति को अहंकार देता है और अहंकार विनाश की ओर ले जाता है। अश्वत्थामा का प्रसंग यही बताता है कि किसी विषय की आधी-अधूरी जानकारी होना घातक होता है।

काम शुरू करने से पहले तैयारी आवश्यक है किसी भी काम में उतरने से पहले उसके हर पहलू को समझना जरूरी होता है। बिना तैयारी और गहराई से समझे बिना किया गया काम विफलता ही लाता है। काम शुरू करने से पहले पूरी तैयारी करनी चाहिए।

ज्ञान के साथ जिम्मेदारी भी जरूरी है

ब्रह्मास्त्र चलाना एक शक्ति है, लेकिन उसे नियंत्रित करना एक जिम्मेदारी। ज्ञान का उपयोग कब, कैसे और कितनी समझदारी से करना है, ये जानना भी जरूरी है। ज्ञान हासिल करने के साथ ही अपनी जिम्मेदारी को भी समझना चाहिए। कोई भी प्रोजेक्ट, नौकरी, या निर्णय लेने से पहले उसकी पूरी जानकारी हासिल करें। रिसर्च करें, अनुभवी लोगों से बात करें और फिर कार्य शुरू करें, तभी सफलता मिल सकती है।

सही मार्गदर्शक की तलाश करें

अर्जुन को वेदव्यास और श्रीकृष्ण जैसे मार्गदर्शक मिले, वैसे ही हमें भी जीवन में ऐसे लोगों की जरूरत होती है जो सही समय पर हमें दिशा दिखा सकें। सही मार्गदर्शन मिलेगा और उसे हम अपनाएंगे तो सफलता जरूर मिलेगी।

जो काम नहीं आता है, उसे सीखें, टालें नहीं

अगर किसी काम का कोई पक्ष समझ में नहीं आ रहा है, तो उसे नजरअंदाज न करें। सीखने की कोशिश करें। अधूरे ज्ञान के साथ आगे बढ़ना ठीक नहीं है। अधूरा ज्ञान जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही खतरनाक भी होता है। इसलिए जो भी काम करें, उसके हर पहलू को समझें, सीखें और फिर आगे बढ़ें। तभी आप जीवन में सफल बन पाएंगे।

माता सीता से संदर्भित पवित्र श्राद्ध कथाएं

भावना संजीव ठाकुर

श्राद्ध कर्म के द्वारा पित्रश्रृण से मुक्त हुआ जा सकता है इससे पितृ-गण वर्ष भर प्रसन्न रहते हैं। जानकी माता सीता द्वारा श्राद्ध की भावपूर्ण कथा प्रचलित हैं- श्री राम जी द्वारा गया जी के रूद्रपद पर पिंडदान किया गया तब दशरथ जी कृतार्थ हुए और उन्हें रुद्रलोक की प्राप्ति हुई थी उन्होंने श्री राम जी को समस्त अयोध्या वासियों सहित बैकुंठ धाम जाने का वर दिया था ।

माता सीता द्वारा दिया गया श्राद्ध भोज-

एक बार अयोध्या में श्री राम सीता द्वारा श्राद्ध के लिए ब्राह्मण भोज दिया गया , फलस्वरूप दूर दूर से ब्रम्णणों की टोलियां पधारने लगीं। शिव जी को जब श्राद्ध भोजन के संदर्भ में मालुम हुआ तो वे एक वृद्ध ब्राह्मण का रुप रख कर टोली में शामिल होकर अयोध्या पहुंच गए।

श्री राम जी उन विशिष्ट अतिथि को पहचान गए कि स्वयं शिव शंकर आए हैंलेकिनवहइसदौरान हमारी परीक्षा लेने ।श्री राम जी ने बड़े सम्मान पूर्वक वृद्ध ब्राह्मण के चरण धुलाकर आसन पर बैठाया ।उनको भोजन परोसा गया ,छोटे भाई लक्ष्मण जो भी परोसते वृद्ध ब्राह्मण एक ही ग्रास में ग्रहण कर लेते पत्तल में कुछ दिखता ही नहीं ,रुकता ही नहीं ,और भी सभासद आ गये जो पत्तल को भरने लग गए पर पत्तल खाली की खाली ही रहती गई। दूर खड़े श्री राम जी शिव जी की लीला देख मन ही मन रोमांचित हो रहे थे । बात फैलते फैलतै राज महल और माता सीता तक पहुंच गई,रसोई का संपूर्ण संचालन एवं नियंत्रण वे ही देख रही थीं। एक बूढा ब्राह्मण आया है ,जिसकी पत्तल मे खाना रुकता ही नहीं ,भोजन सामग्री क्षण भर में साफ हो जाती है । अब यह भोज प्रतिष्ठा का विषय बन गया ,लिए महल का पूरा भोजन और सामग्री समाप्त होने लगी,पर भगवान शिव शंकर तृप्त नहीं हुए। सीता माता चिंतित हो गईं तब श्रीराम जी ने माता अन्नपूर्णा पार्वती जी का आवाहन किया कि आप ही भगवान शंकर जी की क्षुधा शांत कर सकती हैं।

सभी परोसने वाले वहां से हटा दिये गए,माता अन्नपूर्णा वहां प्रगट हो गईं।श्रीराम जी ने माता अन्नपूर्णा से निवेदन किया कि इन्हें आपके अतिरिक्त और कोई तृप्त नहीं कर सकता है आप ही अपने स्वामी को भोजन कराइये।

अन्नपूर्णा माता ने भोजन पात्र अपने हाथ में लिया वैसे ही वह अक्षय पात्र बन गया अन्नपूर्णा माता विश्वनाथ को भोजन कराने लगीं,पत्तल में एक लड्डू परोसा ,शंकर जी खाते खाते तक गये, लड्डू समाप्त नहीं हुआ,माता ने दोबारा परोसना चाहा तो शंकर जी ने मना कर दिया।

शंकर जी ने डकार ली और हंसकर कहा -अन्नपूर्णा तुम्हें आना पड़ा,अब मैं तृप्त हो गया।

भगवान श्री कृष्ण से पक्षीराज गरूड़ ने पूछा लोग अपने पितर को मिल कर तरह तरह का भोजन कराते हैं, तो क्या उनके पित्र ,देवलोक से मृत्यु लोक में वह भोजन गृहण करने आते हैं?क्या उन्हें कोई देख सकता है।इसका क्या प्रमाण है । तब श्री कृष्ण जी ने देवी सीता का प्रसंग सुनाया था। माता सीता ने पुष्कर तीर्थ में श्राद्ध किया था तब उन्होंने अपने ससुर सहित तीन पितरों को आमंत्रित ब्राह्मणों के शरीर में देखा था। पिता की आज्ञा से श्रीराम लक्ष्मण सीता जी वनवास चले गए उन्हें ज्ञात हो गया था कि दुख में उनके पिता की मृत्यु भी हो गई है। जब श्री राम जी पुष्कर पहुंचे तो उन्होंने अपने पिता के निमित्त श्राद्ध किया इससे श्रेष्ठ अवसर हो ही नहीं सकता कि पिता का श्राद्ध पुष्कर में हो ।

श्री राम जी ने सभी शाक फल भोजन सामग्री की व्यवस्था की और माता सीता ने रसोई बनाई।

सम्पूर्ण विधी विधान के साथ वहां श्राद्ध हेतु ब्राह्मणों का आवाहन किया गया। सभी नेआसन गृहण कर लिया ,जो भोजन उपलब्ध था,वह पत्तल में परोसा गया,माता जानकी स्वयं व्यवस्था कर रही थीं ।

अचानक जानकी भोजन करते ब्राह्मण और श्रृषियों के बीच से निकलीं और तुरंत ही दूर चली गईं ,

जाकर वे घनी झाड़ियों लताओं के पीछे छिपकर बैठ गईं,यह सभी कृत्य श्री राम जी देख रहे थे ,उन्हें आश्चर्य भी हुआ ,वे ब्राह्मण, ऋषियों के भोजन सम्पन्न होने की प्रतीक्षा कर रहे थे।

शारदीय नवरात्रि के लिए पूजा घर में लाना है नया मंदिर?

शारदीय नवरात्रि का शुभारंभ 22 सितंबर सोमवार से हो रहा है। इस बार मां दुर्गा गज यानि हाथी पर सवार होकर धरती पर आ रही हैं। मां दुर्गा के स्वागत के लिए लोग अभी से तैयारी में लग गए हैं। शारदीय नवरात्रि की पूजा सामग्री और कलश सामग्री की लिस्ट बना रहे हैं तो कुछ लोग अपने घर नया मंदिर लाने की सोच रहे हैं, ताकि उसमें मां भगवती के साथ अन्य देवी और देवताओं की स्थापना कर सकें। लेकिन समस्या यह है कि पूजा घर के लिए नया मंदिर कब लाएं? 22 सितंबर को शारदीय नवरात्रि शुरू हो रही है तो लोग एक दिन पहले मंदिर लाने की सोच रहे हैं, लेकिन उस दिन सर्व पितृ अमावस्या है। ऐसे में सवाल यह है कि सर्व पितृ अमावस्या के दिन मंदिर घर ला सकते हैं या नहीं?

सर्व पितृ अमावस्या पर लाना शुभ या अशुभ

सर्व पितृ अमावस्या की तिथि

दृक पंचांग के अनुसार, सर्व पितृ अमावस्या की आश्विन अमावस्या तिथि 21 सितंबर को 12:16 ए एम से लेकर 22 सितंबर को 01:23 ए एम तक है। इस आधार पर देखा जाए तो सर्व पितृ अमावस्या 21 सितंबर को पूरे दिन है।

शारदीय नवरात्रि की पहली तिथि दृक पंचांग के अनुसार, शारदीय नवरात्रि की पहली तिथि यानि आश्विन शुक्ल प्रतिपदा तिथि 22 सितंबर को 01:23 ए एम से लेकर 23 सितंबर 02:55 ए एम तक है। ऐसे में शारदीय नवरात्रि की पहली तिथि 22 सितंबर को पूरे दिन है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों का विसर्जन होता है। इस दिन पितर पृथ्वी लोक से विदा होते हैं और अपने लोक यानि पितृ लोक वापस जाते हैं। ऐसे में सर्व पितृ अमावस्या के दिन शारदीय नवरात्रि के लिए अपने घर मंदिर लाना अशुभ होता है। अमावस्या के अवसर पर मंदिर लाना वर्जित है। ऐसा नहीं करना चाहिए।

पूजा घर के लिए नया मंदिर कब लाएं?

इस सवाल पर ज्योतिषाचार्य पाण्डेय कहते हैं कि पूजा घर के लिए मंदिर नवरात्रि के पहले दिन यानि 22 सितंबर सोमवार को लाएं। उस दिन मां दुर्गा का आगमन हो रहा है और ऐसे अवसर पर मंदिर लाना आपके घर के लिए शुभ फलदायी और मंगलकारी होगा।

उस मंदिर में आसन लगाकर अपने इष्ट देवी और देवता को स्थापित करें। कलश स्थापना करके शारदीय नवरात्रि की पूजा करें। मां शैलपुत्री की कृपा से आपके जीवन में सुख और समृद्धि आएगी।

50 साल की अमीषा पटेल ने बच्चों को लिया है गोद

कहा- पूरी क्रिकेट टीम पैदा करना चाहती थी, पर जिंदगी ने मर्दाना बना दिया

अमीषा पटेल ने खुलासा किया है कि उन्होंने कुछ बच्चों को चुपचाप गोद लिया है और उनकी पढ़ाई का खर्च उठा रही हैं। उन्होंने ये भी बताया कि वो पहले सोचती थीं कि इतने बच्चों को जन्म देंगी कि क्रिकेट टीम बन जाए। उन्होंने ये भी कहा कि जिंदगी ने उन्हें मर्दाना बना दिया।

अमीषा पटेल ने गोद लिए हैं बच्चे

'गदर' की सकीना यानी बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस अमीषा पटेल। वो 50 साल की हो गई हैं। पर उन्होंने अभी तक शादी नहीं की है। पर उन्होंने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्होंने कुछ बच्चों को चुपचाप गोद लिया है और वो उनकी पढ़ाई का खर्च उठा रही हैं।

अमीषा पटेल एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें बच्चे बहुत पसंद हैं। वो कहती हैं, 'मैं अपने भतीजों, भांजों, चचेरे भाई-बहनों के डायपर बदलती थी। उन्हें खाना खिलाती थी। सुलाती थी। और कहती थी कि मैं पूरी क्रिकेट टीम को जन्म दूंगी।

उस समय मेरी मां कहती थीं कि एक बच्चा पैदा करो, फिर देखेंगे, क्योंकि बच्चे पैदा करना और मां बनना बहुत मुश्किल होता है। मुझे बच्चों से बहुत लगाव है और मैं बच्चों से बहुत प्यार करती हूं।'

'कुछ बच्चों को चुपचाप लिया है गोद'

'कहो ना प्यार है' एक्ट्रेस ने आगे खुलासा किया, 'लेकिन मैंने हमेशा अनाथ बच्चों के बारे में सोचा है। सोचा है कि उन्हें घर देना कितना खूबसूरत होगा। इसलिए मैंने चुपचाप कुछ बच्चों को गोद लिया और उन्हें पता भी नहीं चलता कि मैंने उन्हें गोद लिया है। मैं साइलेंटली उनकी एजुकेशन का खर्च उठाती हूं। मैं उन्हें बेहतर लाइफ देने के लिए चाहे वो मेडिकल हो या फिर एजुकेशन, हर संभव तरीके से पाल रही हूं। एक बच्चे का आपके साथ बड़ा होना एक बड़ी जिम्मेदारी है। यही वजह है कि मेरे पास कोई पालतू जानवर भी नहीं है।'

'बच्चे नहीं हैं, इसलिए बैग्स हैं'

अमीषा ने आखिरी में कहा, 'मेरे बच्चे नहीं हैं, इसलिए मेरे पास बैग्स हैं। मैं 16 साल की उम्र से बैग इकट्ठा कर रही हूं। मैं अपनी मां और आंटियों को बैग कलेक्ट करते हुए देखा है। हमारा परिवार बहुत अच्छे कपड़े पहनने वाला है। उन्हें एक्सेसजरी बहुत पसंद है। मैं ये बचपन में देखा है और इसलिए मुझे बैग्स से ये लगाव हो गया।' मालूम हो कि अमीषा ने फराह खान के व्लॉग में अपने सारे बैग का कलेक्शन दिखाया था और बताया था कि उनके पास 300-400 ब्रांडेड बैग हैं।

'जिंदगी ने मुझे मर्दाना बना दिया'

उन्होंने आगे कहा, 'जब मैं 5-6 साल की थी, तब भी मेरे जूते और बैग हमेशा मैचिंग होते थे। मेरे पास परफ्यूम की शीशी और कंघी होती थी। मैं हमेशा फैमिनिन थी, लड़कियों वाली थी, लेकिन जिंदगी ने मुझे मर्दाना बना दिया।'

थलापति विजय की सुरक्षा में चूक, पेड़ से चढ़कर छत पर उतरा शख्स, एक्टर ने देखा तो बुलाई पुलिस

तमिल सुपरस्टार और राजनेता थलापति विजय के चेन्नई स्थित आवास पर शुक्रवार को एक बड़ी सुरक्षा चूक हुई। नीलांकरै पुलिस अधिकारियों के अनुसार, 24 वर्षीय अरुण नामक एक व्यक्ति कथित तौर पर तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) पार्टी के नेता और अभिनेता थलापति विजय के चेन्नई के बाहरी इलाके स्थित आवास में घुस गया। इसके बाद बम निरोधक दस्ते ने अभिनेता के आवास की गहन जांच की। हैरानी की बात ये है कि व्यक्ति दो दिन पहले पेड़ पर चढ़कर अभिनेता की छत पर पहुंचा था। दो दिन से अनजान व्यक्ति वहां पर ही था।

दो रात पहले छत पर पहुंचा था व्यक्ति

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, ये व्यक्ति दो रात पहले एक पेड़ पर चढ़कर विजय की छत पर घुस आया था। जब विजय अपनी छत पर पहुंचे, तब उन्होंने वहां उस युवक को देखा। विजय ने तुरंत कथित घुसपैठिए को नीचे उतारा और नीलांकरै पुलिस को सूचित किया। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को गिरफ्तार कर थाने ले गई। पूछताछ करने पर पता चला कि मदुरंतकम निवासी राजा का बेटा अरुण मानसिक रूप से विक्षिप्त लग रहा था। इसके बाद कथित घुसपैठिए को इलाज के लिए किलपौक के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

'कलियों का चमन' से चमकीं मेघना नायडू बी ग्रेड फिल्मों में करना पड़ा काम

मनोरंजन जगत में कई ऐसी अभिनेत्रियां रही हैं जिन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई, जैसे 'कांटा लगा' गर्ल शेफाली जरीवाला। इसी कड़ी में एक और नाम शामिल है मेघना नायडू का। 2000 के दशक की शुरुआत में उनकी ग्लैमरस छवि और डांसिंग टैलेंट ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया। 'कलियों का चमन' रीमिक्स म्यूजिक वीडियो ने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया। इसके बाद उन्होंने कई बी ग्रेड फिल्मों में काम किया। हालांकि, कुछ साल बाद वह अचानक गायब हो गईं और आजकल सिनेमाई दुनिया में बहुत कम नजर आती हैं। आज 19 सितंबर को मेघना नायडू अपना 45वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास दिन पर चलिए हम जानते हैं अभिनेत्री के सफर के बारे में।

मां शिक्षिका, तो पिता टेनिस कोच थे

मेघना नायडू का जन्म 19 सितंबर 1980 को विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में हुआ था। उनके पिता एथिराज एक टेनिस कोच थे और मां पूर्णिमा स्कूल में शिक्षिका थीं। हालांकि मेघना ने बीकॉम की पढ़ाई के बाद भारतनाट्यम डांस सीखा, जिसने उनके डांसिंग कला को निखारने का काम किया। साथ ही एक्ट्रेस ने चार साल तक अमेरिका में टेनिस भी सीखा था।

'कलियों का चमन' ने रातों-रात बनाया स्टार

मेघना नायडू ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग और विज्ञापनों से शुरू किया। हालांकि उन्हें असली पहचान लता मंगेशकर के सुपरहिट सॉन्ग 'थोड़ा रेशम लगता है' के रीमिक्स वर्जन 'कलियों का चमन तब खिलता है...' से मिली, जो साल 2002 में रिलीज हुआ था। इस गाने में अभिनेत्री की बोल्डनेस अदाओं और ठुमकों ने दर्शकों को दीवाना बना दिया था। इतना ही नहीं इसने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया था। फिर क्या एक्ट्रेस को कई फिल्मों के ऑफर मिलने लगे।

बी ग्रेड फिल्मों में रखा कदम

'कलियों का चमन' से सुर्खियां बटोरने के बाद मेघना नायडू ने साल 2003 में बॉलीवुड में डेब्यू किया। उन्होंने अपने करियर की पहली फिल्म 'हवस' की, जो बी ग्रेड की फिल्म थी। हालांकि, ये फिल्म ज्यादा चल नहीं पाई, लेकिन इसने अभिनेत्री को बोल्ड और हॉट एक्ट्रेस के रूप में स्थापित करने का काम किया। इसके बाद उन्होंने 2005 में 'क्लासिक डांस ऑफ लव' फिल्म में मुख्य भूमिका निभाई।

इन बॉलीवुड फिल्मों में नजर आईं मेघना ,

अभिनेत्री ने अपने हिंदी सिनेमा करियर में कई फिल्मों में काम किया है। इन फिल्मों के नाम हैं 'इश्क दीवाना', 'लव एट फर्स्ट साइट', 'रिवाज', 'बैड फ्रेंड' और 'जैकपॉट- द मनी गेम', 'पहली नजर में प्यार' और 'रिवाज' आदि। आपको बताते चलें कि मेघना नायडू को आखिरी बार साल 2016 में रिलीज हुई 'क्या कूल हैं हम 3' में देखा गया था, जिसमें उन्होंने मासी का किरदार निभाया था।

साउथ फिल्मों में भी कमाया नाम

हिंदी फिल्मों के अलावा मेघना नायडू ने साउथ फिल्मों में भी काम किया है। एक्ट्रेस ने साल 2002 में तमिल फिल्म 'पृथ्वी नारायण' से साउथ में डेब्यू किया था। अभिनेत्री ने सिर्फ तमिल ही नहीं तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और बंगाली फिल्मों में भी एक्टिंग की है। एक्ट्रेस को आखिरी बार साल 2024 में मराठी भाषा की ड्रामा फिल्म 'सुर लागू दे' में देखा गया था।

टीवी की दुनिया में किया कमाल

फिल्मों के अलावा मेघना नायडू टीवी सीरियल्स और रियलिटी शोज में भी नजर आ चुकी हैं। अभिनेत्री 'खतरों के खिलाड़ी सीजन-1' की कंटेस्टेंट रह चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने डांस रियलिटी शो 'डांसिंग क्वीन' में भी हिस्सा लिया था। इतना ही नहीं, एक्ट्रेस टीवी सीरियल 'जोधा अकबर', 'अदालत', 'ससुराल सिमर का' और 'महारक्षक आर्यन' में भी नजर आ चुकी हैं।

मेघना नायडू का व्यक्तिगत जीवन

मेघना नायडू ने 2011 में टेनिस खिलाड़ी लुइस मिगुएल रीस को डेटिंग करना शुरू किया था। इसके बाद उन्होंने 12 दिसंबर 2016 को उनसे शादी कर ली थी। अब वे दुबई में रहती हैं और काम के लिए भारत आती रहती हैं।

'या अली' फेम सिंगर जुबिन गर्ग की दुर्घटना में मौत

बॉलीवुड के फेमस सिंगर जुबिन गर्ग के मौत की खबर से इस वक्त पूरी इंडस्ट्री में शोक की लहर है। उनकी मौत सिंगापुर में एक एक्सिडेंट की वजह से उस घटना के बाद हो गई जब वो स्कूबा डाइविंग के लिए पानी में उतरे थे। इंजॉय और एडवेंचर के लिए समंदर में उतरे सिंगर के लिए ये उनका एक बुरा सपना बनकर रह गया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिंगापुर पुलिस ने सिंगर को समुद्र से निकाला और पास के एक अस्पताल में उन्हें भर्ती किया गया। काफी ट्रीटमेंट और डॉक्टरों की देखभाल के बावजूद, वो उन्हें बचा नहीं पाए। जुबिन 52 साल के थे।

'स्कूबा डाइविंग' के दौरान लगी चोटों की वजह से मौत

बताया जा रहा है कि 'स्कूबा डाइविंग' के दौरान लगी चोटों की वजह से उनकी डेथ हो गई। खबर है कि जुबिन नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल में भाग लेने के लिए सिंगापुर पहुंते थे, जहां उन्हें 20 सितंबर को परफॉर्म भी करना था। उनके मौत की खबर ने उनके परिवार, अपनों के साथ-साथ असम के लोगों और दुनिया भर में मौजूद उनके फैन्स को एक बड़ा सदमा पहुंचाया है।

बॉलीवुड में काम करने के लिए 1995 में मुंबई पहुंचे

असम के इस कलाकार की दुखद खबर सुनकर दुनिया भर से फैन्स शोक जता रहे हैं। साल 1995 के दौरान गर्ग बॉलीवुड में काम करने के लिए मुंबई चले गए जहां उन्होंने अपना पहला इंडीपॉप सिंगल एल्बम 'चांदनी रात' शुरू किया था। बाद में, उन्होंने कुछ हिंदी एल्बम और रीमिक्स गाने रिकॉर्ड किए जिसमें 'चंदा' (1996), 'जलवा' (1998), 'यही कभी' (1998), 'जादू' (1999), 'स्पर्श'

(2000), आदि शामिल थे। उन्होंने 'गद्दार' (1995), 'दिल से' (1998), 'डोली सजा के रखना' (1998), 'फिजा' (2000), 'कांटे' (2002) जैसी फिल्मों के लिए भी गाने गाए।

सबसे बड़ा ब्रेक फिल्म 'गैंगस्टर' से मिला था

बताते चलें कि उन्हें बॉलीवुड में सबसे बड़ा ब्रेक फिल्म 'गैंगस्टर' से मिला, जहां उन्होंने 'या अली' गाना गाया था। जुबिन असमिया, हिन्दी, बंगाली, कन्नड़, उड़िया, तमिल, तेलेगु, पंजाबी, नेपाली, मराठी और मलयालम फिल्मों में भी गा चुके हैं। वे असम के जोरहाट से थे। जुबिन गर्ग को असम और पश्चिम बंगाल में एक रॉकस्टार माना जाता रहा है।

तीन साल पहले भी बाथरूम में गिर गए थे, मिर्गी का दौड़ा पड़ा था

इससे पहले साल 2022 में भी जुबिन अपने होटल रूम के बाथरूम में गिर गए थे जिस वजह से उनके सिर में चोटें आई थीं। तब जुबिन गर्ग असम में थे और उन्हें तुरंत ही वहां के डिब्रूगढ़ स्थित संजीवनी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था जिसके बाद उन्हें एयरलिफ्ट कराया गया था।

उनका सीटी स्कैन किया गया था और पता लगा कि उन्हें मिर्गी का दौड़ा पड़ा था, जिसके कारण वह बेहोश होकर गिर गए थे।

टीवी के सबसे अमीर पति-पत्नी की 125 करोड नेट वर्थ एक-दूसरे को गिफ्ट किया मालदीव में विला

हम जिस टीवी के फेमस कपल के बारे में आज बात कर रहे हैं वो वाकई बहुत रईस हैं। पति कोयले का व्यापार करते हैं और पत्नी टीवी के टॉप शो की हीरोइन रह चुकी हैं। दोनों की नेट वर्थ 125 करोड़ है। ये कपल 14 दिसंबर, 2021 को मुंबई में एक भव्य समारोह में शादी के बंधन में बंध गए। उनकी शादी का जश्न तीन दिनों तक चला और इसमें मेहंदी, सगाई, हल्दी, संगीत, रिसेप्शन और शादी समारोह सहित छह रस्में हुईं। इस कपल के बारे में जितना बताया जाए कम है। जानिए हम किसके बारे में बात कर रहे हैं।

अंकिता और विक्की की शादी भव्य

अंकिता लोखंडे और विक्की जैन की शादी न केवल भव्य समारोहों, बल्कि शानदार तोहफों से भी भरपूर रही। खबरों के अनुसार, विक्की ने अंकिता को मालदीव में 50 करोड़ रुपये की कीमत का एक आलीशान विला तोहफे में दिया।

अंकिता ने पति को गिफ्ट की यॉट

बदले में, अंकिता ने विक्की को 8 करोड़ रुपये की कीमत का एक यॉट तोहफे में दिया। ये शानदार गिफ्ट बहुराष्ट्रीय कंपनियों के कई बड़े अधिकारियों की वार्षिक आय से भी अधिक महंगे हैं।

विक्की को बिजनेस में सफलता हासिल

विक्की जैन एक बेहद सफल बिजनेसमैन हैं जिनके पास एमबीए की डिग्री और बिजनेस का अनुभव है। वे महावीर इंस्पायर ग्रुप के प्रबंध निदेशक हैं, जो एक विविध कंपनी है जो कोयला व्यापार, वाशरी संचालन, लॉजिस्टिक्स, बिजली उत्पादन, हीरे और रियल एस्टेट सहित कई चीजों में कार्यरत है। उनकी सूझबूझ ने बिजनेस के विकास और सफलता में खास भूमिका निभाई है।

विक्की जैन की पढ़ाई-लिखाई

विक्की जैन ने सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डिग्री ली और उसके बाद जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज से एमबीए किया। वे एक धनी व्यवसायी परिवार से हैं, जहां उनके माता-पिता, विनोद कुमार जैन और रंजना जैन, दोनों ही अपने-अपने व्यवसायों में सफल रहे हैं।

कोयले की फैक्ट्री के हैं मालिक

विक्की जैन जांजगीर में कोल वाशरी के मालिक हैं, जिनका अनुमानित कारोबार लगभग 100 करोड़ रुपये का है। उनके परिवार का व्यवसाय महावीर बिल्डर्स एंड प्रमोटर्स के नाम से रियल एस्टेट में भी फैला हुआ है। इसके अलावा, वे बॉक्स क्रिकेट लीग (बीसीएल) टीम, मुंबई टाइगर्स के भी मालिक थे।

अंकिता लोखंडे की नेट वर्थ

अंकिता लोखंडे टीवी सीरियल्स, ऐड्स और सोशल मीडिया से कमाई करती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह यूट्यूब से सालाना लगभग 24-36 लाख रुपये और इंस्टाग्राम से लगभग 20-30 लाख रुपये कमाती हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अंकिता की कुल नेट वर्थ 25 करोड़ रुपये हैं।

विक्की जैन की नेट वर्थ

विक्की जैन बॉक्स क्रिकेट लीग टीम- मुंबई टाइगर्स के सह-मालिक भी हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्की जैन की अनुमानित कुल नेट वर्थ लगभग 100 करोड़ रुपये है। टेलीविजन इंडस्ट्री के सबसे अमीर सेलिब्रिटी कपल्स में से एक अंकिता लोखंडे और विक्की जैन की कुल मिलाकर नेट वर्थ 125 करोड़ रुपये हैं।

गोविंदा ने अंधविश्वास के कारण छोड़ दी थी फ्लाइट : हिमानी शिवपुरी

गोविंदा के अंधविश्वासी होने को लेकर कई साल से कई बातें सुनने को मिलती रही हैं। अब एक खुलासा एक्ट्रेस हिमानी शिवपुरी ने किया है, जो एक्टर संग कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। हिमानी शिवपुरी ने बताया कि एक बार गोविंदा ने फ्लाइट में चढ़ने से इनकार कर दिया था और वापस घर चले गए थे। यह सब गोविंदा ने अंधविश्वास के कारण किया था, और तब अरुणा ईरानी को एक्टर के घर जाकर उन्हें वापस साथ लाना पड़ा था।

हिमानी शिवपुरी ने एक इंटरव्यू में बताया कि कैसे गोविंदा अंधविश्वास के आधार पर फैसले लेते थे। दोनों ने 'साजन चले ससुराल', 'हीरो नंबर वन', 'जिस देश में गंगा रहता है', 'हद कर दी आपने', 'एक और एक ग्यारह' और 'जोड़ी नंबर वन' जैसी कई फिल्मों में साथ काम किया।

हिमानी शिवपुरी ने सुनाया गोविंदा के अंधविश्वास का किस्सा

हिमानी शिवपुरी बोलीं, 'उनके (गोविंदा) साथ काम करना बहुत अच्छा था, लेकिन किसी तरह चीजें थोड़ी पटरी से उतर गईं। वह मुहूर्तों और अपने पंडितों द्वारा बताए गए सही और गलत समय पर विश्वास करने लगे। हम एक शूटिंग के लिए हैदराबाद जा रहे थे, और अरुणा ईरानी प्रोड्यूसर थीं। मैं, रवीना टंडन, अरुणा और डायरेक्टर कुकू कोहली सभी वहां पहुंचे, और हमें पता चला कि गोविंदा गायब हैं। वह फ्लाइट में बैठे ही नहीं।'

घबरा गए डायरेक्टर, अरुणा ईरानी गई थीं गोविंदा को लाने

हिमानी ने आगे कहा, कुकू घबराकर कहने लगे कि ची-ची (गोविंदा) कहां है? लेकिन अरुणा ने उन्हें शांत किया और कहा कि आप लोग जाओ, मैं उसे लेकर आती हूं। वह गोविंदा के घर गईं और उन्हें शाम की फ्लाइट से शूटिंग के लिए ले आईं। मुझे सचमुच नहीं पता कि उनके साथ क्या हुआ। शायद किसी ने उनसे कहा होगा कि यह काम करने का सही समय नहीं है। लेकिन वह हमेशा मेरे साथ सम्मान से पेश आते थे और उनके साथ काम करना बहुत मजेदार था।'

सेट पर ज्योतिषी को बुलाते थे गोविंदा!

गोविंदा के अंधविश्वासी होने के कई चर्चे रहे हैं। बताया जाता है कि गोविंदा गुरुवार के दिन किसी को पैसे नहीं लेते। अगर कोई पैसे देना चाहता है, तो वह वापस कर देते हैं। इसी तरह एक समय पर उन्होंने अपनी फिल्मों के सेट पर ज्योतिषी को बुलाना शुरू कर दिया था।

एक्टिव पुलिसिंग से प्रदेश में गिरा अपराध का ग्राफ : सीएम भजनलाल

जयपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पुलिस में प्रशिक्षण से कानून की जानकारी के साथ ही आपसी संवाद, सहयोग और टीम भावना मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि यही बुनियादी प्रशिक्षण पुलिस के चरित्र और व्यक्तित्व को आकार देकर उन्हें एक आदर्श अधिकारी बनाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध नियंत्रण और शान्ति व्यवस्था बनाए रखना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। आगामी समय में इस व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

शर्मा शुक्रवार को राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर में राजस्थान पुलिस सेवा (प्रशिक्षु) के 55वें बैच के प्रशिक्षणार्थियों के दीक्षान्त परेड़ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैच के 76 प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए कहा कि मेहनत, लगन और कड़ी तपस्या से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। शर्मा ने इस अवसर पर पुलिस कार्मिकों को बेहतर प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान पुलिस अकादमी में नया प्रशिक्षण भवन बनाने की घोषणा की। इससे साइबर अपराध, आर्थिक मामलों से सम्बन्धित अपराध इत्यादि के सम्बन्ध में पुलिस को बेहतर प्रशिक्षण, तकनीकी संसाधन एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध होगा।

महिला पुलिस अधिकारी समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार के लिए महिला सशक्तिकरण सर्वोच्च प्राथमिकता है। राजस्थान पुलिस में महिलाओं की लगातार बढ़ती भागीदारी इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने कहा कि आज के 76 प्रशिक्षु अधिकारियों में 20 महिला अधिकारी शामिल होना अत्यंत गर्व की बात है। महिला पुलिस अधिकारी से महिलाएं अपनी समस्याएं बेझिझक बताती हैं। ये महिला अधिकारी न केवल पुलिस बल का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, बल्कि समाज की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत भी हैं।

पारंपरिक पुलिसिंग के साथ ही पुलिस में बढ़े तकनीकी कुशलता

शर्मा ने कहा कि वर्तमान में अपराध का स्वरूप लगातार बदल रहा है। संगठित अपराध, साइबर अपराध और डिजिटल युग की नई-नई चुनौतियों से लड़ने के लिए पुलिस को निरंतर सजग, अपडेट और प्रशिक्षित रहना होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस के लिए पारंपरिक पुलिसिंग के साथ ही तकनीकी कुशलता, साइबर सिक्योरिटी की जानकारी और डिजिटल फॉरेंसिक की समझ भी महत्वपूर्ण है।

ईमानदारी पुलिस का सबसे शक्तिशाली हथियार

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस के लिए ईमानदारी सबसे शक्तिशाली हथियार है। पुलिस को किसी भी तरह के दबाव में ना आकर सदैव धैर्य और संयम से काम लेना चाहिए। उन्होंने पुलिस के लिए टीम वर्क पर जोर देते हुए कहा कि पुलिसिंग एक टीम का काम है। जब हम साथियों के साथ मिलकर काम करते हैं, तो हमारी शक्ति कई गुना बढ़ जाती है। आपसी भाईचारा और विश्वास से ही हम प्रत्येक चुनौती का आसानी से सामना कर सकते हैं।

रिश्तेदारों ने ताले तोड़ चुराए 50 लाख के जेवर

घर से बाहर गया हुआ था परिवार, 2 आरोपी गिरफ्तार

बाड़मेर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले के धनाऊ पुलिस ने 50 लाख रुपए की चोरी का खुलासा करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चोरों ने ताले तोड़कर अलमारी व बक्से से 40 तोला सोना व 815 ग्राम चांदी के जेवरात व कैश रुपए चुरा कर ले गए थे। पुलिस ने 100 फीसदी माल की बरामदगी कर ली है। चोरी पीड़ित के चचेरे भाई (नजदीकी रिश्तेदार) है। साथ में उठने-बैठते थे। फिलहाल पुलिस चोरों से पूछताछ कर रही है।

दरअसल, धनाऊ गंगुपुरा निवासी रूपाराम पुत्र रावताराम ने धनाऊ थाने में रिपोर्ट थी। जिसमें बताया कि 13-14 सितंबर की रात को मकान के ताले तोड़कर अंदर घुसे। फिर कमरे में लोहे की अलमारी लोहे के बक्से के ताला तोड़कर करीब 40 तोला सोना, 815 ग्राम चांदी के जेवरात और 12 हजार रुपए कैश चुरा कर ले गए।

झुंझुनूं पुलिस में शोक की लहर : बदमाश को पकड़ने हरियाणा जा रहे एएसआई की मौत

झुंझुनूं, 19 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में झुंझुनूं जिला पुलिस विभाग के लिए काला दिन साबित हुआ। सूचना मिली कि आरोपियों की तलाश में हरियाणा जा रही गाड़खेड़ा पुलिस चौकी की सरकारी बोलेरो लोहारू के पास पिकअप से भिड़ गई।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में ड्यूटी पर तैनात जिले की गाड़ा खेड़ा चौकी प्रभारी एएसआई शेरसिंह फोगाट (45) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कॉन्स्टेबल आशाराम समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। रात करीब 12 बजे हुए इस हादसे ने पूरे झुंझुनूं पुलिस महकमे को स्तब्ध कर दिया। एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय समेत सभी आला अधिकारी शोक में डूबे हैं। विभाग ने इस घटना को पुलिस परिवार के लिए अपूरणीय क्षति बताया है।

कैसे हुआ हादसा?

24 अगस्त को सिंघाना थाना क्षेत्र के खानपुर गांव में दो पक्षों में मारपीट हुई थी। आरोपियों को पकड़ने के लिए एएसआई फोगाट अपनी टीम के साथ हरियाणा के भैंसली जा रहे थे। तभी लोहारू के पास सामने से आ रही पिकअप अचानक उनकी बोलेरो से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों गाड़ियां सड़क किनारे बुरी तरह चकनाचूर हो गईं। हादसे में एएसआई शेरसिंह की मौके पर ही मौत हो गई। कॉन्स्टेबल आशाराम सैनी, 108 एंबुलेंस ड्राइवर रमेश और पिकअप सवार दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

झुंझुनूं पुलिस विभाग में शोक की लहर

खबर फैलते ही लोहारू पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। शेरसिंह फोगाट को पिलानी बिड़ला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके शहादत की खबर मिलते ही झुंझुनूं पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों की भारी भीड़ घटनास्थल पर उमड़ पड़ी। एसपी उपाध्याय ने कहा, 'शेरसिंह फोगाट का बलिदान पुलिस विभाग के लिए अपूरणीय क्षति है। इधर खबर लिखे जाने तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि उन्हें पुलिस विभाग में शहीद का दर्जा मिलेगा या नहीं।

'बीकानेर की शेरनी' को दादागिरी दिखाना पड़ा भारी

> दोनों बहनों को पुलिस ने सिखाया सबक

बीकानेर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर में बीकानेर की शेरनी उर्फ मोनिका राजपुरोहित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसके साथ उसकी बहन को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। दरअसल, लगातार विवादों में रहने वाली मोनिका का यह मामला फास्ट फूड का ठेला लगाने वाली महिला और उसके बेटे के साथ मारपीट के मामले से जुड़ा हुआ है। इस मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने मोनिका और उसकी बहन करिश्मा को गिरफ्तार किया है। बता दें कि बीकानेर में सोशल मीडिया पर खुद को शेरनी कहने वाली मोनिका राजपुरोहित और उसकी बहन करिश्मा पर मारपीट का आरोप है। इसमें उन्होंने बीत दिनों ढोला मारू के सामने एक ठेला संचालक मां-बेटे से विवाद के बाद उनके साथ मारपीट की। इस मामले में पीड़ित मां बेटे ने मोनिका और उसकी बहन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में महिला ने सांसद हनुमान बेनीवाल को फोन कर उनसे मदद मांगी थी। बताया जा रहा है कि बेनीवाल के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने दोनों बहनों को गिरफ्तार किया है।

बीकानेर की शेरनी मोनिका पहले भी रही विवादों में

बता दें कि बीकानेर की शेरनी यानि मोनिका और ईको चालक के बीच गत दिनों नेशनल हाईवे पर झगड़ा हुआ। झगड़े के दौरान कई वाहन हाईवे पर रुक गए। इस दौरान कई लोगों ने अपने मोबाइल से वीडियो भी बनाए। जब यह वीडियो वायरल हुआ तो कई सोशल मीडिया यूजर का कहना है कि बीकानेर की शेरनी ने अपनी गलती के बावजूद खूब दादागिरी की। पहले तो उसी के ड्राइवर ने ईको कार को टक्कर मारी और फिर ईको कार के कांच फोड़ दिए।

गायों को ट्रेन से बचाने में गई नाबालिग की जान

जैसलमेर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। जैसलमेर के लाठी थाना इलाके के धोलिया गांव के पास एक दर्दनाक हादसे में 16 साल के पीयूष की जान चली गई। दरअसल, ट्रेन की पटरियों पर गायों को हटा रहे पियूष को ट्रेन ने चपेट में ले लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार सहित धोलिया गांव में शोक की लहर छा गई। लाठी थाना प्रभारी राजेंद्र खदाव ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द किया। उन्होंने बताया कि लाठी थाना पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

कोर्ट में गवाही देने जा रहे मां-बेटे को कार से बार-बार कुचला

> बारां जिले में बदमाशों ने लिया आपसी रंजिश का बदला!

बारां, 19 सितंबर (एजेंसियां)। बारां के सदर थाना क्षेत्र के कोटड़ी गांव में जमीनी विवाद में दो पक्षों में रंजिश चल रही है। झगड़े के प्रकरण में मां-बेटे बाइक से गवाही देने कोर्ट जा रहे थे। रास्ते में आरोपियों ने कार से बाइक को टक्कर मारकर मां-बेटे की बार-बार कुचलकर हत्या कर दी। पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कुछ संदिग्धों को डिटेन कर पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है।

कोर्ट में गवाही देने जा रहे मां-बेटे की मौत

कोतवाली थाना सीआई योगेश चौहान ने बताया कि पाठेड़ा निवासी 35 साल का संजय मीणा गुरुवार को बाइक से 55 साल की अपनी मां रुक्मणीबाई बाई को लेकर गांव से बारां कोर्ट में जा रहा था। रास्ते में बारां के पास भूल भुल्लैया चौराहे के पास NH-27 पर बाइक को एक कार ने टक्कर मारकर मां-बेटे को कुचल दिया। दुर्घटना में बाइक सवार मां-बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास मौजूद लोग मदद के लिए दौड़े और घटना की सूचना तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शव अस्पताल मोर्चरी पहुंचाया। जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिए। घटना से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया।

कोर्ट में रुक्मणीबाई की होनी थी गवाही

डीएसपी ओमेंद्र सिंह शेखावत ने कहा फरियादी सुखवीर ने रिपोर्ट दी। कुछ समय पहले घर में घुसकर मारपीट हुई थी। गुरुवार को कोर्ट में तारीख थी। केस की मुख्य गवाह में रुक्मणीबाई भी थी, कोर्ट में बयान होने थे। बयान व पेशी के लिए एक बाइक पर फरियादी सुखवीर व उसकी भाभी चंद्रकला और दूसरी बाइक पर चाची रुक्मणी व उसका बेटा संजय मंडोला जा रहे थे। इस दौरान सुखवीर पेट्रोल पंप पर रुक गया था। जबकि संजय व उसकी मां रुक्मणीबाई दूसरी बाइक पर आगे निकल गए थे। परिजनों का आरोप है कि पुरुषोत्तम मीणा, शिशुपाल व चंद्रप्रकाश ने षड़यंत्र रचकर पुरानी रंजिश को लेकर अपने लड़के विनोद उर्फ मोनू व उसके साथी नीरज लश्करी, देशराज बैरवा, गोलू से कार चलवाकर उसके भाई संजय व चाची रुक्मणीबाई की कार से टक्कर मारकर कुचलकर हत्या करवाई है। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट के आधार पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

झगड़े में हत्या के बाद बढ़ी रंजिश

पुलिस के अनुसार कोटड़ी गांव के एक ही परिवार के एक पक्ष के रामकुमार व दूसरे पक्ष के पुरुषोत्तम मीणा के परिवार के बीच कई सालों से जमीनी विवाद को लेकर रंजिश चल रही है। कई बार झगड़े भी हो चुके है। कुछ साल पहले झगड़े में गंभीर रुप से घायल हुए दूसरे पक्ष के मुकुट मीणा की इलाज के दौरान मौत भी हुई थी। यह रंजिश ओर गहरी हो गई थी। दोनों पक्षों में रंजिश बनी हुई है।

एनएसजी कमांडो ने रेकी कर किया शराब कारोबारी का मर्डर

> फिर सड़क पर लहराई तलवारें; शराब पार्टी में हुई थी कहासुनी

बाड़मेर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर में एनएसजी कमांडो चंपाराम और उसके साथियों ने प्लानिंग कर शराब कारोबारी खेताराम की हत्या की थी। हमले से 2 दिन पहले दोनों ने साथ बैठकर शराब पार्टी की थी।

इस दौरान दोनों में तू-तू, मैं-मैं हुई थी। घटना से 4 घंटे पहले भी दोनों पक्षों में बहस हुई थी। उस समय कमांडो और उसका दोस्त वहां से चले गए। इसके बाद हमलावरों ने शराब कारोबारी की रेकी शुरू की। रात करीब 10 बजे जैसे ही खेताराम दुकान बंद कर अपनी कैंपर से घर की तरफ रवाना हुआ। 500 मीटर आगे स्कॉर्पियो-बाइक पर आए एनएसजी कमांडो और उसके साथियों ने गाड़ी रुकवाई। इसके बाद शराब कारोबारी को नीचे उतारकर हमला कर दिया। इन लोगों ने तलवार से शराब कारोबारी और उसके एक साथी के हाथ काट दिए। शराब कारोबारी पर हमले के बाद काफी देर तक आरोपी वहां तलवार लहराते रहे। कोई मदद करने के लिए भी आया तब भी मदद नहीं करने दी। डॉक्टरों ने बताया- खेताराम के शरीर पर चोटों के कुल 6 निशान थे। ज्यादा खून बहने से उसकी मौत हुई।

सपी नरेंद्र मीना ने बताया- दिल्ली में पोस्टेड एनएसजी कमांडो चंपाराम निवासी सरनु (बाड़मेर) के पिता लाखाराम 31 अगस्त को टीचर पद से रिटायर हुए थे। 7 सितंबर को समारोह का आयोजन किया गया। इसके लिए एनएसजी कमांडो 2 सितंबर को छुट्टी लेकर गांव आया था। शाम को 4 से 5 बजे के बीच एनएसजी कमांडो अपने दोस्त ओमप्रकाश के साथ खेताराम के शराब ठेके पर गया था। वहां खेताराम के साथ सेल्समैन वीरेंद्र और हरलाल मौजूद थे। यहां चंपाराम और खेताराम में बहस हुई थी। बहसबाजी के बाद चंपाराम और ओमप्रकाश वहां से चले गए।

रात करीब 10 बजे खेताराम, वीरेंद्र और हरलाल तीनों शराब की दुकान बंद कर बोलेरो कैंपर से घर जा रहे थे। तीनों बाड़मेर-जालोर स्टेट हाईवे पर निकले ही थे कि करीब 500 मीटर की दूरी पर स्कॉर्पियो और बाइक पर आए एनएसजी कमांडो और 4 साथियों ने खेताराम की गाड़ी रोकी और तीनों पर हमला कर दिया।

कार सवार ने दो साल के मासूम को कुचला, मौत

बहरोड़, 19 सितंबर (एजेंसियां)। घर के बाहर खेल रहा मासूम कार बैक लेते समय नीचे आ गया, जिससे मौत हो गई। तेज रोने की आवाज सुनकर परिजन दौड़े। घायल अवस्था में उसे तुरंत हॉस्पिटल ले गए, लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

हादसा बहरोड़ थाना क्षेत्र के गुंति गांव में गुरुवार शाम को हुआ। थानाधिकारी विक्रांत शर्मा ने बताया कि गुंति निवासी अविनाश यादव का 2 साल का बेटा लविश अपने घर के बाहर खेल रहा था। तभी एक कार सवार ने गाड़ी को बैक किया और बच्चा उसकी चपेट में आ गया। टक्कर इतनी गंभीर थी कि लविश के सिर में गंभीर चोट लग गई।

नरेश मीणा आईसीयू में भर्ती, पूर्व मंत्री खाचारियावास ने तुड़वाया अनशन-बीजेपी को दी बड़ी चुनौती

जयपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के झालावाड़ में हुए स्कूल हादसे को लेकर अनशन के चलते नरेश मीणा की तबीयत लगातार बिगड़ती जा रही थी। इसको लेकर पुलिस ने उन्हें अनशन स्थल से उठाकर एसएमएस हॉस्पिटल में भर्ती कराया। इस दौरान नरेश को आईसीयू में एडमिट किया गया।

इधर, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरिवास अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने नरेश से समझाइश कर उन्हें पानी पिलाकर उनका अनशन तुड़वाया। इधर, खाचरियावास सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने सरकार पर जमकर सियासी बाण छोड़े। नरेश मीणा को पानी पिलाकर प्रताप सिंह ने उनका अनशन तुड़वाया। इसके बाद प्रताप सिंह खाचरियावास ने सरकार को जमकर आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि झालावाड़ में हुई स्कूल त्रासदी के बाद दिवंगत हुए मासूम बच्चों के परिजनों के साथ, जो अन्याय राजस्थान की सरकार ने किया, उससे बुरा कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि मासूम बच्चों के परिजनों को बकरियां देकर राजस्थान सरकार ने जो मृतक बच्चों और उनके परिजनों का अपमान किया है। उसकी जितनी निंदा की जाए कम है। उन्होंने आगे कहा कि मासूम बच्चों के परिजनों को न्याय दिलवाने के लिए जयपुर के शहीद स्मारक पर युवा नेता नरेश मीणा व पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा आंदोलन और अनशन कर रहे हैं, संविधान ने हमें आंदोलन और अनशन का अधिकार दिया है।

जोधपुर के स्पा सेंटर पर छापा, 7 लड़कियां गिरफ्तार

3 लड़कों को भी पकड़ा गया, अवैध गतिविधियां हो रही थीं

जोधपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। जोधपुर में अवैध रूप से चल रह स्पा सेंटर पर छापा मारकर तीन लड़कों और 7 युवतियों को गिरफ्तार किया गया है। जो शहर के सरदारपुरा थाना इलाके में चल रहा था। सरदारपुरा बी रोड पर स्पा सेंटर पर अवैध गतिविधियां की सूचना मिलने पर अतिरिक्त पुलिस उपयुक्त रोशन मीणा और सहायक पुलिस आयुक्त छवि शर्मा के सुपरविजन में सरदारपुरा थाना इंचार्ज विश्राम मीणा के नेतृत्व में पुलिस ने छापा मारा। इस दौरान वहां मिले तीन लड़के और 7 लड़कियां पूछताछ के दौरान पुलिस को देखकर आक्रोशित होकर न्यूसेंस करने लगे जिस पर पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर लिया।

अब भर्ती परीक्षा के तुरंत बाद नहीं कर सकेंगे पेपर डिस्कशन-एनालिसिस और चर्चा पर लगी रोक

जयपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने राज्य में होने वाली भर्ती परीक्षाओं की पारदर्शिता और शुचिता बनाए रखने के लिए अहम निर्णय लिया है।

अब परीक्षा के तुरंत बाद उम्मीदवार, कोचिंग संचालक या शिक्षक किसी भी तरह से प्रश्नपत्र का विश्लेषण या चर्चा नहीं कर पाएंगे। यह नियम आज से शुरू होने वाली चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती परीक्षा से लागू होगा, जो 23 सितंबर तक छह पारियों में आयोजित होगी।

चयन बोर्ड के अध्यक्ष आलोक राज ने स्पष्ट किया कि परीक्षा के दौरान या समाप्ति से पहले ऑनलाइन या ऑफलाइन किसी भी प्लेटफॉर्म पर पेपर का सॉल्यूशन या चर्चा करना परीक्षा में बाधा माना जाएगा। इस प्रकार की गतिविधियां छात्रों की मानसिकता पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं और कई बार पेपर लीक की अफवाहों को भी जन्म देती हैं। इसलिए परीक्षा की निष्पक्षता को ध्यान में रखते हुए इस पर सख्त रोक लगाई गई है। उम्मीदवार और शिक्षक परीक्षा के पेपर पर केवल 19 सितंबर से पहले या 23 सितंबर के बाद ही चर्चा कर सकेंगे। इस बार की चतुर्थ श्रेणी भर्ती परीक्षा राज्य की सबसे बड़ी परीक्षाओं में से एक मानी जा रही है। इसमें कुल 53,749 पदों के लिए 24 लाख 75 हजार से अधिक उम्मीदवारों ने आवेदन किया है। परीक्षा के लिए प्रदेशभर में 38 जिलों के 1300 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें से सबसे ज्यादा 200 केंद्र जयपुर जिले में स्थापित किए गए हैं। अकेले जयपुर में 4.5 लाख से अधिक उम्मीदवार परीक्षा देंगे।

मुख्यमंत्री राहत कोष से लाभ लेने वाले सात फर्जी लाभार्थी गिरफ्तार

8 लाख 71 हजार की हेराफेरी का आरोप

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स पुलिस ने मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) से 8,71,000 की हेराफेरी से जुड़े एक आपराधिक षडयंत्र के सिलसिले में सात आरोपियों (फर्जी लाभार्थियों) को गिरफ्तार किया है। अपने कृत्यों से, आरोपियों ने सरकार के साथ-साथ राहत के हकदार वास्तविक पीड़ितों और लाभार्थियों को भी धोखा दिया।

गिरफ्तार आरोपियों में पोटला रवि (46), जनगामा नागराजू (40), मतेती भास्कर (33), धर्माराम राजू (50), कम्पल्ली संतोष (35), चित्याला लक्ष्मी (65), असम्पेल्ली लक्ष्मी शामिल है। इन आरोपियों की पहचान फर्जी लाभार्थियों के रूप में की गई है, जिन्होंने धोखाधड़ी से स्वीकृत सीएमआरएफ चेक अपने निजी खातों में जमा करवाए और बाद में धनराशि निकाल ली। एक आपराधिक षडयंत्र को आगे बढ़ाते हुए, उन्होंने सीएमआरएफ के तहत स्वीकृत राशि का दुरूपयोग अपने गलत लाभ के लिए किया, जिससे सरकार को धोखा मिला और वास्तविक पीड़ितों व लाभार्थियों को वंचित होना पड़ा। इस संबंध में, हैदराबाद के जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन में सीआरपीसी संख्या 254/2024, 273/2024, 284/2024, 470/2025 और 476/2025 के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 409, 417, 419, 467 और 120(बी) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(सी) के तहत अपराध दर्ज किए गए हैं।

जुबली हिल्स, हैदराबाद के पुलिस निरीक्षक, एम. सत्यनारायण द्वारा जांच की जा रही है। जुबली हिल्स के पुलिस निरीक्षक (डिटेक्टिव निरीक्षक) ने अपने कर्मचारियों की सहायता से, अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान, गिरफ्तार व्यक्तियों ने अपराधों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। गिरफ्तार सभी आरोपी गोदावरीखानी (गांव), पेद्दापल्ली (जिला), करीमनगर के मूल निवासी हैं। पुलिस की अपराधों में शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान के लिए आगे की जांच जारी है। गबन की गई धनराशि की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। अन्य अभियुक्तों की पहचान कर ली गई है, लेकिन वे वर्तमान में फरार हैं। उन्हें पकड़ने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इसके पहले बीते 15 जुलाई को मुख्य आरोपी जोगुला नरेश कुमार, बालागोनी वेंकटेश, कोरलापति वामशी, पुलिपका ओमकार को गिरफ्तार किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने आपराधिक षड्यंत्र रचकर मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) के तहत स्वीकृत धनराशि का दुरुपयोग अपने गलत लाभ के लिए किया। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी जोगुला नरेश कुमार मंत्री के कार्यालय में काम करते हुए सीएमआरएफ चेक तक अपनी पहुंच का दुरुपयोग किया। वर्ष 2023 के चुनावों और बीआएस सरकार की हार के बाद मुख्य आरोपी ने अवैध रूप से 230 स्वीकृत लेकिन वितरित नहीं किए गए चेक अपने कब्जे में ले लिए। आरोपियों ने उन आवेदकों को जारी किए गए 19 चेकों की पहचान की, जिन्होंने अनुवर्ती कार्रवाई नहीं की थी, और उन्हें जाली विवरणों का उपयोग करके समान नामों वाले रोड नंबर: 05 जुबलीहिल्स, एसबीआई शाखा में एसबीआई खातों में जमा कर दिया।

करमनघाट सीरवी समाज का नवरात्रि महोत्सव 22 से

हैदराबाद, 19 सितंबर (एजेंसियां)। श्री आईमाताजी बडेर सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुडा में सोमवार 22 सितंबर से बुधवार 1 अक्टूबर तक समाज बन्धुओं के सानिध्य में नवरात्रि महोत्सव एवं डी.जे. की धुन पर रंगारंग डांडिया नृत्य कार्यक्रम प्रतिदिन आयोजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा व सचिव पुखराज चोयल ने संयुक्त रूप से बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में नवरात्रि महोत्सव व डांडिया नृत्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रतिदिन पुजा-अर्चना, हवन-यज्ञ प्रातः 8.15 बजे से 10.15 बजे तक एवं शाम 7.15 बजे से 10 बजे तक डांडिया नृत्य कार्यक्रम रहेगा। रविवार 28 सितंबर मध्यान् 3 बजे से 5 बजे तक डांडिया, सायं 4.15 बजे से रात्रि 7.15 बजे तक भोजन-प्रसादी एवं 5.15 बजे से 10.15 बजे तक एक शाम श्री आईमाताजी के नाम जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमे शंकर टॉक माई के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। पूर्णाहुति कार्यक्रम बुधवार 1 अक्टुबर प्रातः 7.15 बजे से 11 बजे तक रहेगा।

हवन में बैठने के लिए समाज बन्धु अपना नाम सचिव पुखराज चोयल के पास सम्पर्क कर दे सकते है। समाज बन्धुओं से निवेदन है

प्रतिदिन सपरिवार पधारकर, माँ श्री आईजी का दर्शनकर, प्रसाद व कार्यक्रम का लाभ लेवे।

नाम-सुमिरन की आंच से धीरे-धीरे मन पकता जाता है : साध्वी आस्था भारती

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के सौजन्य से अत्तापुर में 14 से 20 सितंबर तक आयोजित श्रीकृष्ण कथा के षष्ठम् दिवस पर दिव्य गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज की शिष्या साध्वी आस्था भारती ने भक्त नरसी का जीवन चरित्र सुनाया। कथा पंडाल में नानी बाई का मायरा उत्सव भी धूमधाम से मनाया गया। जीवन का हर दिन उत्सव बनाने का सूत्र देते हुए कथा प्रसंगों में छिपे गूढ़ आध्यात्मिक रहस्यों को शास्त्र-सम्मत वैज्ञानिक आधार पर उजागर किया गया। उन्होंने कहा कि वाक्य ज्ञान अत्यंत निपुण भवपार न पावे कोई, निसि गृहमध्य दीप की बातन्ह तम निवृत्त न होई।

जिस प्रकार अँधेरे कमरे में बैठकर प्रकाश का नाम लेने मात्र से अंधकार दूर नहीं होता है, उसी प्रकार जीवन से दुःख, चिंता, वैमनस्य, द्वेष आदि का अँधेरा भी केवल शाब्दिक नामों के उच्चारण से दूर नहीं होगा। वास्तविक उद्धार केवल प्रभु के शाश्वत नाम से संभव है। जैसे एंटीवायरस लैपटॉप आदि यंत्रों को मैलवेयर के हमले के प्रति जागरूक करता, विभिन्न हानियों से बचाता है। ऐसे ही यह नाम हमारे मन, जीवन और व्यक्तित्व को विकारों से बचाता है।

हम इसे एक साधारण उदाहरण के माध्यम से भी समझ सकते हैं। क्या आपने खिचड़ी बनाते समय पतीली में उबलते दाल-चावलों को देखा है? कितने अशांत और कूद-फांद करते नज़र आते हैं! क्योंकि दाल-चावल के दाने अभी कच्चे हैं। जैसे-जैसे ताप लगता रहेगा, दाने पकते जाएंगे, उनका उछलना-कूदना भी मंद पड़ता जाएगा। एक समय आता है, जब पतीली के अंदर की दुनिया एकदम शांत हो जाती है। बस, नाम-सुमिरन के प्रभाव से भी यही प्रक्रिया देखने को मिलती है। नाम-सुमिरन की आंच से धीरे-धीरे मन पकता जाता है अर्थात् उसकी भागम-भाग, विषयों की ओर कूद-फांद बिलकुल शांत हो जाएगी। शोध बताते हैं कि इससे हमारी स्मरणशक्ति, एकाग्रता, रोग प्रतिरोधक क्षमता, कार्य करने की दक्षता आदि बढ़कर हमें पढ़ाई, नौकरी आदि में भी लाभ मिलता है।

परमात्मा का वास्तविक नाम शब्दों से अति परे है। न तो इसे बोला जा सकता है, न पढ़ा और न ही लिखा जा सकता है। यह आदिस्पंदन है, जो हर एक जीव की श्वासों में निरंतर गतिमान है। जिस समय सद्गुरु की कृपा से यह नाम प्रकट होता है तो तत्क्षण भगवान का दर्शन होता है। इसी शाश्वत नाम की प्राप्ति का आवाह्न देते हुए साध्वी जी ने इस पावन पुनीत दिवस की कथा को विराम दिया।

संस्थान के चेन्नई आश्रम से पधारे सर्व श्री आशुतोष महाराज के शिष्य स्वामी प्रदीपानंद ने बताया कि शनिवार, 20 सितंबर को कथा के समापन दिवस याज्ञसेनी द्रौपदी का प्रकटीकरण व श्रीकृष्ण का वस्त्रावतार प्रसंग साध्वी जी प्रस्तुत करेंगी। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर प्रभु महिमा श्रवण करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में साध्वी भावना भारती, साध्वी साक्षी भारती के साथ मुख्य यजमान बगदाराम कुमावत, दैनिक यजमान दीपक प्रजापत, कानाराम कुमावत, विनोद तोल्डी, उत्सव यजमान सर्वेश्वर बैहरा, रणविजय सिंह चौहान, प्रसाद यजमान सीताराम झंवर, मुख्य अतिथि जतिंदर सिंह, गोविन्द गोपाल राठी, भगवान दास सारडा, मधुसूदन सारडा, बाबूलाल कुमावत, सुखराज कुमावत, विनोद जी बंग, महावीर प्रसाद व्यास, संजय तोतला संग अन्य गणमान्य अतिथि गण ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कथा का समापन प्रभु की पावन आरती से किया गया। तदुपरांत प्रसाद वितरण किया गया।

अपमानित होने के बाद व्यक्ति ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूसुफगुडा में एक युवक ने कथित तौर पर एक छोटे से कर्ज को लेकर सार्वजनिक रूप से अपमानित होने के बाद आत्महत्या कर ली। मधुरानगर पुलिस के अनुसार, सूर्यापेट जिले के राघवपुर निवासी भुक्या बालाजी (28) अपनी पत्नी मानसा के साथ जवाहरनगर में रहते थे। उनके पैतृक स्थान का एक और जोड़ा, सैदुलु और दुर्गा, भी उसी इलाके में रहते थे।

देशभक्ति और सांस्कृतिक मूल्यों का भी संचार करती है वैदिक शिक्षा : रामचंदर राव

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने श्री वेदव्यास विद्यालय ट्रस्ट का दौरा किया

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वैदिक शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने आज कहा कि वैदिक शिक्षा न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि बच्चों में धार्मिकता, देशभक्ति और सांस्कृतिक मूल्यों का भी संचार करती है। भाजपा नेता ने नागोल के निकट कुंतलूर गांव में श्री वेदव्यास विद्यालय ट्रस्ट का दौरा किया, जहां उन्होंने छात्रों और शिक्षकों से बातचीत की। उन्होंने समाज को आकार देने और राष्ट्र के एक मजबूत भविष्य के निर्माण में संस्थान के योगदान की सराहना की। पारंपरिक शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए, राव ने कहा कि वैदिक शिक्षा समाज के लिए एक नैतिक दिशासूचक, राष्ट्र के लिए सांस्कृतिक गौरव का स्रोत और छात्रों में देशभक्ति की भावना जगाने का मार्गदर्शक है। अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए, भाजपा नेता ने कहा कि उनका दैनिक राजनीतिक जीवन आमतौर पर लोगों की समस्याओं और पार्टी कार्यकर्ताओं की चिंताओं को दूर करने से शुरू होता है। हालांकि, स्कूल के अपने दौरे के दौरान, उन्होंने कहा कि उन्हें भारत की समृद्ध वैदिक विरासत, संस्कृति और धर्म से गहरा जुड़ाव महसूस हुआ- इसे एक अनूठा और सौभाग्यशाली अनुभव बताया। नालंदा और तक्षशिला जैसे भारत के प्राचीन विश्वविद्यालयों को याद करते हुए, राव ने कहा कि वेदों ने हमेशा राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने छात्रों को वैदिक मूल्यों की शिक्षा देने के लिए श्री वेदव्यास स्कूल ट्रस्ट की प्रशंसा की, और कहा कि ये छात्र भारत के भविष्य को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

केटीआर ने कर्नाटक की योजना पर रेवंत रेड्डी की चुप्पी पर उठाए सवाल

यह कदम किसानों के लिए मौत के वारंट से कम नहीं

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कर्नाटक कांग्रेस सरकार द्वारा अलमट्टी बांध की ऊंचाई 519 फीट से बढ़ाकर 524 फीट करने के प्रस्ताव को मंजूरी देने के बावजूद मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की निष्क्रियता पर कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह कदम तेलंगाना के किसानों के लिए मौत के वारंट से कम नहीं है और चेतावनी दी कि अगर राज्य सरकार कर्नाटक को रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाती है, तो बीआरएस एक जन आंदोलन शुरू करेगा।

रामाराव ने रेवंत रेड्डी की आलोचना की कि वे उस समय दिल्ली का दौरा कर रहे थे जब तत्कालीन महबूबनगर, नलगोंडा और रंगा रेड्डी ज़िले रेगिस्तान में तब्दील होने के कगार पर थे। उन्होंने कहा कि कर्नाटक कैबिनेट द्वारा यह फ़ैसला लेने के तीन दिन बाद भी तेलंगाना सरकार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने जानना चाहा कि क्या दिल्ली और हैदराबाद में बैठे कांग्रेस नेताओं में कर्नाटक कैबिनेट के फैसले का विरोध करने का साहस है।

सीआरओ को समस्याओं से अवगत कराया गया

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आज हैदराबाद जिले के चीफ राशनिंग अफसर एम. राज रेड्डी ने कार्यभार संभाल लिया। इस अवसर पर सिकंदराबाद बोइनपल्ली मार्केट कमेटी के वरिष्ठ सरकारी सलाहकार ए, गौतम जैन ने उनसे मुलाकात कर मंडी व व्यापारियों की समस्याओं से अवगत कराया। गौतम जैन ने उनका सम्मान करते हुए व्यापारियों की तरफ से कहा कि आज आनलाइन ट्रेडिंग की वजह से छोटे-व्यापारियों का बडा नुकसान हो रहा है। जगह-जगह मल्टीनेशनल सुपर मार्केट खुलने से भी व्यापारियों के कामकाज पर असर पडा है। इससे उन्हें तरह-तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड रहा है। तेलंगाना सरकार द्वारा राशन की दुकानों के जरिए सुपर फाइन चावल वितरण से भी व्यापारियों के धंधे पर काफी असर पडा है। श्री जैन ने सीआरओ से व्यापारियों की समस्याओं का उचित हल भी निकालने की

भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान में आशुभाषण प्रतियोगिता

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप- भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में जारी हिंदी चेतना मास समारोह की श्रृंखला में आज आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन सहभागियों के द्वारा किसी भी विषय पर तत्काल अपने विचारों को हिंदी में अभिव्यक्त करने की क्षमता का आकलन एवं प्रेरणा व प्रोत्साहन प्रदान करना था।

संस्थान में कार्यरत सभी (वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक, आरए, एसआरएफ आदि) संवर्ग के लगभग 14 सहभागियों ने उक्त प्रतियोगिता में भाग लिया। डॉ.ए.वी. उमाकांत, प्रधान वैज्ञानिक तथा एच एस गावली, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने निर्णायिक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन डॉ.सी तारा सत्यवती, निदेशक के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब, वैज्ञानिक एवं डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) के द्वारा किया गया।

एनएमडीसी मुख्यालय में हिंदी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी मुख्यालय में मनाए जा रहे 'राजभाषा माह, 2025' के अंतर्गत 19 सितंबर, को 'हिंदी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता हिंदीभाषी तथा हिंदीतर भाषी कार्मिकों के लिए पृथक रूप से आयोजित की गई।

प्रतियोगिता के प्रारंभ में रूद्र नाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने हिंदी टिप्पणी एवं आलेखन प्रतियोगिता के संबंध में जानकारी देते हुए उनसे निर्णायिक के रूप में उपस्थित श्रीमती नीलिभा तिवारी, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, गृह मंत्रालय, भारत सरकार का परिचय कराया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि सुधांशु वर्मा, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने सभी प्रतिभागियों से प्रतियोगिताओं में भाग लेने का आग्रह किया। प्रतियोगिता का समन्वयन करते हुए डॉ. रजिन्दर कौर, वरिष्ठ प्रबंधक ने राजभाषा माह के दौरान आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। प्रतियोगिता के आयोजन में सुश्री सुरेखा, अप्रेंटिस प्रशिक्षु ने सहयोग किया। आयोजन के दौरान राजेश कुमार गोंड, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा), देवाशीष घोष, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) एवं एस.के. सनोडिया, उप प्रबंधक (सचि.) उपस्थित रहे।

हिन्दी महाविद्यालय में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को हिन्दी महाविद्यालय में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर ऋषभदेव शर्मा, मानदमंत्री शील कुमार जैन, संयुक्त सचिव प्रदीप दत्त, कोषाध्यक्ष सी.ए. एस.बी. काबरा, प्राचार्य डॉ.के. बाला, डॉ.बी. श्रीदेवी, डॉ. वसंता, प्रवक्ता एवं छात्र उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि का स्वागत शील कुमार जैन, प्रदीप दत्त, सी.ए.एस.बी. काबरा एवं प्राचार्य ने शॉल तथा पौधों से किया। मानदमंत्री ने हिन्दी महाविद्यालय की दक्षिण में हिन्दी की सेवाओं के बारे में बताया। संयुक्त सचिव ने बताया कि हिन्दी माध्यम के छात्रों की निरंतर संख्या कम हो रही है। पूर्व के वर्षों में मनाए गए हिन्दी दिवस की वर्तमान में तुलना प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष ने बताया कि हिन्दी भारत की आत्मा है हिन्दी सांस्कृतिक अस्मिता की पहचान है। मुख्य अतिथि ने शक्ति की राजभाषा हिन्दी के संबंध में विस्तार से चर्चा की तथा इसके पांच आयामों को समझाया। निबंध प्रतियोगिता एवं मेधावी छात्र को पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि का परिचय हिन्दी प्राध्यापिका डॉ. पुष्पवल्ली ने दिया। सयुक्त संचालन डॉ. रजनीधारी एवं चंद्रप्रताप सिंह ने किया। प्रवक्ता श्री.पी. सिंह ने हिन्दी दिवस पर स्वरचित कविता प्रस्तुत की। विभागाध्यक्ष डॉ. रजनीधारी के आभार ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

आयुर्वेद दिवस पर एनआईएच में रंगोली प्रतियोगिता

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद का राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान 10वां आयुर्वेद दिवस (23 सितंबर, 2025) के साथ-साथ पोषण महोत्सव एवं स्वस्थ नारी- सशक्त परिवार अभियान मना रहा है। आयुर्वेद दिवस का विषय लोगों के स्वास्थ्य और ग्रह कल्याण के लिए आयुर्वेद है। पोषण महोत्सव-2025 का विषय उचित पोषण-स्वस्थ जीवन है और 3. स्वस्थ नारी- सशक्त परिवार अभियान-2025 स्वस्थ महिला- शक्तिशाली परिवार है। लोगों में जागरूकता पैदा करने के उद्देश से प्रदर्शनी और रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। संस्थान के डॉक्टरों और कर्मचारियों ने सात टीमों में भाग लिया और रंगोली के रूप में अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। एनआईआईएमएच के सहायक निदेशक (प्रभारी) डॉ.जी.पी. प्रसाद के मार्गदर्शन मे यह कार्यक्रम सम्पन्न किया किया।

यूरिया की कमी को लेकर किसानों का प्रदर्शन

जगह-जगह किसानों ने दिया धरना

नलगोंडा, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूरिया की गंभीर कमी से बढ़ती नाराजगी को उजागर करते हुए जिले भर के किसान शुक्रवार को सड़कों पर उतर आए और आवश्यक उर्वरक की तत्काल आपूर्ति की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन और प्रदर्शन किया। कुछ क्षेत्रों में सुबह 4 बजे से ही शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों में खरीफ फसलों पर पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डाला गया तथा किसानों ने पोषक तत्वों की कमी के कारण भारी नुकसान की चेतावनी दी।

तुंगतुर्थी: तुंगतुर्थी मंडल में अशांति बढ़ गई, जहां किसानों ने शुक्रवार को नगरम में मुख्य सड़क को अवरुद्ध कर दिया और चल रहे संकट के विरोध में धरना दिया। दर्जनों किसान सड़क पर बैठ गए, नारे लगाते रहे और स्थानीय अधिकारियों के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर करते रहे।

अग्रणी महिला मंच का चाँदी तंबोला डांडिया धमाल

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच द्वारा 19 सितंबर को हिमायत नगर स्थित एक होटल में चाँदी तंबोला डांडिया धमाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अर्ली बर्ड प्रतियोगिता की विजेता रही पुष्पा सोनी तथा डांडिया डेकोरेशन प्रतियोगिता में पुष्पा, भावना पटेल, नेहा दर्रा एवं अन्य विजेता रहे। अलग-अलग तरह के प्रतियोगिताएं भी रखी गई थी। चाँदी तम्बूरा भी खेलाया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, स्मिता शाह, श्रद्धा सुखिया, रितु गोयल, संगीता जजोड़िया, रूपा गुप्ता, वंदना पचारिया, प्रीति गोयल, नीता अग्रवाल, सपना जैन, जॉली गुप्ता, बृंदा पटेल, अस्मिता हीरापारा, सोनिया गोयल, संगीता बिंदल, अंजना मेहता आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में पवन भुवानिया का विशेष योगदान रहा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टॉस से चार मिनट पहले पायक्रॉफ्ट को मिला बीसीसीआई का संदेश! हैंडशेक विवाद में बड़ा खुलासा

दुबई, 19 सितंबर (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट के आचरण को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के बीच चला विवाद अब लगभग खत्म होने की ओर है। पीसीबी ने आईसीसी को कई बार पत्र लिखकर पायक्रॉफ्ट को एशिया कप के मैचों से हटाने की मांग की थी। हालांकि, आईसीसी ने साफ कर दिया कि पायक्रॉफ्ट की ओर से किसी तरह के नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ। इसी बीच एक नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि दुबई में खेले गए ग्रुप ए मैच में टॉस से पहले क्या हुआ था।

टॉस से ठीक पहले पायक्रॉफ्ट को मिली जानकारी

भारत-पाकिस्तान मैच के हैंडशेक विवाद पर नई जानकारी सामने आई है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के मुताबिक, मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को 'नो हैंडशेक' प्रोटोकॉल की जानकारी टॉस से केवल चार मिनट पहले ही दी गई थी।

एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के वेन्यू मैनेजर ने पाइक्रॉफ्ट को मैदान पर जाने से ठीक पहले यह संदेश दिया कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा टॉस के बाद हाथ नहीं मिलाएंगे, जो बीसीसीआई से आया था और भारतीय सरकार की मंजूरी से भेजा गया था।

पायक्रॉफ्ट ने हालात के मुताबिक फैसला लिया

पायक्रॉफ्ट ने तुरंत यह संदेश पाकिस्तान कप्तान सलमान को दे दिया ताकि उन्हें मैदान पर उन्हें कोई असहज स्थिति का सामना न करना पड़े। पायक्रॉफ्ट के पास आईसीसी को इस बारे में सूचित करने का समय नहीं था, इसलिए उन्होंने सीधे पाकिस्तानी कप्तान सलमान को जानकारी देने का फैसला किया, ताकि उन्हें मैदान पर शर्मिंदगी न उठानी पड़े। इससे साफ होता है कि पायक्रॉफ्ट ने उल्टा पाकिस्तान को ही इस विवाद से बचाने की कोशिश की थी। इस पूरे मामले पर पीसीबी ने बाद में आईसीसी से शिकायत की थी, लेकिन क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने यह कहते हुए पीसीबी की मांग ठुकरा दी कि पायक्रॉफ्ट ने हालात को देखते हुए सही फैसला लिया था।

पीसीबी की शिकायत और विवाद

भारत से हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी से शिकायत की कि पायक्रॉफ्ट ने कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन किया है और उन्हें तुरंत मैच रेफरी की जिम्मेदारी से हटाया जाए। पीसीबी ने यहां तक धमकी दे दी थी कि अगर पायक्रॉफ्ट को नहीं हटाया गया तो वे यूएई के खिलाफ होने वाला मैच नहीं खेलेंगे। हालांकि, क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने यह कहते हुए पीसीबी की मांग ठुकरा दी कि पायक्रॉफ्ट ने हालात को देखते हुए सही फैसला लिया था। आईसीसी के जवाब से नाखुश पाकिस्तान ने फिर ड्रामा किया और यूएई से उनका मैच करीब एक घंटे की देरी से शुरू हुआ।

पायक्रॉफ्ट का जवाब और 'माफी'

पीसीबी ने दावा किया कि पायक्रॉफ्ट ने पाकिस्तानी मैनेजर और कप्तान से माफी मांगी। हालांकि, बाद में यह साफ हो गया कि पायक्रॉफ्ट ने सिर्फ 'गलतफहमी पर अफसोस' जताया था, न कि किसी भी नियम के उल्लंघन को स्वीकार किया। आईसीसी ने भी पीसीबी को स्पष्ट कर दिया कि पायक्रॉफ्ट की ओर से किसी तरह का प्रोटोकॉल ब्रेक नहीं हुआ है। अगर उनके पास समय होता तो वह आईसीसी को जानकारी जरूर देते।

आईसीसी ने पीसीबी को दी चेतावनी

पूरे विवाद के बाद आईसीसी ने पीसीबी को चेतावनी जारी की। आईसीसी का मानना है कि यूएई से मैच से पहले पाकिस्तान टीम ने मीटिंग विजुअल्स को सोशल मीडिया पर साझा करके नियमों का उल्लंघन किया। बोर्ड से कहा गया कि भविष्य में इस तरह की हरकत दोहराई न जाए। इतना ही नहीं, नियमों के उल्लंघन और ड्रामे को लेकर आईसीसी पाकिस्तान टीम पर कार्रवाई करने पर भी विचार कर रहा है।

एशिया कप सुपर-4 की सभी टीमें फाइनल

अफगानिस्तान बाहर, श्रीलंका-बांग्लादेश क्वालिफाई

पाकिस्तान के बाद बांग्लादेश से भिड़ेगी टीम इंडिया

स्पोर्ट्स डेस्क, 19 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप में ग्रुप स्टेज के 11 मैच खत्म होने के बाद सुपर-4 स्टेज की चारों टीमें तय हो चुकी हैं।

गुरुवार को ग्रुप-बी में श्रीलंका ने अफगानिस्तान को हराकर उन्हें बाहर कर दिया। इस नतीजे से बांग्लादेश टीम भी श्रीलंका के साथ अगले राउंड में पहुंच गई। ग्रुप-ए से भारत और पाकिस्तान ने क्वालिफाई किया।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को क्वालिफाई करवाया

गुरुवार को श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच अबू धाबी में मैच खेला गया। अफगानिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए 169 रन बनाए। श्रीलंका को क्वालिफाई करने के लिए 101 रन की जरूरत थी। टीम ने न सिर्फ इस स्कोर को पार किया, बल्कि 19वें ओवर में मुकाबला भी जीत लिया। ग्रुप-बी में श्रीलंका ने लगातार तीसरा मैच जीता और 6 पॉइंट्स लेकर अगले राउंड में जगह बनाई। अगर श्रीलंका टीम 101 रन बनाने के बाद मैच हार जाती तो बेहतर रन रेट के कारण अफगानिस्तान क्वालिफाई कर जाती और बांग्लादेश बाहर हो जाती। हालांकि, श्रीलंका ने मैच जीता और अपने साथ बांग्लादेश को भी अगले राउंड में एंट्री दिलवा दी।

भारत का पहला मैच पाकिस्तान से

बुधवार को ग्रुप-ए से पाकिस्तान ने सुपर-4 राउंड में एंट्री की थी। इसी के साथ तय हो गया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच अगला मैच 21 सितंबर को दुबई में होगा। इस राउंड में भारत 24 सितंबर को बांग्लादेश और 26 सितंबर को श्रीलंका से भिड़ेगा। सुपर-4 के पॉइंट्स टेबल में टॉप-2 पोजिशन पर रहने वाली टीमों के बीच 28 सितंबर को दुबई में फाइनल खेला जाएगा।

ग्रुप स्टेज का एक मैच बाकी

ग्रुप स्टेज में भारत और ओमान का एक मैच बाकी है। यह मुकाबला आज अबू धाबी में खेला जाएगा।

टीम इंडिया ने अगले राउंड में एंट्री कर ली है, टीम अगर आज हार भी गई तो शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं होगा। ऐसे में भारतीय टीम आज प्लेइंग-11 में नए प्लेयर्स को मौका दे सकती है।

चाइना मास्टर्स में पी.वी. सिंधु क्वार्टर फाइनल में हारीं

एन से यंग ने सीधे गेमों में हराया; सिंधु अब तक उनसे नहीं जीत सकी हैं

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधु का वर्ल्ड नंबर-1 एन से यंग के खिलाफ हार का सिलसिला जारी रहा। शुक्रवार को चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के विमेंस सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में सिंधु को कोरिया की इस खिलाड़ी ने सीधे गेमों में 21-14, 21-13 से हराया। यह मुकाबला मात्र 38 मिनट तक चला। दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट सिंधु का एन से यंग के खिलाफ यह लगातार आठवीं हार थी। 23 साल की कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ सिंधु अब तक एक भी मैच नहीं जीत पाई हैं। एन से यंग पेरिस ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट हैं।

पहले गेम में सिंधु की शुरुआत कमजोर

इस मैच में सिंधु की शुरुआत कमजोर रही। पहले 1-6 से पिछड़ने के बाद उन्होंने वापसी की कोशिश की और स्कोर 5-9 तक पहुंचाया। हालांकि, एन से यंग ने बाद में 11-5 की बढ़त बना ली। सिंधु ने फिर से वापसी की कोशिश की और स्कोर 11-14 तक पहुंचाया, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने अपनी पकड़ बनाए रखी। आखिरकार, एन से यंग ने पहला गेम 21-14 से जीत लिया।

दूसरे गेम में सिंधु ने बढ़त बनाई, पर बाद में पिछड़ गई

दूसरे गेम में सिंधु ने शुरुआत में 3-2 की बढ़त बनाई, बाद में एन ने वापसी की और स्कोर को 7-8 तक पहुंचाया और फिर उन्होंने बढ़त 11-7 कर लिया।

बाद में एन ने इसे 14-7 कर लिया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। अंत में कोरियाई खिलाड़ी ने गेम को 21-13 से समाप्त कर जीत हासिल की। सिंधु हॉन्गकॉन्ग ओपन के पहले दौर में हार कर बाहर हो गई थीं।

सुनील गावस्कर की सलाह : जसप्रीत बुमराह को आराम दे टीम इंडिया

मुंबई, 19 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने टीम इंडिया से आग्रह किया है कि वह शुक्रवार को ओमान के खिलाफ होने वाले एशिया कप 2025 के अंतिम लीग चरण के मैच में जसप्रीत बुमराह सहित अपने स्टार खिलाड़ियों को आराम दें और पाकिस्तान के खिलाफ पहले सुपर 4 मैच में इस स्टार तेज गेंदबाज को ब्रेक देने पर भी विचार करें।

सुनील गावस्कर ने यह भी कहा कि भारत ओमान के खिलाफ इस बेहद कड़े मुकाबले में बल्लेबाजी क्रम के साथ प्रयोग कर सकता है। टीम मैनेजमेंट उन खिलाड़ियों को कुछ समय के लिए बल्लेबाजी का मौका दे सकता है, जिन्हें संयुक्त अरब अमीरात और पाकिस्तान के खिलाफ अन्य खिलाड़ियों की तरह क्रीज पर उतना समय नहीं मिला।

'हाथ मिलाने पर नहीं, क्रिकेट पर ध्यान दें'

> हैंडशेक विवाद पर भड़के कपिल देव, पाकिस्तान को दी नसीहत

दुबई, 19 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 के दौरान ग्रुप स्टेज में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा की तरह हाईवोल्टेज रहा। रविवार को दुबई में खेले गए मैच में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। हालांकि, मैच के बाद असली सुर्खियां टीम इंडिया के खिलाड़ियों के फैसले ने बटोरीं। भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ मिलाए बिना ड्रेसिंग रूम में लौट गई।

इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। पाकिस्तान ने तो इस पर विवाद खड़ा कर दिया। उसने आईसीसी तक से शिकायत कर दी। हालांकि, उन्हें ही आईसीसी से मुंह की खानी पड़ी। अब इस पूरे मामले पर भारत के दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव का बयान आया है। उन्होंने पाकिस्तान को नसीहत दी है कि इन बयानबाजी से दूर रहकर क्रिकेट पर ध्यान दें। यह मुकाबला पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों टीमों के बीच पहला मैच था। इस हमले के बाद भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। सूर्यकुमार यादव ने मैच के बाद जीत को भारतीय सेना को समर्पित किया और कहा कि टीम पहलगाम हमले में जान गंवाने वालों के परिवारों के साथ खड़ी है।

कपिल देव का बयान

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कपिल देव ने इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पाकिस्तानी टीम या खिलाड़ियों को खेल पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा- ये सब छोटी-छोटी बातें हैं। ध्यान क्रिकेट खेलने पर होना चाहिए। अगर कोई हाथ नहीं मिलाना चाहता है तो इसे बड़ा मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है। दोनों तरफ से बेवजह बयानबाजी करना ठीक नहीं है। पाकिस्तान ने अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। उन्हें अपने खेल पर काम करना चाहिए। यह व्यक्तिगत पसंद है कि कोई हाथ मिलाना चाहता है या गले लगाना।' भारत ने इस मुकाबले में पहले गेंदबाजी करते हुए पाकिस्तान को 127/9 के स्कोर पर रोक दिया। गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। कप्तान सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा ने ताबड़तोड़ पारी खेलकर टीम को आराम से जीत दिलाई। यह भारत की ग्रुप स्टेज में लगातार दूसरी जीत थी। भारत और पाकिस्तान का सामना 21 सितंबर को फिर से होना है। सुपर-फोर स्टेज में यह मुकाबला खेला जाएगा।

कपिल देव ने दी टीम इंडिया को बधाई

कपिल देव ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, 'भारतीय टीम पिछले 20 वर्षों से बहुत अच्छा खेल रही है। हमारी क्रिकेट बहुत संगठित है और आईसीसी टूर्नामेंट्स में हमेशा शानदार प्रदर्शन करती है। मुझे पूरी उम्मीद है कि टीम इंडिया एशिया कप 2025 जीतेगी।' भारत ने एशिया कप में अब तक खेले गए दोनों मैचों में जीत दर्ज की है।

अंतिम पंघाल का वर्ल्ड चैंपियनशिप में दूसरा ब्रॉन्ज मेडल

विनेश के बाद दो मेडल जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला; ग्रीको-रोमन पहलवानों को कोई मेडल नहीं

53 किग्रा वर्ग में अंतिम के मेडल

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला पहलवान अंतिम पंघाल ने वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप में महिलाओं के 53 किग्रा वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। उन्होंने स्वीडन की U-23 वर्ल्ड चैंपियन एम्मा जोन्ना डेनिस मालमग्रेन को 9-1 से हराया। यह भारत का इस टूर्नामेंट में पहला और एकमात्र मेडल रहा।

ओलिंपिक हार के बाद दमदार वापसी

अंतिम का यह वर्ल्ड चैंपियनशिप में दूसरा मेडल है। इससे पहले 2023 में भी उन्होंने ब्रॉन्ज जीता था। हालांकि, 2024 पेरिस ओलिंपिक में वह पहले दौर में हारकर बाहर हो गई थीं। इस बार के मेडल से उन्होंने न केवल शानदार वापसी की है, बल्कि भारतीय कुश्ती में अपनी मजबूत स्थिति भी साबित की। अंतिम पंघाल विनेश फोगाट के बाद दूसरी भारतीय महिला पहलवान बन गई हैं, जिन्होंने वर्ल्ड चैंपियनशिप में एक से अधिक मेडल जीते हैं। अन्य भारतीय महिला पहलवानों जैसे अल्का तोमर, गीता फोगाट, बबीता फोगाट, पूजा ढांडा, सरिता मोर और अंशु मलिक के नाम केवल एक-एक वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल है।

ग्रीको-रोमन पहलवानों का निराशाजनक प्रदर्शन

इस चैंपियनशिप में भारतीय ग्रीको-रोमन पहलवानों का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। गुरुवार को मैदान में उतरे चारों पहलवान न तो कोई मुकाबला जीत सके और न ही अंक हासिल कर पाए। सबसे चौंकाने वाली हार 55 किग्रा वर्ग में अनिल मोर की रही, जिन्हें वर्ल्ड नंबर-1 अजरबैजान के एल्डानिज अजीजली ने केवल 13 सेकंड में तकनीकी श्रेष्ठता से हरा दिया। अजीजली ने अनिल को हेडलॉक में फंसाकर कई फ्लिप्स किए और मुकाबला समाप्त कर दिया। अजीजली के सेमीफाइनल में हार जाने के बाद अनिल को रेपेचेज का मौका भी नहीं मिला।

इसी तरह, 77 किग्रा वर्ग में अमन जापान के नाओ कुसाका से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गए। हालांकि कुसाका के फाइनल में पहुंचने से अमन को रेपेचेज का मौका मिला, लेकिन वहां भी वह यूक्रेन के इहोर बायचकोव से हारकर बाहर हो गए।

चेन्नई ओपन 2025 श्रीलंका के एन थंगराजा शीर्ष पर पहुंचे

चेन्नई, 19 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के एन. थंगराजा को यहां कॉस्मो टीएनजीएफ गोल्फ कोर्स में खेले जा रहे एक करोड़ रुपये इनामी चेन्नई ओपन 2025 के तीसरे राउंड में टूर्नामेंट के न्यूनतम स्कोर नौ अंडर 63 की बराबरी करते हुए लीडरबोर्ड में शीर्ष पर पहुंच गए। तीसरे राउंड को 'मूविंग डे' के रूप में भी जाना जाता है।

थंगराजा (69-66-63), जो मध्यांतर तक संयुक्त चौथे स्थान पर थे, ने तीसरे दिन अच्छी शुरुआत की और तीन स्थान ऊपर चढ़कर 18-अंडर 198 के स्कोर के साथ एक शॉट की बढ़त बना ली। पीजीटीआई में पांच बार विजेता रहे थंगराजा, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में अपनी आखिरी जीत हासिल की थी।

दुनिथ विल्लालागे के पिता का निधन

अफगानिस्तान से मैच के बाद जानकारी मिली, श्रीलंकाई ऑलराउंडर का सुपर-4 मुकाबलों में खेलना मुश्किल

स्पोर्ट्स डेस्क, 19 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंकाई ऑलराउंडर दुनिथ विल्लालागे के पिता सुरंगा विल्लालागे का निधन हो गया। उसी दिन दुनिथ अबू धाबी में अफगानिस्तान के खिलाफ एशिया कप ग्रुप-बी का मैच में खेले थे। 22 साल विल्लालागे को अपने पिता के निधन की खबर मैच के बाद ही पता चली। यह मैच श्रीलंका ने छह विकेट से जीतकर टूर्नामेंट के सुपर-4 राउंड के लिए क्वालिफाई किया। मैच खत्म होने के तुरंत बाद वे घर के लिए रवाना हो गए। ऐसे में उनके आगे के मुकाबलों में खेलने पर संदेह पैदा कर दिया है।

श्रीलंका को अभी तीन मैच खेलने हैं

श्रीलंका को इस टूर्नामेंट में अभी तीन और मैच खेलने हैं। 20 सितंबर को बांग्लादेश के खिलाफ, 23 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ और 26 सितंबर को भारत के खिलाफ खेलना है। गुरुवार को श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच एशिया कप मैच विल्लालागे का पांचवां टी-20 इंटरनेशनल मैच था। ववहीं, इस टूर्नामेंट में उनका पहला मैच था। उन्होंने 31 वनडे मैच खेले हैं, जिनमें उनके करियर का बेस्ट प्रदर्शन 27 रन देकर 5 विकेट अगस्त 2024 में कोलंबो में भारत के खिलाफ तीसरे वनडे में आया था। उन्होंने 2023 एशिया कप के एक मैच में भी भारत के खिलाफ 40 रन देकर 5 विकेट लिए थे। 2023 में टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट में खेला गया था। उस टूर्नामेंट में वह 10 विकेट के साथ दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे।

ध्रुव जुरेल के बाद देवदत्त पडिक्कल का शतक

ऑस्ट्रेलिया ए के गेंदबाजों का बुरा हाल किया

लखनऊ, 19 सितंबर (एजेंसियां)। इकाना स्टेडियम पर इंडिया ए की टीम ऑस्ट्रेलिया ए का मुकाबला कर रही है। दोनों टीमों के बीच अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेला जा रहा है। मैच की पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों ने जोरदार प्रदर्शन किया। सैम कोंस्टास और जोश फिलिप के शतक की मदद से टीम ने 6 विकेट पर 532 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। भारतीय टीम ने भी जोरदार पलटवार किया।

मैच के तीसरे दिन ध्रुव जुरेल के बल्ले से शतक निकला था। ध्रुव जुरेल के बाद युवा बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने भी इंडिया ए के लिए शतक लगा दिया है। जहां जुरेल ने फटाफट रन बनाए थे तो पडिक्कल ने संभलकर बैटिंग की। 199 गेंदों में उन्होंने अपना शतक पूरा किया। इसमें 9 चौके शामिल थे। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पडिक्कल का यह 7वां शतक है। वह 150 रनों की पारी खेलने के बाद कोरी रोचिकियोली की गेंद पर आउट हुए। यह इस मैच की सबसे बड़ी पारी है। 281 गेंदों की अपनी पारी में पडिक्कल ने 14 चौकों के अलावा एक छक्का भी मारा।

उच्चतम न्यायालय ने एआईएफएफ के मसौदा संविधान को मंजूरी दी

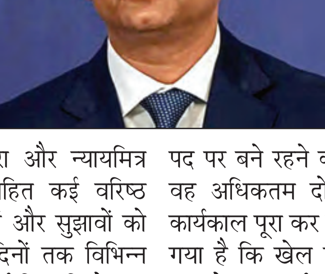

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के संविधान के मसौदे को कुछ संशोधनों के साथ शुक्रवार को मंजूरी दे दी और फुटबॉल संस्था को इसे चार सप्ताह के भीतर आम सभा में अपनाने का निर्देश दिया। यह मसौदा पूर्व न्यायाधीश एल नागेश्वर राव ने तैयार किया है।

न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अध्यक्ष कल्याण चौबे की अध्यक्षता वाली एआईएफएफ की वर्तमान कार्यकारी समिति के सदस्यों के चुनाव को मान्यता दी और कहा कि नए सिरे से चुनाव कराने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि वर्तमान पदाधिकारियों का केवल एक वर्ष का कार्यकाल बचा है। न्यायालय ने 30 अप्रैल को न्यायमूर्ति राव द्वारा तैयार एआईएफएफ के संविधान के मसौदे को अंतिम रूप देने के मुद्दे पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। शीर्ष अदालत ने फैसला सुरक्षित रखने से पहले रंजीत कुमार, राहुल मेहरा और न्यायमित्र गोपाल शंकरनारायणन सहित कई वरिष्ठ वकीलों की कुछ आपत्तियों और सुझावों को सुना। न्यायालय ने कई दिनों तक विभिन्न राज्य फुटबॉल संघों और पूर्व खिलाड़ियों द्वारा संविधान के प्रारूप पर उठाई गई आपत्तियों पर सुनवाई की। शीर्ष अदालत के निर्देश पर न्यायमूर्ति राव द्वारा तैयार संविधान के प्रारूप में कुछ आमूलचूल परिवर्तन का प्रस्ताव था। इनमें किसी व्यक्ति को अपने जीवनकाल में अधिकतम 12 वर्ष तक पद पर बने रहने का प्रावधान था, बशर्ते कि वह अधिकतम दो बार चार-चार वर्ष का कार्यकाल पूरा कर सके। हालांकि इसमें कहा गया है कि खेल संस्था के पदाधिकारी के रूप में आठ वर्ष तक रहने के बाद चार वर्ष तक कोई पद नहीं संभालने के 'कूलिंग ऑफ पीरियड' नियम का पालन करना होगा, लेकिन मसौदे में कहा गया है कि कोई व्यक्ति 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद खेल संस्था का सदस्य नहीं रह सकता। मसौदा संविधान के अनुसार एआईएफएफ की कार्यकारी समिति में 14 सदस्य होंगे, जिन पर आयु और कार्यकाल का नियम लागू होगा। इसमें एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष (एक पुरुष और एक महिला), एक कोषाध्यक्ष और 10 अन्य सदस्य होंगे। अन्य 10 सदस्यों में से पांच प्रतिष्ठित खिलाड़ी होंगे, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल होंगी। मसौदा संविधान में अविश्वास प्रस्ताव के ज़रिए अध्यक्ष समेत पदाधिकारियों को हटाने का भी प्रावधान है, जो एआईएफएफ के मौजूदा संविधान में नहीं है।

हैदराबाद में भारत फ्यूचर सिटी 30 हजार एकड़ में बसेगी : रेवंत रेड्डी

सीएम का पब्लिक अफेयर्स फोरम ऑफ इंडिया के सदस्यों को संबोधन

नई दिल्ली, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घोषणा की है कि तेलंगाना हैदराबाद में वैश्विक मानकों के अनुरूप देश के सबसे बेहतरीन नियोजित शहरी केंद्रों में से एक, भारत फ्यूचर सिटी का निर्माण कर रहा है।

शुक्रवार को नई दिल्ली में पब्लिक अफेयर्स फोरम ऑफ इंडिया के सदस्यों को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि प्रस्तावित शहर अपने पहले चरण में 30,000 एकड़ से अधिक क्षेत्र में बसाया जाएगा। शहर में एआई सिटी, स्वास्थ्य क्षेत्र, शिक्षा क्षेत्र सहित नौ क्षेत्र होंगे।

तेलंगाना राइजिंग 2047 के विवरण पर विस्तार से बताते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा, मैं 2034 तक तेलंगाना को 1 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की राज्य अर्थव्यवस्था बनाना चाहता हूं। इसके लिए हमारी रणनीति पूरे राज्य को जोन में विभाजित करने की है- आउटर रिंग रोड (160 किलोमीटर) के अंदर कोर अर्बन होगा, ओआरआर और नए रीजनल रिंग रोड (360 किलोमीटर) के बीच विनिर्माण क्षेत्र के रूप में समर्पित अर्ध-शहरी होगा, और आरआरआर के बाहर ग्रामीण अर्थव्यवस्था होगी। पैनल मॉडरेटर्स और श्रोताओं के कई सवालों का जवाब देते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि भविष्य उन शहरों का होगा जो जल और जलवायु संकट का सबसे अच्छा प्रबंधन कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हम मूसी नदी के पुनरुद्धार, झीलों और नालों के पुनरुद्धार और पुनर्जीवन के माध्यम से एक शहरी जल ग्रिड का निर्माण कर रहे हैं। केवल उन्हीं शहरों का भविष्य है जो जलवायु संकट के जोखिमों को कम कर सकते हैं। हम हैदराबाद को भारत का पहला ऐसा शहर बनाएंगे जो सूखे और शहरी बाढ़ सहित जलवायु संकट के जोखिमों को कम करेगा। जोन के बारे में विस्तार से बात करते हुए, मुख्यमंत्री ने शीर्ष 100 वैश्विक और भारतीय निगमों के जनसंपर्क पेशेवरों को बताया कि हैदराबाद को एक ज्ञान केंद्र बनाया जाएगा, जिसके लिए वह दुनिया के शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों से संपर्क कर रहे हैं ताकि वे तेलंगाना में अपने अपतटीय परिसर स्थापित कर सकें। ये संस्थान यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी, वाईआई स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, वाईआई इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल आदि के माध्यम से शिक्षा और कौशल को बुनियादी प्रोत्साहन प्रदान करेंगे। भारत फ्यूचर सिटी, रीजनल रिंग रोड, रीजनल रिंग रेल, मूसी कायाकल्प और मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं के अन्य लाभों के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, हम भविष्य के लिए अवसर पैदा कर रहे हैं। हम एक भारतीय शहर के लिए नए मानक स्थापित करने जा रहे हैं। हम दुनिया के लिए विनिर्माण में चीन+1 का विकल्प भी तैयार करेंगे। सभी कंपनियों और पेशेवरों को तेलंगाना राइजिंग विजन का समर्थन करने के लिए आमंत्रित करते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा, सभी के लिए अवसरों के साथ, इस अद्भुत राज्य और अर्थव्यवस्था के निर्माण में मेरे साथ जुड़ें।

रेवंत ने बीआरएस प्रमुख केसीआर की तुलना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से की

नई दिल्ली, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव की तुलना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से की। शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित पीएएफआई वार्षिक सम्मेलन में अपने भाषण के दौरान, मुख्यमंत्री ने केसीआर को 'तेलंगाना ट्रंप' कहा और साथ ही अमेरिकी नेता और बीआरएस संस्थापक, दोनों की आलोचना की। रेवंत रेड्डी ने कहा, तेलंगाना में कभी एक ट्रंप था, लेकिन जनता ने उसे हटा दिया है। कोई भी नेता जो अपनी मनमर्जी से शासन करता है, वह अनिवार्य रूप से ट्रंप ही बन जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर पर चुटकी लेते हुए उन्होंने कहा, जो नेता मनमाने तरीके से शासन करता है, उसे निश्चित रूप से परिणाम भुगतने होंगे। देर रात तक भी, आवेग में आकर निर्णय लेना टिकाऊ नहीं है। अमेरिकी संस्थानों को तेलंगाना में स्थानांतरित होने पर विचार करना चाहिए, जहां हम सभी आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान करेंगे। हम अपने राज्य में निवेश का स्वागत करते हैं।

पारिवारिक विवाद के बाद महिला ने की पति की हत्या

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके नरसिंगी के कोकापेट में गुरुवार रात एक महिला ने कथित तौर पर पारिवारिक विवाद के चलते अपने पति की चाकू मारकर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार, दंपति- कृष्णा ज्योति बोरा और भारका बोरा, जो असम से थे और हैदराबाद चले गए थे, दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करते थे। बताया जा रहा है कि दम्पति के बीच अक्सर विवाद होता रहता था तथा पति पिछले कई दिनों से छोटी-छोटी बातों पर अपनी पत्नी को परेशान कर रहा था। गुरुवार आधी रात को एक मामूली बहस हिंसक झड़प में बदल गई। गुस्से में आकर पत्नी ने सब्जी काटने वाला चाकू उठाया और अपने पति पर कई वार कर दिए। उसकी चीखें सुनकर स्थानीय लोग दौड़े और अंदर जाकर देखा कि वह खून से लथपथ पड़ा है। उसे तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। नरसिंगी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हत्या का मामला दर्ज किया और महिला को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने माँ पर हमला करने वाले बेटे के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भोलकपुर, सिकंदराबाद की एक परेशान माँ ने हिम्मत जुटाकर डीसीपी सेंट्रल जोन के. शिल्पावल्ली और गांधीनगर पुलिस स्टेशन में अपने ही बेटे, नचारामा तारक रामाराव (40 वर्ष, मजदूर) के खिलाफ एक दिल दहला देने वाली शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि उसके बेटे ने शराब के नशे में उसके साथ मारपीट की और नशे की हालत में सार्वजनिक रूप से उपद्रव मचाया। शिकायत को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए, डीसीपी सेंट्रल जोन ने गांधीनगर पुलिस को जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए और गांधीनगर पुलिस ने बीएनएस की धारा 355 और 292 तथा सिटी पुलिस एक्ट की धारा 70(ए और सी) के तहत एक ई-पेटी मामला दर्ज किया। जी. हरीश कुमार, एसआईपी ने पुलिस निरीक्षक एन. बोस किरण की देखरेख में जांच की और आरोप पत्र दाखिल किया। आरोपी को तेरहवें विशेष महानगर दंडाधिकारी, सिकंदराबाद के समक्ष पेश किया गया, जहां माननीय दंडाधिकारी के. रविशंकर ने आरोपी को 10 दिन के कारावास की सजा सुनाई। यह कार्रवाई एक कड़ा और स्पष्ट संदेश देती है कि माता-पिता के खिलाफ किसी भी प्रकार की हिंसा या दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। माता-पिता के साथ दुर्व्यवहार करने वालों को इसके परिणाम भुगतने होंगे। डीसीपी, सेंट्रल जोन, हैदराबाद, के. शिल्पावल्ली ने इस नाजुक मामले को संभालने में गांधीनगर पुलिस टीम की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता की सराहना की है।

हत्या की आरोपी महिला रिश्तेदार गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सैदाबाद पुलिस ने के. शिवैया की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए उसकी एक रिश्तेदार महिला आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गुरुवार शाम सैदाबाद पुलिस ने नेनावथ मंगा को गिरफ्तार किया, जिसने बीते 14 सितंबर की मध्य रात्रि को अपने रिश्तेदार कात्रोत शिवैया (70 वर्ष) की निर्मम हत्या कर दी थी और उनके चांदी के आभूषण चुरा लिए थे। पुलिस के अनुसार कात्रोत शिवैया, अपनी पत्नी और बेटी के साथ विष्णु नगर, सैदाबाद में रहते थे। उनकी बड़ी बेटी (शिकायतकर्ता) ने 15 सितंबर को एक रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसमें बताया गया कि उसके पिता अपने निर्माणाधीन घर में मृत पाए गए और घर से चांदी के आभूषण गायब है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने जांच में पाया कि आरोपी मृतक की पत्नी की भतीजी है और उसी इलाके में रहती थी। नया घर बनाने के लिए कात्रोत शिवैया ने वेंकटेश नामक व्यक्ति को ठेका दिया था, लेकिन काम अधूरा रह गया, जिससे भारी आर्थिक नुकसान हुआ। शिवैया और उसकी छोटी बेटी ने इस नुकसान के लिए बार-बार आरोपी को ज़िम्मेदार ठहराया, और अक्सर झगड़े और पारिवारिक संबंधों में तनाव पैदा किया। आरोपी श्रीमती नेनावत मंगाने अपने पति की मृत्यु के बाद वेंकटेश के साथ अवैध संबंध बना लिए थे और वेंकटेश द्वारा उसके नाम पर खरीदे गए दोपहिया वाहन की ईएमआई का भुगतान न करने के कारण उसे आर्थिक दबाव का भी सामना करना पड़ा। बीते 14 सितंबर को जब शिवैया निर्माणाधीन मकान में नशे की हालत में अकेला सो रहा था, आरोपी ने तकिये से उसका गला घोंट दिया और फिर प्लास्टिक के टाइल-बाइंडिंग धागे से उसका गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

बाढ़ की पीड़ा से स्थायी राहत प्रदान करेंगे

मंत्री और महापौर ने लोगों को दिया आश्वासन

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, रोजगार और भूमिगत खान राज्य मंत्री विवेक वेंकटस्वामी और गदवाल की मेयर विजयलक्ष्मी ने कहा कि शेखपेट डिवीजन के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को बाढ़ की पीड़ा से स्थायी राहत प्रदान की जाएगी।

शुक्रवार शाम को, मंत्री और महापौर ने शेखपेट संभाग के विराट नगर, मिनी बृंदावनम और हाकिम कॉलोनी के प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया, जहां हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण बाढ़ आ गई थी। उन्होंने प्रभावित लोगों से बात की और आश्वासन दिया कि जल्द ही स्थायी समाधान निकाला जाएगा। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री और महापौर ने कहा कि लोगों को हिम्मत रखनी चाहिए और सरकार बाढ़ प्रभावित लोगों की हर संभव मदद करेगी। मंत्री और महापौर ने अधिकारियों को स्थायी समाधान के लिए शीघ्र योजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए।

विधानसभा अध्यक्ष ने छह दलबदलू बीआरएस विधायकों को नोटिस जारी किया

स्टेशन घनपुर निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए कांग्रेस के साथ : कडियम

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में शामिल होने वाले छह बीआरएस विधायकों को नोटिस जारी किया है।

नोटिस प्राप्त करने वाले विधायकों में संजय, पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी, काले यादैया, तेलम वेंकट राव, बंडला कृष्णमोहन रेड्डी और गुडेम महिपाल रेड्डी शामिल हैं। इसी क्रम में, स्टेशन घनपुर के विधायक कडियम श्रीहरि ने दलबदलू विधायकों पर की गई अपमानजनक टिप्पणियों के लिए बीआरएस नेताओं की निंदा की। शुक्रवार को हनुमाकोंडा में आयोजित एक मीडिया ब्रीफिंग में, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस के साथ उनका सहयोग पूरी तरह से स्टेशन घनपुर निर्वाचन क्षेत्र के विकास को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से है।

कडियम श्रीहरि ने यह भी बताया कि पिछली सरकार के दौरान, बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव ने 36 विधायकों का अपनी पार्टी में स्वागत किया था और उनमें से दो को मंत्री बनाया था। उन्होंने सवाल किया कि क्या उनमें से किसी ने उस समय इस्तीफा दिया था और मजाक उड़ाते हुए पूछा कि क्या बीआरएस नेता अब सिद्धांतों को पहचानने लगे हैं। कडियम ने इस बात पर जिज्ञासा व्यक्त की कि अब इतनी चर्चा क्यों हो रही है और आश्चर्य व्यक्त किया कि उस समय दूसरों की बुद्धि कहां थी।

कडियम श्रीहरि, जो सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में जाने से पहले बीआरएस पार्टी से विधायक चुने गए थे, ने भी अध्यक्ष द्वारा उन्हें जारी किए गए नोटिसों पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा, मैं कांग्रेस सरकार के साथ केवल स्टेशन घनपुर निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए सहयोग कर रहा हूं। कांग्रेस के साथ इस साझेदारी के कारण इसके विकास के लिए महत्वपूर्ण धनराशि जारी हुई है।

भट्टी ने विभागीय कार्यों में प्राथमिकता निर्धारण की आवश्यकता पर बल दिया

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री और अवसंरचना एवं पूंजीगत कार्य उप-समिति के अध्यक्ष भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को विभागवार विकास कार्यों को प्राथमिकता देने और युक्तिसंगत बनाने के निर्देश दिए।

उप-समिति की बैठक शुक्रवार को सचिवालय में हुई, जिसमें मंत्रीगण और उप-समिति के सदस्य उत्तम कुमार रेड्डी और दुदिल्ला श्रीधर बाबू उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को 1:3 के अनुपात में प्रस्ताव लाने और यदि प्रस्तावों की संख्या अधिक है, तो उन्हें विभिन्न वर्षों के अनुसार प्राथमिकता के आधार पर वर्गीकृत करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी विभागों के प्रमुख सचिवों को एक सप्ताह के भीतर विस्तृत प्रस्तावों के साथ अगली बैठक में उपस्थित होने का निर्देश दिया। उप-समिति के सदस्यों ने सड़क एवं भवन (आरएंडबी) और पंचायत राज विभाग के अधिकारियों को सड़क निर्माण कार्यों की निविदा प्रक्रिया में तेजी लाने का भी निर्देश दिया। बैठक के दौरान आरएंडबी, पंचायत राज और पुलिस विभागों के प्रस्तावों की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, पंचायत राज के प्रमुख सचिव श्रीधर और अन्य विभागीय सचिव शामिल हुए।

आज रोजगार मेला आयोजित

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 20 सितंबर को सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक खाजा मेंशन फंक्शन हॉल, मसाब टैंक में सिटी जॉब फेयर का आयोजन किया जा रहा है। एक प्रेस विज्ञप्ति में, आयोजक मन्नान खान ने बताया कि इस रोजगार मेले में कई कंपनियां भाग लेंगी और फार्मा, स्वास्थ्य सेवा, आईटी और आईटीईएस, शिक्षा और बैंकिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अवसर प्रदान करेंगी। कुछ कंपनियां घर से काम करने का विकल्प भी प्रदान करेंगी।

ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़, 7 गिरफ्तार

25 हजार रुपये नकद व 55 लैपटाप बरामद

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त कार्य बल, पश्चिम क्षेत्र, हैदराबाद के अधिकारियों ने ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ कर सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी कई ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म चलाने में संलिप्त थे। सट्टेबाज ऑनलाइन सट्टेबाजी वेबसाइटों पर पंजीकृत थे और एजेंटों द्वारा सट्टेबाजों को ऑनलाइन सट्टेबाजी खेलने के लिए उपयोगकर्ता नाम और पासवर्ड प्रदान करते थे। वे ऑनलाइन लेनदेन के माध्यम से राशि प्राप्त करते थे और हैदराबाद में अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट चला रहे थे। आरोपियों के पास से नकद 25 हजार रुपये, मोबाइल फोन 55, लैपटॉप 3, डेबिट कार्ड 60, स्कैनर आदि बरामद हुआ है। आगे की कार्रवाही के लिए खोजबीन जारी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.